ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ DAILY

धारवाड़ लोकसभा क्षेत्र से एक गैर-पार्टी उम्मीदवार के रूप में लड़ेंगे चुनाव @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । मंगलवार, 09 अप्रैल, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 ।※। मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-99

पीएम मोदी पर बेजा टिप्पणी करने वाली पूर्व मंत्री ने फिर की ओछी हरकत

अब तिरंगे के अपमान पर उतरा मालदीव...

चीन के उकसावे पर मालदीव भारत विरोधी हरकतों पर उतारू है। पिछली बार भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ विवादित टिप्पणी करने के बाद मालदीव उसका खामियाजा भी भुगत चुका। पूरी दुनिया में मालदीव और वहां के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू की किरकिरी हुई थी। विवादित टिप्पणी करने वाले मंत्रियों को निलंबित करने के बाद मालदीव ने माफी मांगी थी। लेकिन उस कृत्य को मालदीव ने अपने कॉलर से बड़ी बेशर्मी से झाड़ कर फिर वैसी ही हरकत कर डाली। पीएम मोदी और भारत के खिलाफ विवादित टिप्पणी करने वाली उसी निलंबित मंत्री मरियम शिउना ने अब भारतीय तिरंगे का अपमान किया है। मरियम ने भारतीय झंडे के खिलाफ एक विवादित पोस्ट किया है। मरियम शिउना ने विपक्षी दल मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी (एमडीपी) को निशाना बनाते हुए एक पोस्ट साझा किया। उस पोस्ट में एमडीपी के लोगो की जगह भारतीय तिरंगे में लगे अशोक चक्र को लगाया गया था।

मरियम शिउना के इस पोस्ट पर बवाल मच गया है। लोगों में काफी आक्रोश है। भारत समेत पूरी दुनिया के लोग मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू से शिउना के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग कर रहे हैं। हंगामे के चलते मरियम शिउना ने पोस्ट को सोशल मीडिया से हटा लिया है और माफी भी मांगी है। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बारे में जानकारी नहीं था और जो भी हुआ वो अनजाने में हुआ। उन्होंने कहा कि मालदीव भारत के साथ अपने संबंधों को महत्व देता है और देश का सम्मान करता है।

मरियम शिउना ने सोशल मीडिया एक्स (पहले ट्विटर) पर शनिवार (6 अप्रैल) को उन्होंने अपनी पार्टी पीपीएम के लिए समर्थन जुटाने वाला एक पोस्ट किया था। जिसके पोस्टर में उन्होंने भारत के राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा में शामिल अशोक चक्र का बेजा इस्तेमाल किया। विपक्षी पार्टी पीपीएम को निशाना बनाते हुए उन्होंने अशोक चक्र को पोस्टर में शामिल किया। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा था कि एमडीबी भारत के जाल में फंस रही है लेकिन हमें यानी मालदीव को उनके जाल में दोबारा फंसने की जरूरत नहीं है।

फिर मचा बवाल तो फिर से मांग ली माफी

इस पोस्टर को विपक्ष की पार्टी मालदीव डेमोक्रेटिक पार्टी (एमडीपी) के पोस्टर को बिगाड़ करके बनाया गया था। एमडीपी के पोस्टर में एक कम्पास था जिसकी जगह पर भारत के तिरंगा में शामिल अशोक चक्र लगा दिया गया।

मरियम ने सिर्फ अशोक चक्र ही नहीं बल्कि भाजपा के चुनाव चिन्ह कमल को भी शामिल किया। शिउना का ऐसा करने के पीछे का मकसद सीधे सीधे भारत का अपमान करने का था। पिछले कुछ समय से भारत और मालदीव के बीच तनाव चल रहा है। यह तनाव तब शुरू हुआ था जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लक्षद्वीप के दौरे पर गए थे और उन्होंने लक्षद्वीप की तारीफ करते हुए सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें शेयर की थीं। इस पर मरियम शिउना सहित मालदीव के अधिकारियों ने पीएम मोदी और भारत के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां की थीं।

जम्मू कश्मीर में महत्वपूर्ण परिवर्तन की सुगबुगाहटें

जनरल वीके सिंह बनेंगे उपराज्यपाल मनोज सिन्हा लड़ेंगे गाजीपुर से चुनाव

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 08 अप्रैल।

भारतीय जनता पार्टी जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा को उत्तर प्रदेश की गाजीपुर संसदीय सीट से चुनाव मैदान में उतारने की तैयारी में है। मनोज सिन्हा जल्दी ही अपने पद से इस्तीफा दे सकते हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री और पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल वीके सिंह का जम्मू कश्मीर का उपराज्यपाल बनना तय माना जा रहा है। हालांकि आधिकारिक तौर पर इसकी पुष्टि होना बाकी है।

सूत्र बताते हैं कि जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा अपने पद से इस्तीफा दे सकते हैं और गाजीपुर से लोकसभा चुनाव लड़ सकते हैं। जम्मू कश्मीर के मौजूदा उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने 7 अगस्त, 2020 को जम्मू-कश्मीर एलजी का पद संभाला। वह उत्तर प्रदेश के गाजीपुर के रहने वाले हैं और मई 2014 से मई 2019 तक नरेंद्र मोदी सरकार में केंद्रीय मंत्री भी रहे हैं। वह रेल और संचार मंत्रालय में राज्य मंत्री थे।

दोनों फैसलों पर आधिकारिक घोषणा का इंतजार
सत्ता गलियारे में दोनों फैसलों की चर्चा बेशुमार

भाजपा ने अभी तक उत्तर प्रदेश की कुछ सीटों पर अपने उम्मीदवार तय नहीं किए हैं, जिनमें गाज़ीपुर भी शामिल है। इस सीट पर 2019 के चुनाव में बसपा के अफजाल अंसारी ने मनोज सिन्हा को हराया था। सिन्हा इस सीट से तीन बार सांसद रहे हैं और 1996, 1999 और 2014 में विजयी रहे। 2014 के लोकसभा चुनाव में मनोज सिन्हा ने इस सीट पर समाजवादी पार्टी की शिवकन्या कुशवाह को हराया था। 2019 में वे अफजाल अंसारी से चुनाव हार गए। इस बार फिर माफिया मुख्तार अंसारी की जेल में हुई मौत के बाद गाजीपुर सीट सुर्खियों में है। वहां से मुख्तार के भाई अफजाल फिर चुनाव मैदान में हैं। भाजपा के लिए वह सीट प्रतिष्ठा की सीट बनी हुई है। इसीलिए भाजपा नेतृत्व वहां से मनोज सिन्हा को मैदान में उतारना चाहता है।

जम्मू कश्मीर राजभवन इस मामले पर चुप्पी साधे है, पर राजभवन के कुछ अधिकारी दबे शब्दों में इतना जरूर बताते हैं कि राजभवन की अंदरूनी गतिविधियां तेज हैं और नए उप राज्यपाल के आने की तैयारी की जा रही है।

जम्मू कश्मीर के राजभवन में पूर्व केंद्रीय मंत्री और पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल वीके सिंह के उप राज्यपाल के रूप में आने की प्रतीक्षा की जा रही है। फिलहाल दोनों घटनाओं की आधिकारिक पुष्टि की भी प्रतीक्षा है।

बस्तर की जनसभा में बोले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

कांग्रेस की दुकान बंद, लूट का लाइसेंस खत्म

वो कौन सा पंजा था जो सरकारी योजनाओं के पैसे झपट लेता था?

भ्रष्टाचारी जितनी रैली करें, जेल जाना ही होगा, मोदी की गारंटी है

रायपुर/जगदलपुर, 08 अप्रैल (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज बस्तर की धरती से छत्तीसगढ़ में लोकसभा चुनाव का शंखनाद किया। भानपुरी के छोटे आमाबाल में चुनावी सभा में कांग्रेस पर जमकर बरसे। भ्रष्टाचार को लेकर कांग्रेस को घेरते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार में बहुत ज्यादा करप्शन हुए। साल 2014 से पहले लाखों-करोड़ों के घोटाले हुए। दिल्ली से एक रुपए निकलता था और सिर्फ 15 पैसा ही गांव तक पहुंचता था। ये मैं नहीं कांग्रेस के ही प्रधानमंत्री ने कहा था। सवाल खड़ा करते हुए पूछा कि वो कौन सा पंजा था जो 85 पैसे मार लेता था। अब हमने इस कुंजी को ही बंद कर दिया है। चुनाव में कांग्रेसी भ्रष्टाचारी बचाओ रैली निकाल रहे हैं पर वो समझ लें भ्रष्टाचारियों को जेल जाना ही पड़ेगा, ये मोदी की गारंटी है।

पीएम ने कहा कि एक रुपया भेजो और 15 पैसा मिले वह जादू हमने बंद कर दिया है। वर्ष 2014 से पहले कांग्रेस को लगा कि उसे लूटने का लाइसेंस मिला है। 2014 में भाजपा की सरकार बनने के बाद हमने कांग्रेस की लूट का लाइसेंस ही कैंसिल कर दिया। जब कांग्रेस की दुकान बंद हो गई और लूटने का लाइसेंस चला गया तो वो मोदी को गाली दे रहे हैं।

पूर्व की भूपेश सरकार पर निशाना चाहते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार पर आज कड़ी कार्रवाई हो रही है। यहां की युवाओं को जिन्होंने धोखा दिया, उनकी तेजी से जांच चल रही है। ऐसे में वो नाराज होकर लाठी से मोदी का सिर फोड़ने की धमकी दे रहे हैं।

हार्दिक शुभकामनाएँ

युगादी पर्व पर सभी सुधी पाठकों, विज्ञापनदाताओं, एजेंटों और हॉकरों को हार्दिक शुभकामनाएँ।

-गोपाल अग्रवाल
संपादक, शुभ लाभ

अवकाश की सूचना

युगादी पर्व के उपलक्ष्य में शुभ लाभ कार्यालय में मंगलवार, 09 अप्रैल, 2024 को पूर्ण अवकाश रहेगा। अगला अंक गुरुवार, 11 अप्रैल, 2024 को प्रकाशित होगा।

- प्रबंधक

भारत ने एलएसी पर तैनात की खतरनाक एयरक्राफ्ट मिसाइलें

नजदीक से दुश्मन को मारने में सक्षम हुआ भारत

नई दिल्ली, 08 अप्रैल (एजेंसियां)।

भारत ने चीन की सीमा वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर इग्ला-एस मैन पोर्टेबल एयर डिफेंस सिस्टम तैनात कर दिया है। पहली इकाई में 24 लॉन्चर और 100 एंटी-एयरक्राफ्ट मिसाइलें हैं, जो हाल ही में रूस से पहली खेप के रूम में भारत को मिली हैं। कंधे पर रखकर दागी जाने वाली यह मिसाइलें 6 किलोमीटर तक हवाई लक्ष्य को भेदने में सक्षम हैं। यानी अब भारत बहुत नजदीक से दुश्मन को मारने में सक्षम होगा।सेना की मौजूदा जरूरतों को पूरा करने के लिए इग्ला-एस का ऑर्डर पिछले साल दिया गया था। 6 किलोमीटर तक की बेहतर मारक क्षमता के साथ इग्ला-एस पुराने सिस्टम के मुकाबले ज्यादा प्रभावी है। कंधे पर रखकर सतह से हवा में मार करने वाली यह मिसाइल प्रणाली उच्च पर्वतीय क्षेत्रों में दुश्मन के विमान, ड्रोन और मिसाइलों को कम ऊंचाई वाले हवाई खतरों को बेअसर करने के लिए काफी है। इग्ला-एस एंटी-एयरक्राफ्ट मिसाइल का वजन 10.8 किलोग्राम, जबकि पूरे सिस्टम का वजन 18 किलोग्राम है।

हाई-वे पर उतरे तेजस, जगुआर और सुखोई लड़ाकू विमान

जालोर, 08 अप्रैल (एजेंसियां)।

राजस्थान में भारतमाला प्रोजेक्ट हाई-वे 925-ए पर सोमवार को तेजस, जगुआर और सुखोई-30 लड़ाकू विमानों की लैंडिंग हुई। भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर सांचौर-बाड़मेर जिले से सटे अगड़वा से गुजर रहे इस हाईवे पर सबसे पहले तेजस ने लैंडिंग की। यहां सुबह करीब दस बजे तेजस ने लैंडिंग की।

हैदराबाद की भाजपा प्रत्याशी की सुरक्षा सख्त

माधवी लता की सुरक्षा में 11 कमांडो तैनात

आईबी की रिपोर्ट के बाद बढ़ाई गई सुरक्षा

हैदराबाद, 08 अप्रैल (एजेंसियां)।

हैदराबाद लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी माधवी लता की सुरक्षा को केंद्र सरकार ने बढ़ा दिया। खुफिया एजेंसी आईबी (आईबी) की रिपोर्ट के बाद सरकार ने माधवी लता की सुरक्षा में 11 कमांडो को तैनात किया है। माधवी लता हिंदुत्व समर्थक के रूप में मशहूर हैं और तीन तलाक पर अपने बयानों के बाद चर्चा में आई थीं। माधवी लता हैदराबाद से एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी के खिलाफ चुनाव लड़ रही हैं।

माधवी लता को गृह मंत्रालय ने वाई प्लस कैटेगरी की सुरक्षा दी है। गृह मंत्रालय ने आईबी की थ्रेट-रिपोर्ट का आधार पर भाजपा प्रत्याशी माधवी को सुरक्षा दी है। वाई प्लस कैटेगरी में आर्म्ड पुलिस के 11 कमांडो तैनात किए जाते हैं, जिसमें पांच पुलिस के स्टैटिक जवान वीआईपी की सुरक्षा के लिए उनके घर और आसपास रहते हैं। साथ ही 6 पीएसओ तीन शिफ्ट में संबंधित वीआईपी को सुरक्षा देते हैं।

असदुद्दीन ओवैसी के खिलाफ भाजपा द्वारा चुनाव मैदान में उतारे जाने के बाद माधवी लता तेजी से सुर्खियों में आ गईं। उन्हें कट्टर हिंदुत्व का चेहरा माना जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी उनकी प्रशंसा कर चुके हैं। माधवी लता पेशे से एक डॉक्टर हैं और विरिंची नाम का एक अस्पताल भी चलाती हैं। वह अपने हिंदुत्व समर्थक रुख के लिए चर्चा में बनी रहती हैं। माधवी लता भरतनाट्यम नर्तकी भी हैं।

कार्टून कॉर्नर

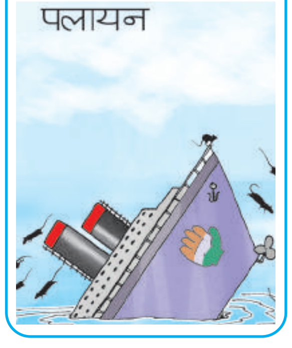

दिल्ली आबकारी घोटाला और मनी लॉन्ड्रिंग पर सबकी नजर

तो इस तरह दिल्ली के घोटाले में शरीक हुईं दक्षिण की कविता

नई दिल्ली, 08 अप्रैल (एजेंसियां)।

दिल्ली शराब नीति घोटाला पिछले कुछ समय से लगातार सुर्खियों में है। आबकारी नीति में हुए घोटाले में पिछले महीने कई हाई-प्रोफाइल गिरफ्तारियां हुईं, जिसमें दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की बेटी के. कविता शामिल हैं। इन दोनों नेताओं की गिरफ्तारी ईडी ने की है। शराब नीति घोटाले में मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) कर रहा है। फिलहाल दोनों नेता न्यायिक हिरासत में हैं। सोमवार को दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने के कविता की अंतरिम जमानत याचिका खारिज कर दी है।

शराब नीति भले ही दिल्ली के लिए थी लेकिन इसमें हुए घोटाले में ईडी ने दक्षिण से लेकर गोवा तक तार जोड़े हैं। जहां साऊथ ग्रुप को घोटाले का प्रमुख लाभकारी बताया गया है तो वहीं दावा यह भी है कि घोटाले से कमाई गई राशि गोवा विधानसभा चुनाव में इस्तेमाल हुई। आम आदमी पार्टी की गोवा इकाई के नेताओं से भी इस मामले में पूछताछ हो चुकी है। कोरोना काल के बीच दिल्ली की आम आदमी पार्टी की सरकार ने दिल्ली आबकारी नीति 2021-22 लागू की थी।

के कविता की अंतरिम जमानत याचिका खारिज

इस शराब नीति के कार्यान्वयन में अनियमितता की शिकायतें आईं जिसके बाद उपराज्यपाल ने सीबीआई जांच की सिफारिश की।

इसके साथ ही दिल्ली आबकारी नीति 2021-22 सवालों के घेरे में आ गई।

शराब घोटाले में आपा नेता दुर्गेश पाठक से हुई पूछताछ

नई दिल्ली, 08 अप्रैल (एजेंसियां)।

दिल्ली शराब घोटाला मामले की जांच कर रही प्रवर्तन निदेशालय ने एक और बड़ी कार्रवाई की है। आम आदमी पार्टी के नेता दुर्गेश पाठक को पहले समन जारी किया गया था। आज ईडी ने दुर्गेश पाठक से पूछताछ की। ईडी ने केजरीवाल के पीए विभव कुमार से भी पूछताछ की।अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रवर्तन निदेशालय ने सोमवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निजी सहायक (पीए) विभव कुमार से शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ की। विभव कुमार से जांच एजेंसी द्वारा पहले भी इसी मामले में पूछताछ हो चुकी है। विभव कुमार का बयान धन शोधन निवारण अधिनियम के प्रावधानों के तहत दर्ज किया गया है।

सर्राफ़ा बाज़ार

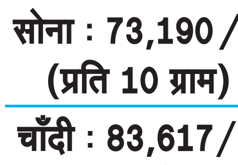

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 73,190/-
(प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 83,617/-
(प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 37^0
न्यूनतम : 24^0

बेंगलूरु गौड़ ब्राह्मण संघ ने मनाया होली मिलन और गणगौर उत्सव

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जयनगर स्थित अशोका पिल्लर के निकट महाराजा अग्रसेन भवन में रविवार को होली मिलन व गणगौर उत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि राधे श्याम शर्मा की अध्यक्षता में संस्थापक सदस्य कैलाश गौड़, राजाराम, नंदलाल इम्दोरिया, संघ के अध्यक्ष चुन्नीलाल नाथोलिया, सुरेश शर्मा, जुगल किशोर शर्मा, सुरेश शर्मा (रिचा सिल्क), देवेंद्र गौड़, मुकेश शर्मा, महेश शर्मा, पवन शर्मा, संदीप नाथोलिया, संदीप जोशी, कोषाध्यक्ष दिनेश चंद्र उपाध्याय, अरुण शर्मा ने संघ के प्रति अपने विचार प्रकट किए। सभी संघ के सदस्यों को होली की शुभकामनाएं दी। गौड़ ब्राह्मण संघ महिला समिति द्वारा हंसा शर्मा, संगीता शर्मा, सरिता शर्मा, कुसुम शर्मा, पूजा शर्मा एवं सभी महिलाओं ने राधा कृष्ण की झांकी के साथ फूल गुलाल से होली खेलकर पूरा समा बांध दिया। होली महिलाओं ने गणगौर पूजन कर गीतों की प्रस्तुति से उपस्थित सभी सदस्यों को रिझाया। स्वाति शर्मा, कनक भोजक, विनोद मिश्रा, रामू सिसोदिया की म्यूजिकल ग्रुप ने सभी संघ सदस्यों को नाचने पर मजबूर कर दिया। पूरा माहौल राधा कृष्ण संग मनी रे होली का था। मंच संचालन सुविधा शर्मा ने किया। गौर ब्राह्मण संघ सचिव अनिल शर्मा ने पधारे हुए सभी संघ सदस्यों का आभार व्यक्त किया। बिमल सुरोलिया का सराहनीय सहयोग रहा।

मारवाड़ी समाज का होली स्नेह मिलन आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
स्थानीय कर्नाटक मारवाड़ी समाज (केएमएस) द्वारा कनकपुरा रोड स्थित एवेंटा रिसॉर्ट में रविवार को हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी होली स्नेह मिलन का आयोजन किया गया। प्रातः 9 बजे से आयोजित कार्यक्रम में सदस्य परिवार की महिलाओं व बच्चों ने अनेक सांस्कृतिक व फैशन शो, अंताक्षरी व धमाके दार फूलों की होली खेलकर आनन्द लिया। इस अवसर पर संस्था के सदस्यों के माता पिता का भी सम्मान किया गया। रिंकेश बेरोलिया, प्रभात यादुका, मनोज पोद्दार, राकेश जिंदल, पिंटू अग्रवाल, तरुण चाँदगोठिया, मोहित तुलसियान और संदीप पोद्दार ने पूरी व्यवस्था को संभाल कर सहयोग किया। महिला विंग ने भी कार्यक्रम में पूरा सहयोग किया। रंजन भावसिंका ने अंताक्षरी में जज बनकर सभी का उत्साह बढ़ाया। अध्यक्ष विकास चंद्रा ने सभी का स्वागत किया। संस्था के गणमान्य सदस्य आनन्द गिन्डोरिया, बिमल सरावगी, आनन्द अग्रवाल, आनंद पोद्दार, प्रवीण तुलसियान, प्रशांत टिबरेवाल एवं अभिमन्यु छापोलिया ने सुंदर आयोजन के लिए पूरी टीम की सराहना की। प्रभात यादुका ने आभार प्रकट किया।

आत्म ज्ञान की प्राप्ति से ही हृदय में परमात्मा की अनुभूति संभव

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जिस प्रकार दूध में घी छुपा हुआ है पर उसे प्राप्त करने के लिए युक्ति के द्वारा उसे मंथन करके प्राप्त किया जाता है। उसी प्रकार से प्रत्येक मनुष्य के हृदय में परमात्मा छुपे हुए है। जब सदगुरू के द्वारा आत्म ज्ञान की प्राप्ति होती है तभी मनुष्य उसकी अनुभूति प्राप्त कर सकता है। मनुष्य शरीर की महिमा इस लिए गाई गई है क्योंकि वह इसके माध्यम से ईश्वर की प्राप्ति कर सकता है। उक्त विचार महात्मा मुक्ताबाई ने श्री हंस सत्संग आश्रम के आर पुरम में मां राजेश्वरी देवी की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित मातृ दिवस के अवसर पर व्यक्त किए। उन्होंने नारी को शक्ति स्वरूपा बताते हुए कहा कि नारी निंदा मत करो नारी नर की खान, नारी से पैदा हुए ध्रुव प्रहलाद महान। मां राजेश्वरी देवी के अलौकिक जीवन पर उन्होंने विस्तार पूर्वक प्रकाश डालते हुए उनके जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। महात्मा प्रवीणा बाईजी ने कहा कि एक मां ब्रह्मा विष्णु और महेश तीनों के दायित्व का निर्वहन करती है। संतान को प्राप्त कर ब्रह्मा का उसका पालन पोषण कर विष्णु का और उसके अवगुणों का नाश करके शिव का कार्य पूर्ण करती है। महात्मा सौम्यानंद जी ने मां राजेश्वरी देवी के लोक कल्याणकारी कार्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि माताजी का जीवन गरीबों और पिछड़े लोगों के जीवन के उत्थान के लिए समर्पित रहा। महात्मा भावना नंदजी, महात्मा आत्मवेदांतानंदनी ने भी विचार व्यक्त किए। सेवानिवृत राजस्व अधिकारी बसवराज ने कन्नड़ भाषा में मां के जीवन चरित्र का चित्रण किया। डा. विजयकुमार, संदीप, नारायणलाल, कुकी बाई ने माल्यार्पण कर संत वृंदों का स्वागत किया।

हास्यकवि सम्मेलन के साथ जोधपुर एसोसिएशन का होली स्नेह मिलन आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जोधपुर एसोसिएशन का होली स्नेह मिलन एवं हास्य कवि सम्मेलन रविवार को होसुर रोड स्थित सुसवाणी माता मंदिर के प्रांगण में आयोजित किया गया। पूर्व मंत्री सज्जन राज मेहता ने बताया कि माताजी मंदिर के पावन प्रांगण में जाने माने चिर परिचित सुप्रसिद्ध कविगण एवं कवियत्री गण डॉ सुनील तरुण, डॉ प्रेम तन्मय, गरिमा सक्सेना, लोकेश मिश्रा ने हास्य, व्यंग्य, होली संदेश, त्यौहारों की महत्ता पर चुनिन्दा रचनाओं से श्रोताओं का मन मोह लिया और सभी ने ठहाको का भरपूर लुत्फ उठाया। चुनावी माहौल, गर्मी की भीषण मार और मार्च एंडिंग के तनाव से निजात पाने के इन सुनहरे माहौल ने कार्यक्रम का समां रोचकता और हास्य से भरपूर रहा। अध्यक्ष

राजेंद्र सिंघी ने स्वागत करते हुए होली की शुभकामनाएं दी। अंजू दुगड़ एवं महिलाओं के समूह ने सामूहिक मंगलाचरण पेश किया। शशि सिंघी एवं समूह ने होली पर गीतिका पेश की। मंत्री जितेंद्र दुगड़ ने हाल ही में वितरित नूतन डायरेक्टरी के अनुभव साझा किये। सभी आगंतुकों ने ठंडाई , गेम्स तथा स्वरूचि भोज का लुत्फ उठाया। सभी कविगण, कवियत्री गण का एवं दोनों प्रायोजक परिवार सरला - गोपाल राठी तथा प्रेमलता- प्रदीप चौरड़िया और कविता -राजेन्द्र चौरड़िया परिवार का माला और शाल के द्वारा अभिनन्दन अध्यक्ष , मंत्री, संरक्षक धीरेंद्र कुमार सिंघी, सहमंत्री कमलराज भंडारी, पूर्व मंत्री कैलाश भंसाली ने किया। समूचे कार्यक्रम का संचालन अंजू दुगड़ एवं मानद मंत्री जितेन्द्र दुगड़ ने किया। कार्यक्रम की समूची व्यवस्था का जिम्मा कोषाध्यक्ष प्रशान्त सिंघी, राजेश भंडारी, नरेन्द्र भण्डारी, महेन्द्र मेहता एवं पंकज मेहता ने बखूबी संभाला। सभी मेहमानों ने सुसवाणी माता मंदिर और सुशील धाम के दर्शन का अभूतपूर्व लाभ भी उठाया और होली के स्नेह मिलन पर आपस में खुशियों का लुत्फ उठाया।

साध्वी प्रमुखाओं के जीवनदर्पण पर आधारित प्रश्नोत्तरी का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में तेरापंथ कन्या मंडल के निर्देशन में तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर के अंतर्गत तेरापंथ कन्या मण्डल, विजयनगर द्वारा अन्वेषण (तेरापंथ धर्मसंघ की साध्वी प्रमुखाओं के जीवनदर्पण पर आधारित प्रश्नोत्तरी) रविवार को आयोजित की गई। सर्वप्रथम महिला मंडल की अध्यक्षा मंजू गादिया ने नमस्कार महामंत्र द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कन्या मंडल की संयोजिका ध्वनि गन्ना ने सभी का स्वागत किया। कन्या मंडल की कन्याओं ने महाश्रमण अष्टकम द्वारा मंगला-चरण किया। तत्पश्चात लिखित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ जिसमें 10 प्रतिभागियों ने भाग लिया। मंजू गादिया ने सभी कन्याओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि सभी कार्यक्रमों में भाग लेकर अपनी प्रतिभा को और निखारें। महिला मंडल की उपाध्यक्षा सुमित्रा बरडिया ने कान्याओं के हुनर को सामने लाने के लिए प्रोत्साहित किया। प्रथम स्थान उषा जैन, द्वितीय स्थान निधि चावत, तृतीय स्थान अक्षरा बाबेल ने प्राप्त किया। सभी विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। मंडल की प्रभारी मोनिका गांधी ने विजेताओं के नाम घोषित किए। सभी का आभार मंडल की सह संयोजिका प्रियल बाबेल ने किया। कार्यक्रम की संयोजिका जान्हवी कावड़िया ने कुशल संचालन किया। समता भवन वालों का विशेष सहयोग रहा।

श्री शांति गुरुभक्त परिवार बेंगलूरु की सभा आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
गोडवाड भवन के मुछाला महावीर हाल में रविवार को श्री शांति गुरुभक्त परिवार बेंगलूरु की सर्व सदस्य सभा का आयोजन हुआ।

आगामी 19 मई को दक्षिण शांतिसूरि धाम, अरसीकेरे के प्रांगण में आयोजित राष्ट्रीय स्तर का एक शाम गुरु शांति के नाम के लिए विभिन्न समितियों का गठन किया गया। डॉ पृथ्वीराज मेहता के मंगलाचरण के पश्चात परम गुरु भक्त पंकज श्रीमाल, यश पोरवाल, प्रकाश राठोड, पुनीत हिरावत, विषेश पुनमीया, उमेश भंडारी एवं कुशल बछावत ने गुरु कीर्तन के भजन से सभा का प्रारंभ किया। मीठालाल पा-वेचा ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए सभी सदस्यों से आयोजन को सफलतापूर्वक संपन्न करने का आह्वान किया। देश के विभिन्न राज्यों से शामिल होने वाले सभी भक्तों की सुचारु रूप से आवभगत करने का निर्णय लिया गया। आयोजन के संयोजक विनोद मुणोत एवं सह संयोजक डॉ विजय कुमार सुराना ने बताया कि उस दिन सुबह विराट शोभायात्रा निकाली जायेगी। तत्पश्चात वेलुर शांति मंडल द्वारा अष्टप्रकारी पुजा पढाई जायेगी। शाम राजनंदगाव से भावेश बैद, मुंबई से सुभाष पोरवाल एवं बरलूट से युगल जोड़ी प्रिया प्रीती द्वारा विराट भक्ति संध्या का आयोजन रहेगा। सभा में महावीर चुत्तर, चेतन प्रकाश, उदय सिंघी, महावीर मेहता, छगनलाल, अनिल, दीपेश, विशाल, धर्मीचंद ओस्तवाल, नवरतन पुनमीया, शांतिलाल चुत्तर, विजय गुलेचा को अलग अलग समितियों में नियुक्त किया गया। नरेश अग्रवाल, संजय अग्रवाल, विजय गांधी, प्रकाश मेहता, पदम मुथा, गजेन्द्र कोचर सहित अनेक सदस्यों ने अपने विचार व्यक्त किए।

सोमवती अमावस्या पर स्नात्र पूजा का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री जिनकुशलसूरि जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में अखिल भारतीय खरतरगच्छ महिला परिषद बेंगलूरु शाखा के सदस्यों द्वारा गुरूवर्या श्री सुलोचना श्री की सुशिष्याओं की पावन निश्रा में श्री जिनकुशल सूरि जैन आराधना भवन बसवंगुड़ी में सोमवती अमावस्या के शुभ दिवस पर स्नात्र पूजा विधि विधान के साथ किया गया। लाभार्थी सुशीला नाहटा, शिल्पा ललवाणी, कविता गु-लेच्छा, सविता चोरडिया, संगीता वी पारख, सुमिता जैन का सहयोग रहा। पूजा में लाभार्थी परिवार सहित बड़ी संख्या में महिला श्रद्धालु उपस्थित थी। परिषद की अध्यक्ष आरती जैन ने स्नात्र पूजा में पधारे सभी भाग्यशालियों एवं लाभार्थी परिवार का धन्यवाद सहित आभार प्रकट किया। परिषद की मंत्री रेखा चोपड़ा ने बताया कि आने वाले महावीर जयंती को परिषद द्वारा भव्य झांकी का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी परमेश्वरी संखलेचा ने दी।

उत्तर प्रदेश अग्रवाल सेवा समाज ने मनाया होली स्नेह मिलन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। उत्तरप्रदेश अग्रवाल सेवा समाज ने गांधीनगर स्थित वैष्णव समाज भवन में रविवारको होली स्नेह मिलन का आयोजन किया। पूजन कर समाज के लोगों द्वारासंगीतमय सुंदरकांड का वांचन किया गया। इस अवसर पर महेशचंद अग्रवाल,नरेन्द्र गर्ग, अध्यक्ष देवेन्द्र कुमार जिंदल, मंत्री धर्मेंद्र गुप्ता, हिरदेश गुप्ता, दिनेश मित्तल,विनय कुमार गोयल, राजेंद्र गुप्ता, सुरेश मित्तल, संदीप कुमार, मनोहर लाल गुप्ता, अशोकगुप्ता, सूरज अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित थी।

अमावस्या पर जप, तप एवं स्वाध्याय

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
आचार्य श्री महाश्रमणजी द्वारा इंगित प्रत्येक मासिक अमावस्या को जप, तप एवं स्वाध्याय की पंचम कार्यशाला का विशेष आयोजन युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा स्थानीय तेरापंथ भवन राजाजीनगर में किया गया। प्रवक्ता उपासक महेंद्रकुमार दक ने सामूहिक नमस्कार महामंत्र का उच्चारण करवाते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ किया। गुरुदेव तुलसी द्वारा लिखित जय महावीर भगवान की स्तुति की गई एवं जप का क्रम संपन्न किया। तत्पश्चात् स्वाध्याय करवाते हुए आचार्य महाप्रज्ञ जी द्वारा लिखित पुस्तक कैसी हो जीवन शैली के अंतर्गत 9 सूत्र बताते हुए उनके बारे में विस्तार से समझाया गया। इस अवसर पर सभा अध्यक्ष रोशनलाल कोठारी एवं सभा परिवार, वरिष्ठ श्रावक जु-गराज श्रीश्रीमाल, महिला मंडल, तेयुप से प्रबंध मंडल, कार्यकारिणी सदस्य एवं श्रावक-श्राविका समाज की अच्छी उपस्थिति रही।

महासंस्थान मठ के संत दिंगलेश्वर स्वामीजी ने की घोषणा

धारवाड़ लोकसभा क्षेत्र से एक गैर-पार्टी उम्मीदवार के रूप में लड़ेंगे चुनाव

जोशी की वजह से ईश्वरप्पा को टिकट नहीं मिला

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शिरहट्टी भावैक्यता महासंस्थान मठ के संत दिंगलेश्वर स्वामीजी ने घोषणा की है कि वह केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी द्वारा लड़े जाने वाले प्रतिष्ठित धारवाड़ लोकसभा क्षेत्र से एक गैर-पार्टी उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ेंगे। स्वामी के इस फैसले से बीजेपी को भारी नुकसान होने की संभावना है और भाजपा प्रत्याशी प्रह्लाद जोशी असमंजस में हैं जहां उन्हें नई रणनीति बनानी होगी। दिंगलेश्वर स्वामीजी ने सोमवार को बेंगलूरु में अपने समर्थकों, शुभचिंतकों और प्रशंसकों के साथ बैठक की। इस बार, स्वामीजी ने एक भरी प्रेस कॉन्फ्रेंस में चुनाव लड़ने के अपने फैसले की घोषणा की क्योंकि उनके समर्थकों ने जोर देकर कहा था कि उन्हें धारवाड़ लोकसभा क्षेत्र से एक गैर-पार्टी उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ना चाहिए।

दिंगलेश्वर स्वामीजी ने बाद में एक संवाददाता सम्मेलन में बात की और कहा कि लोग चाहते हैं कि धर्म राजनीति में मौजूद रहे। पीड़ित लोगों ने अपना दर्द हमसे साझा किया। इस प्रकार उन्होंने अपने फैसले को सही ठहराया कि वह चुनाव लड़ रहे हैं।

लोग चर्चा कर रहे हैं कि दोनों राष्ट्रीय पार्टियों ने चुनाव फिक्सिंग की है। यह मतदाताओं के साथ विश्वासघात है। दो राष्ट्रीय पार्टियों ने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। लेकिन मतदाताओं ने हमें चुनाव में चुनने का फैसला किया है। यह दो राष्ट्रीय पार्टियों और स्वार्थी राजनेताओं के खिलाफ स्वयं धार्मिक गुरुओं द्वारा धार्मिक युद्ध की घोषणा है। उन्होंने कहा कि धर्मयुद्ध सिर्फ इस चुनाव तक ही सीमित नहीं है, जब तक जान है ये चलता रहेगा और ये फैसला कष्टों का जवाब देने के लिए है। लिंगायत और गौड़ा जाति के अलावा राज्य में कुरुबा का एक बड़ा समुदाय है। लेकिन बीजेपी ने कुरुबा समाज को एक भी टिकट नहीं दिया है। रेड्डी, जंगमा, लम्बानी सहित सैकड़ों समुदायों की उपेक्षा की गई है। आज सभी समाज भाजपा से त्रस्त हो चुके हैं। बीजेपी ने ईश्वरप्पा को टिकट नहीं दिया। हालांकि ईश्वरप्पा के बेटे ने डेढ़ साल तक काम किया, लेकिन उन्हें टिकट नहीं दिया गया। बीजेपी आलाकमान के नेता कहते हैं कि हमें उस समुदाय की जरूरत नहीं है। भाजपा ने एक बड़े समुदाय की उपेक्षा की है। 2 प्रतिशत समुदाय के नेताओं को दो कैबिनेट पद दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में लोगों को टिकट देने के बजाय कम आबादी वाली जाति को तीन टिकट दिए हैं, यह कहां का सामाजिक न्याय है। लिंगायत समुदाय को कैबिनेट में एक पद तो दिया गया है लेकिन केवल एक राज्य विभाग दिया गया है। वी सोमन्ना को बेंगलूरु दक्षिण निर्वाचन क्षेत्र से टिकट दिया जा सकता था। लेकिन सोमन्ना को तुमकुरु जिले में भेजा गया। उन्होंने कहा कि वहां के लिंगायत समुदाय के नेताओं की एक राय होनी चाहिए कि उन्हें लड़ना चाहिए। लिंगायत समुदाय के नेताओं को दो या तीन कार्यकाल दिए जाते हैं। उन्होंने इस बात पर नाराजगी जताई कि दूसरे समुदाय के नेताओं को दस कार्यकाल के लिए अनुमति दी जाएगी। प्रह्लाद जोशी विकास के मामले में शून्य हैं। वे अपने समुदाय का विकास देखते हैं। वे अन्य समुदायों की उपेक्षा करते हैं। उन्होंने हमारे समुदाय को रौंदकर राजनीति की है। इसी मौके पर स्वामी जी ने कहा कि प्रह्लाद जोशी की वजह से ईश्वरप्पा को टिकट नहीं मिला।

कांग्रेस पार्टी का इस बार का घोषणापत्र विभाजन की बीमारी से ग्रसित: सीटी रवि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के तत्काल पूर्व राष्ट्रीय महासचिव और पूर्व राज्य मंत्री सीटी रवि ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का इस बार का घोषणापत्र विभाजन की बीमारी से ग्रसित लग रहा है। मैसूरु में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आजादी से पहले ब्रिटिश, कांग्रेस और मुस्लिम लीग ने एक त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए थे और भारत को विभाजित किया था। उन्होंने आपत्ति जताई कि आजादी के 75 साल बाद भी बंटवारे की बीमारी कम नहीं हुई है।

वे बार-बार जाति के नाम पर समाज को, क्षेत्रवाद के नाम पर देश को बांटने की बात कर रहे हैं। संप्रदायवाद को बढ़ावा दे रहे हैं। उन्होंने आलोचना की कि विभाजन की बीमारी उन पर हावी हो गई है। हम देख सकते हैं कि कांग्रेस ने अपनी स्थापना के बाद से समय-समय पर अपनी नीति में बदलाव किया है। एलन ऑक्टेवियो ह्यूम ने कांग्रेस की स्थापना की। उनका इरादा देश को आजादी दिलाना नहीं था। उन्होंने विश्लेषण किया कि दो दशकों के बाद यह एक देशभक्तिपूर्ण संगठन और आंदोलन में तब्दील हो गया है। सीटी रवि ने कहा कि नामांकन पत्र जमा करने के बाद प्रधानमंत्री

मोदी 14 तारीख को चिक्कबल्लापुर और बेंगलूरु उत्तर लोकसभा क्षेत्रों की चुनाव प्रचार बैठक में भाग लेंगे। चुनाव की सुगबुगाहट और प्रचार का शोर शुरू हो गया है। उन्होंने बताया कि चुनावों की घोषणा के बाद, प्रधान मंत्री ने कलबुर्गी और शिवमोग्गा में भाजपा अभियान बैठकों को संबोधित किया। देश का नेतृत्व किसे करना चाहिए? यह कितना ईमानदार है? पार्टी की नीतियों पर चर्चा होनी है। उन्होंने कहा कि उनके योगदान पर चर्चा होनी चाहिए। उनकी राय थी कि उनके सत्ता में रहने के दौरान किये गये आंदोलनों और घोटालों पर चर्चा होनी चाहिए। ऐसा लगता है कि कर्नाटक में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया भूल गए हैं कि यह लोकसभा चुनाव है। उन्होंने मुख्यमंत्री को चुनौती दी कि जब कांग्रेस केंद्र में सत्ता में थी तब राज्य के लिए किए गए योगदान पर चर्चा करें। नरेंद्र मोदी के 10 वर्षों के शासन में दी गई टैक्स हिस्सेदारी पूरे राज्य के इतिहास में सबसे अधिक है। मोदी ने सबसे ज्यादा फंड योजनाओं, सब्सिडी, टैक्स हिस्सेदारी के रूप में दिया है। हमने पहले ही दस्तावेज उपलब्ध करा दिए हैं। इसलिए आइए चर्चा करें। अगर आपकी सोच है कि कराधान के मामले में अन्याय हो रहा है तो आपको उस नजरिये से उबरना होगा। इस चुनाव के बाद देश की जनता राहुल गांधी को अनिवार्य सेवानिवृत्ति का आदेश देगी। सीटी रवि ने कहा कि ऐसा लगता है कि वर्तमान कांग्रेस को अपना घोषणापत्र लिखने में शहरी नक्सलियों की मदद मिली है, और उनके एजेंडे की प्रेरणा तालिबान के माध्यम से मिली है।

यतींद्र सिद्धरामैया को ग्रामीणों के गुस्से का करना पड़ा सामना

चुनाव बहिष्कार की मिली धमकी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

चुनाव प्रचार के दौरान एक नाटकीय घटनाक्रम में, पूर्वविधायक और कांग्रेस नेता डॉ. यतींद्र सिद्धरामैया को चामराजनगर लोकसभाचुनाव की पृष्ठभूमि में ग्रामीणों के गुस्से का सामना करना पड़ा। मुख्यमंत्रीसिद्धरामैया के गृहनगर के तीन गांवों के सैकड़ों उत्साही प्रदर्शनकारी बन्नारीअम्मान चीनी कारखाने के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं और अपनी शिकायतों कासमाधान करने की मांग कर रहे हैं। तनाव तब बढ़ गया जब चामराजनगर केउम्मीदवार सुनील बोस का समर्थन करने वाले यतींद्र सिद्धरामैया नंजनगुडु तालुक केमल्लूपुरा ग्राम पंचायत में चुनाव प्रचार के बाद घटनास्थल पर पहुंचे।

प्रदर्शनकारियों द्वारा सामना किए जाने पर, उन पर अवसरवादिता का आरोप लगाया गया। एकप्रदर्शनकारी ने चिल्लाते हुए कहा आप यहां चुनाव के लिए आए हैं, अन्यथा, आप किसीभी कारण से नहीं आते। हस्तक्षेप के वादे के बावजूद फैक्ट्री द्वारा उनकीमांगों की अनदेखी से निराश प्रदर्शनकारियों ने यतींद्र सिद्धरामैया पर अपना गुस्सा जाहिरकिया और सवाल किया कि उन्होंने पहले अपने पिता के साथ इस मुद्दे को क्यों नहींसुलझाया। बहस तीखी हो गई, जिससे उत्तेजित समूह की ओर से चुनाव बहिष्कारकी धमकियाँ मिलने लगीं। स्थिति की तीव्रता से स्तब्ध यतींद्र सिद्धरामैया आगे केटकराव को टालते हुए तेजी से घटनास्थल से चले गए।

छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ करने पर तुली सरकार

सुप्रीम कोर्ट ने बोर्ड परीक्षा मामले में कर्नाटक हाई कोर्ट के फैसले पर लगाई रोक

बेंगलूरु/नई दिल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

सुप्रीम कोर्ट ने राज्य बोर्ड स्कूलों में कक्षा 5, 8, 9 और 11 के छात्रों के लिए बोर्ड परीक्षा को बरकरार रखने के कर्नाटक हाई कोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी है। फिलहाल परीक्षा के परिणाम घोषित नहीं हो सकेंगे। अदालत ने कहा कि हाईकोर्ट का आदेश प्रथम दृष्टया आरटीआई अधिनियम के अनुरूप नहीं लगता है। राज्य सरकार को नोटिस जारी कर दो हफ्ते में जवाब दाखिल करने का आदेश दिया गया है। 22 मार्च को कर्नाटक उच्च न्यायालय की डिवीजन बेंच ने कर्नाटक सरकार को राज्य पाठ्यक्रम के तहत कक्षा 5, 8 और 9 के लिए बोर्ड परीक्षा आयोजित करने की अनुमति देते हुए सिंगल जज बेंच के आदेश को रद्द कर दिया था। दरअसल सिंगल बेंच ने सरकार के बोर्ड परीक्षा रद्द करने के आदेश को रद्द किया था, लेकिन हाई कोर्ट ने इसकी परमिशन दे दी थी। कर्नाटक हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को यह भी निर्देश दिया कि परीक्षा की प्रक्रिया वहीं से शुरू

की जाए, जहां इसे रोका गया था। इस बीच, सुनवाई के दौरान 11वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाएं पहले ही पूरी हो चुकी थीं। हाई कोर्ट ने यह भी आदेश दिया कि राज्य सरकार आगामी वर्षों के लिए बोर्ड परीक्षा आयोजित करने से पहले सभी हितधारकों के साथ परामर्श करेगी। हालांकि, रजिस्टर्ड अनएडेड प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन ने हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच के आदेश को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था।

कर्नाटक सरकार पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि राज्य सरकार छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने और छात्रों और माता-पिता, शिक्षकों और स्कूल प्रबंधन को कठिनाई में डालने पर तुला हुआ है। जस्टिस बेला एम त्रिवेदी और जस्टिस पंकज मिथल की पीठ ने इन परीक्षाओं के किसी भी परिणाम की घोषणा पर रोक लगा दी है।

अदालत ने उच्च न्यायालय के 22 मार्च के फैसले को चुनौती देने वाली अपील पर ये आदेश पारित किया गया है। कर्नाटक सरकार ने 6 अक्टूबर और 9 अक्टूबर, 2023 को दो आदेश अधिसूचित किए थे, जिसमें कर्नाटक स्कूल परीक्षा और मूल्यांकन बोर्ड को योगात्मक मूल्यांकन - 2 परीक्षा आयोजित करने के लिए सक्षम प्राधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया था। इस फैसले को निजी स्कूल प्रबंधन संघों ने हाई कोर्ट में चुनौती दी थी। वहीं सिंगल बेंच ने सरकारी अधिसूचनाओं को रद्द कर दिया था। हालांकि, राज्य की डिवीजन बेंच में अपील के बाद सिंगल बेंच के फैसले पर रोक लगा दी गई थी।

दैनिक उपयोगी सामग्री का वितरण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राजस्थानी मित्र मंडल विजयनगर द्वारा सेवा कार्य के तहत सोमवार को श्री साई ओल्ड ऐजहोम, चेन्नहल्ली मागड़ी रोड में आवश्यक खाद्य सामग्री एवं दैनिक उपयोगी सामग्री वितरित की गई। अध्यक्ष ने सभी का स्वागत करते हुए विशेष रूप से सभी प्रायोजक परिवार का अभिवादन किया।

इस अवसर पर साईं ओल्ड होम के प्रभारी को मित्र मंडल के बारे में जानकारी देते हुए सेवा संयोजक गौतम मुणोत व पारस मेहता ने सेवा कार्य को सुंदर व व्यवस्थित रूप से संभाला। इस सेवा कार्य में सद्स्य परिवार द्वारा सहयोग प्राप्त हुआ। इस मौके पर अध्यक्ष महेंद्र टेबा, मंत्री कैलाश बोहरा, सहमंत्री मनीष देरासरिया, सह कोषाध्यक्ष विनोद गांधी, पूर्व अध्यक्ष कैलाश गांधी, कार्यकरणी सदस्य रमेश मेहता व मंडल सदस्य तथा महिला सदस्य की भी उपस्थित रही।

गुरुभगवंतों से जन्म कल्याणक पर पधारने की विनती

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जैन युवा संगठन के एक प्रतिनिधिमंडल ने उपाध्यक्ष महावीर मुणोत के नेतृत्व में श्रमण भगवान महावीर स्वामी के 2623 वें जन्म कल्याणक महोत्सव निमित्त बेंगलूरु में विचरण कर रहे गुरुभगवंतों से आशीर्वाद प्राप्त करने एवं जन्म कल्याणक महोत्सव निमित्त सानिध्य प्रदान करने हेतू विनती के लिये श्री पार्श्व सुशील लब्धी धाम श्वेताम्बर जैन मन्दिर में विराजित आचार्यश्री अमरसेनसुरेश्वरजी, आचार्यश्री अजीतसेन सुरेशजी, परम पूज्य मनीषप्रभसागरजी, परम पूज्य साध्वीश्री अमृत प्रभाश्रीजी, परम पूज्य साध्वीश्री वीरेशपदमश्रीजी, परम पूज्य साध्वीश्री प्रिय शुतांजनाश्री के दर्शन कर उनके श्रीचरणों में संगठन की ओर से उपाध्यक्ष महावीर मुणोत ने जन्म कल्याण महोत्सव हेतु अपना सानिध्य प्रदान करने की वन्दना की।

गुरुभगवंतों ने द्रव्य, क्षेत्र, काल, भाव के आगरो के साथ जन्म कल्याणक में पधारने की स्वीकृति प्रदान की।

इस मौके पर मंत्री मदन मुणोत, सह मंत्री विशाल गुगलिया, कोषाध्यक्ष मुकेश सुराणा, साधु साध्वी समिति के सह चेयरमैन अर्चित पारेख, पूर्व उपाध्यक्ष दिलीप संचेती समेत अन्य मौजूद थे।

अमावस्या पर जरूरतमंदों को कराया भोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मैसूरु बैंक सर्कल स्थित हनुमान मंदिर के प्रांगण में श्री गुरु गणेश सेवा समिति कर्नाटक बेंगलूरु (रजि.) द्वारा आयोजित 71वीं अमावस्या महाप्रसादी का वितरण किया गया। जिसमें लगभग 4500 से भी अधिक जरूरतमंदों को भोजन कराया गया। इस महाप्रसादी के संपूर्ण लाभार्थी चुकीकंवर, कमलेश, आदित्य एवं ध्रुव तालेरा परिवार (बेंगलूरु निवासी) रहें। इसमें सेवा देने वाले समिति के नवनियुक्त चेयरमैन गौतमचंद धारीवाल, अध्यक्ष किरणचंद बोहरा, उपाध्यक्ष अशोकचंद कोठारी, कोषाध्यक्ष मनोहरलाल बाफना, महामंत्री उगमराज चौपड़ा, सहमंत्री महेंद्र कुमार मेहता, राजेश कात्रेला, अनिल कोठारी, विनोद चौरड़िया, मुकेश कांटेड, विनोद गोलेच्छा, प्रकाशचंद बाफना, राजू आंचलिया, राकेश देसरला, अशोक नागोरी, रमेश चौपड़ा, रितु संचेती, चंद्रशेखर एवं मंजुनाथ राव आदि उपस्थित थे। इस अवसर पर समिति द्वारा लाभार्थी परिवार का शॉल, माला पहनाकर सम्मान किया गया। राकेश देसरला और अशोक नागोरी का भी सम्मान किया गया। महाप्रसादी का वितरण हर मास की अमावस्या पर मैसूरु बैंक सर्किल, एवेन्यू रोड पर होता है। महाप्रसादी का कार्यक्रम सभी गुरु भगवंतों की प्रेरणा से चल रहा है। उपरोक्त जानकारी समिति के नवनियुक्त अध्यक्ष किरणचंद बोहरा ने दी एवं समिति के चेयरमैन गौतमचंद धारीवाल ने कार्यक्रम में सेवा देने वालों को धन्यवाद दिया।

शोभा करंदलाजे की कार से टकराई बाइक, सवार की मौत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केआर पुरम में भाजपा सांसद शोभा करंदलाजे की कार से टकराने के बाद एक दोपहिया सवार की मौत हो गई। मृतक बाइक चालक की पहचान प्रकाश (35) के रूप में हुई है। सोमवार सुबह प्रचार के

लिए केआर पुरम सीट पर आईं सांसद शोभा करंदलाजे ने अपनी फॉर्च्यूनर कार मंदिर के पास खड़ी की थी। बताया जाता है कि कार का दरवाजा खुलते ही पीछे से दोपहिया वाहन पर आ रहे प्रकाश को टक्कर लग गयी और वह गिर गये। सूत्रों के अनुसार प्रकाश के पीछे आ रही बस उसके शरीर के ऊपर से गुजर गई। उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया लेकिन पता चला कि इलाज न हो पाने के कारण उनकी मौत हो गई। घटना के संबंध में शहर के के आर पुरम ट्रैफिक पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

व्यवसायिक नैतिकता पर कभी समझौता न करें: धनखड़

गया, 08 अप्रैल (एजेंसियां)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने नेतृत्व में मूल मूल्यों के महत्व को रेखांकित किया और युवाओं को प्रलोभनों एवं अनैतिक शॉर्टकटों के आगे झुकने के प्रति आगाह करते हुए कहा कि नैतिक नेतृत्व पर समझौता नहीं किया जा सकता।

श्री धनखड़ ने आईआईएम (भारतीय प्रबंधन संस्थान), बोधगया के छठे दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा, नैतिक नेतृत्व पर समझौता नहीं किया जा सकता। नैतिकता से समझौता करने से आप उस तरह का विजेता नहीं बन सकते, जिसे दुनिया सलाम करेगी।

उपराष्ट्रपति ने देश की आर्थिक प्रगति की र ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि भारत आज विश्व अर्थव्यवस्था के लिए आशा की नई किरण बनकर उभरा है। उन्होंने देश की समृद्धि और संप्रभुता के लिए आर्थिक राष्ट्रवाद के महत्व को रेखांकित किया नागरिकों से स्वदेशी और वोकल फॉर लोकल को राष्ट्रीय आदत बनाने की अपील करते हुए कहा कि ऐसा करने से हमारे विदेशी मुद्रा भंडार में महत्वपूर्ण सकारात्मक योगदान होगा, रोजगार के अवसर पैदा होंगे और उद्यमशीलता को बढ़ावा मिलेगा।

श्री धनखड़ ने कहा कि विश्व बैंक और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) जैसी संस्थाएं जो कभी हमें सलाह देती थीं वो आज भारत के वित्तीय समावेशीकरण और डिजिटल सार्वजनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर जैसी उपलब्धियों की सराहना करती हैं। उन्होंने कहा कि कभी जिस विदेशी मुद्रा के लिए भारत को अपना सोना विदेशी बैंकों में गिरवी रखना पड़ा था, आज हमारे पास विदेशी मुद्रा का रिकॉर्ड भंडार है, भारत विदेशी निवेश का पसंदीदा केंद्र बन गया है।

उपराष्ट्रपति ने विद्यार्थियों से कहा कि आज भारत आशाओं से भरा देश है। वे आईआईएम परिसर को छोड़ नए वृहत्तर जीवन में प्रवेश करेंगे तब बढ़ते भारत के बढ़ते अवसर उनकी प्रतीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत की प्रगति अब रुकने वाली नहीं क्योंकि मेधावी युवा छात्रों की प्रतिभा और आकांक्षा उसे रुकने नहीं देगी। पिछले दस वर्षों के आर्थिक विकास ने युवाओं को बेहतर अवसर उपलब्ध कराए हैं। आप सौभाग्यशाली है कि आप भारत 2047 की प्रगति यात्रा का हिस्सा बन रहे हैं।

श्री धनखड़ ने छात्रों को तेजी से बदलते विश्व में तेजी से बदलती टेक्नोलॉजी के कारण आने वाली चुनौतियों का सामना करने और उन्हें अवसर में बदलने का आह्वान करते हुए कहा कि सरकार क्वांटम कम्प्यूटिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, हरित हाइड्रोजन जैसी नई टेक्नोलॉजी के व्यापक उपयोग की दिशा में कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि भविष्य में इन क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर नए अवसर पैदा होंगे।

तीनों सेनाओं की कार्य प्रणाली में तालमेल महत्वपूर्ण: जनरल पांडे

नई दिल्ली, 08 अप्रैल (एजेंसियां)। सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने भविष्य की चुनौतियों के मद्देनजर खतरों के प्रभावशाली आकलन, स्पष्ट रणनीति क्षमताओं की पहचान, नीति बनाने, पुख्ता तैयारियों और राष्ट्रीय सुरक्षा ढांचे के भीतर उचित जवाबी कार्रवाई के लिए तीनों सेनाओं की कार्यप्रणाली में तालमेल के महत्व पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना को अप्रत्याशित घटनाओं के लिए हर समय तैयार रहना होगा और किसी भी हाल में विचलित नहीं होना होगा।

जनरल पांडे ने सोमवार को तमिलनाडु के वेलिंगटन में डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज में 79 वें स्टाफ कोर्स के संकाय और अधिकारियों को संबोधित किया जिनमें मित्रवत देशों के 36 अधिकारी भी शामिल थे। उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा, भू-रणनीतिक परिदृश्य, उभरते परिदृश्य और सेना में सुधार संबंधी पहलों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपनी बात रखी। भविष्य के युद्धों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि विघटनकारी प्रौद्योगिकियां पारंपरिक युद्ध को नया आकार दे रही हैं। उन्होंने अंतरिक्ष, साइबर, इलेक्ट्रो-मैग्नेटिक स्पेक्ट्रम और सूचना सहित नए डोमेन में युद्ध के विस्तार पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि अचानक होने वाली घटनाएं अधिक प्रभाव उत्पन्न करती हैं क्योंकि इनके बारे में पहले से अनुमान लगाना मुश्किल होता है। इस दौरान थल सेना अध्यक्ष ने राष्ट्रों के बीच रणनीतिक प्रतिस्पर्धा के लिए प्रौद्योगिकी के महत्व पर भी जोर डाला। उन्होंने कहा कि भारतीय थल-सेना, वायुसेना और नौसेना के बीच आपसी तालमेल होना बेहद जरूरी है। इससे खतरों का प्रभावी ढंग से आकलन करने, रणनीतियों को स्पष्ट करने, क्षमताओं की पहचान करने और नीतियां बनाने में काफी मदद मिलती है। युद्ध के साजोसामान में प्रौद्योगिकी की प्रगति का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इससे भविष्य में होने वाले युद्ध और भी घातक साबित होंगे। उन्होंने यह भी बताया कि नई प्रौद्योगिकियों से पारंपरिक युद्ध को नया स्वरूप मिला है। उन्होंने अंतरिक्ष, साइबर और सूचना प्रौद्योगिकी सहित नये क्षेत्रों में युद्ध के विस्तार पर भी चर्चा की। जनरल पांडे ने कहा कि वैश्विक मंच पर भारत लगातार उभर रहा है इसलिए रणनीतिक परिदृश्य में भारत के राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने की बढ़ती आवश्यकता पर जोर देना जरूरी है।

द्रमुक और कांग्रेस सीएए पर भ्रम फैला रही हैं : राजनाथ सिंह

चेन्नई, 08 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि द्रमुक और कांग्रेस नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) पर लोगों के बीच भ्रम फैला रहे हैं। तमिलनाडु के नमक्कल में भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष के.पी. रामलिंगम के समर्थन में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि किसी भी भारतीय नागरिक की - चाहे वह हिंदू, ईसाई, मुस्लिम, यहूदी या पारसी हो - नागरिकता नहीं छिनेगी।

रक्षा मंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार ने अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण और सीएए के कार्यान्वयन सहित अपने सभी वादों को लागू किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 भी हटा दिया है, जो एक चुनावी वादा था। उन्होंने कहा कि भाजपा ऐसा राजनीतिक दल है जो जनता से किये गये वादों पर हमेशा कायम रहती है और वह अपनी जिम्मेदारियों से कभी पीछे नहीं हटेगी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि सरकार ने अपने वादे के मुताबिक तीन तलाक को खत्म कर दिया। किसी भी महिला के साथ भेदभाव नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने देश को हर मोर्चे पर आगे बढ़ाया है और कहा कि भाजपा सभी वर्गों के समावेशी विकास के पक्ष में है।

कांग्रेस का घोषणापत्र मुस्लिम लीग का एजेंडा: नड्डा

नई दिल्ली, 08 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने कांग्रेस के घोषणापत्र को मुस्लिम लीग का एजेंडा करार देते हुए सोमवार को कहा कि सत्ता के लालच में कांग्रेस जिस तरह से बहुसंख्यकों के खिलाफ साजिश और राजनीति कर रही है, उसे देश की जनता कभी माफ नहीं करेगी।

श्री नड्डा ने यहां एक बयान में कहा कि देश की जनता ने कांग्रेस को बार-बार नकारा है, इसके बावजूद पार्टी तुष्टीकरण की राजनीति करने पर आमादा है और बाज नहीं आ रही है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा, मैंने कांग्रेस के मेनिफेस्टो को देखा, तो मुझे आश्चर्य हुआ कि यह कांग्रेस पार्टी का घोषणापत्र है या मुस्लिम लीग का है? देश को बांटने और सत्ता हथियाने के लिए कहाँ तक कांग्रेस पार्टी जा सकती है, इसका अंदाजा नहीं लगाया जा सकता। उन्होंने कहा कि जिस मुस्लिम लीग ने 1929 में धर्म के आधार पर आरक्षण की बात कही थी, आज कांग्रेस पार्टी उसी बात को दोहरा रही है। यानी, सत्ता की लोलुपता में, सत्ता के लालच में, कांग्रेस पार्टी देश को कहां तक पहुंचाएगी, इसका अंदाजा लगाना भी मुश्किल है। उन्होंने कहा कि आज अल्पसंख्यकों के लिए जिस तरीके से धर्म के नाम पर आरक्षण की बात हो रही है, जो 50 प्रतिशत आरक्षण को आगे बढ़ाने की बात की जा रही है, वो आरक्षण किसको देने की बात की जा रही है?

श्री नड्डा ने कहा, मैं ये भी कहना चाहता हूँ कि देश भूल न जाए कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) की सरकार ने, कांग्रेस पार्टी ने बहुसंख्यक समाज के खिलाफ एक ऐसा ही कानून बनाया था, जो संसद में पारित नहीं हो सका लेकिन इससे कांग्रेस पार्टी की मंशा बिलकुल स्पष्ट हो गयी थी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी बहुसंख्यक समाज के खिलाफ जिस तरह की रणनीति बना रही है और तुष्टीकरण की राजनीति कर रही है, उसके लिए देश ने कांग्रेस पार्टी को कभी माफ नहीं किया है और आगे भी माफ़ नहीं करे। ये चाहते हैं कि देश बंट जाए लेकिन इनकी सत्ता की भूख समाप्त न हो।

उन्होंने कहा, श्री राहुल गांधी जवाब दें कि वायनाड में उनके नामांकन पत्र के जुलूस में कांग्रेस पार्टी के झंडे क्यों गायब हो गए? यह तुष्टीकरण की राजनीति कहां तक जाएगी? सिर्फ मुस्लिम लीग को न भाये, इस कारण से कांग्रेस पार्टी अपने झंडे तक को हटा दे, यह देश बांटने की जो चाल है और तुष्टीकरण की राजनीति के आगे घुटने टेकने का इनका जो रवैया है, इसे देश माफ़ नहीं करने वाला है।

भाजपा प्रमुख ने कहा कि कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में जिस प्रकार से तुष्टीकरण और आरक्षण के बारे में कहा है, उस बारे में पार्टी को स्पष्टीकरण देना होगा। कांग्रेस को देश को बताना पड़ेगा कि वह सत्ता की लोलुपता में समाज को बांटने का कुप्रयास क्यों कर रही है? कांग्रेस पार्टी इस तरह की जो राजनीति कर रही है, देश इसके लिए कांग्रेस को कभी माफ़ नहीं करेगा।

मुर्मु ने चैत्र शुक्लादि और गुड़ी पड़वा पर देशवासियों को दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली, 08 अप्रैल (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने देशवासियों को चैत्र शुक्लादि, उगादी, गुड़ी पड़वा, चेती चांद, नवरेह और साजिबु चेरोबा की पूर्व संध्या पर शुभकामनाएं दी हैं। राष्ट्रपति ने सोमवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में अपने संदेश में कहा, चैत्र शुक्लादि, उगादी, गुड़ी पड़वा, चेति चांद, नवरेह और साजिबु चेरोबा के शुभ अवसर पर मैं सभी देशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं देती हूं।

उन्होंने कहा, ये त्योहार वसंत ऋतु और भारतीय नववर्ष के स्वागत में देश के अलग अलग हिस्सों में मनाये जाते हैं। ये शांति, सद्भाव और सहिष्णुता का संदेश देते हैं। ये पर्व हमारे देश के सांस्कृतिक वैभव और समृद्ध विरासत के प्रतीक हैं। इन पर्वों के माध्यम से हम प्रकृति के प्रति कृतज्ञता भी भी प्रकट करते हैं। श्रीमती मुर्मु ने कहा, मैं कामना करती हूं कि ये पर्व सबके जीवन में सुख और समृद्धि लेकर आये तथा हम सब नव ऊर्जा के साथ देश के विकास कार्यों में अपना योगदान दें।

खिचड़ी घोटाले के सरगना हैं संजय राउत, परिवार के माध्यम से ली रिश्वत : संजय निरुपम

मुंबई, 08 अप्रैल (एजेंसियां)। निष्कासित कांग्रेस नेता संजय निरुपम ने सोमवार को एक सनसनीखेज खुलासा करते हुए आरोप लगाया कि शिव सेना (यूबीटी) के नेता तथा सांसद संजय राउत खिचड़ी घोटले के सरगना हैं और उन्होंने अपने परिवार के सदस्यों तथा कारोबारी सहयोगियों के माध्यम से मामले में रिश्वत ली है। निरुपम ने कहा, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को संजय राउत के परिवार के सदस्यों को जांच के दायरे में लाना चाहिए और उन्हें गिरफ्तार किया जाना चाहिए। वह उस पूरे घोटाले के मुख्य सरगना हैं जिसमें गरीब प्रवासियों के खाने के लिए दिया गया पैसा लूट लिया गया।

उन्होंने दावा किया कि आरोपी कंपनी सह्याद्री रिफ्रेशमेंट्स ने कथित तौर पर चेक में रिश्वत का भुगतान किया था जो राउत की बेटी, उनके भाई और उनके एक पार्टनर के बैंक खातों में जमा किए गए थे। निरुपम ने दलील दी कि सह्याद्रि रिफ्रेशमेंट्स द्वारा जारी कई चेक, जिनकी राशि लगभग एक करोड़ रुपये है, मई 2020 से जनवरी 2021 के बीच अलग-अलग तारीखों पर राउत की बेटी, उनके भाई, और एक बिजनेस पार्टनर के बैंक खातों में जमा किये गये थे।

उन्होंने कहा कि 3.5 लाख, पांच लाख, 1.25 लाख और तीन लाख रुपये के चेक राउत की बेटी के बैंक खाते में, पांच लाख और 1.25 लाख रुपये के चेक (भाई के खाते में), और 14 लाख, 14 लाख, 10 लाख, 1.90 लाख और 1.90 लाख रुपये के चेक पार्टनर सुजीत पाटकर के खाते में जमा कराये गये थे।

निरुपम ने कहा कि बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) ने सह्याद्रि रिफ्रेशमेंट्स को कोविड-19 महामारी के दौरान लॉकडाउन में फंसे प्रवासियों के लिए 35 रुपये प्रति प्लेट पर 300 ग्राम खिचड़ी उपलब्ध कराने का ठेका दिया था। निरुपम ने कहा, बदले में, सह्याद्रि रिफ्रेशमेंट्स ने एक सब-कॉन्ट्रैक्टर को 16 रुपये प्रति प्लेट की दर से 100 ग्राम खिचड़ी की आपूर्ति करने का ठेका दिया। इसका मतलब यह है कि गरीबों, फंसे हुए प्रवासियों के लिए बनाई गई 200 ग्राम खिचड़ी संजय राउत और उनके सहयोगियों द्वारा चोरी कर ली गई। इसके अलावा, उन्होंने दावा किया कि सब-कॉन्ट्रैक्टर ने कथित तौर पर अनुबंध की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पश्चिमी उपन-गरीय इलाके में एक निजी रेस्तरां की रसोई दिखाई थी, वह भी उस रेस्तरां की जानकारी के बिना, और उसके मालिक ने इस आशय का एक हलफनामा दायर किया है।

ये सभी चौंकाने वाली घटनाएं तब हुईं, जब तत्कालीन सीएम उद्धव ठाकरे हर दूसरे दिन सोशल मीडिया पर लाइव आते थे और आश्वासन देते थे कि उन्होंने फंसे हुए मजदूरों के भोजन और कल्याण की जिम्मेदारी ली है।

निरुपम ने ईडी से इन पहलुओं पर अपनी जांच का दायरा बढ़ाने और संजय राउत के साथ-साथ शिव सेना (यूबीटी) के लोकसभा उम्मीदवार अमोल कीर्तिकर को खिचड़ी घोटाले में शामिल होने के लिए गिरफ्तार करने का आह्वान किया। संयोगवश, निरुपम ने राउत को अपना दोस्त बताया था। दोनों ने ठाकरे परिवार द्वारा नियंत्रित सामना समाचार पत्र समूह द्वारा प्रकाशित दोपहर का सामना और सामना के कार्यकारी संपादक के रूप में काम किया था और दोनों को पार्टी ने राज्यसभा सांसद बनाया था। निरुपम को पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के साथ-साथ महा विकास अघाड़ी सहयोगी शिव सेना (यूबीटी) नेताओं के खिलाफ बयानबाजी के बाद पिछले सप्ताहांत कांग्रेस ने निष्कासित कर दिया गया था, और अब उनके किसी अन्य राजनीतिक दल में शामिल होने की संभावना है।

सशस्त्र बलों के लिए साझा कार्य संस्कृति विकसित करने की जरूरत : सीडीएस चौहान

नई दिल्ली, 08 अप्रैल (एजेंसियां)। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने सोमवार को कहा कि सशस्त्र बलों के लिए साझा कार्य संस्कृति विकसित करने की जरूरत है। उन्होंने देश की युद्ध क्षमता को बढ़ाने वाले ढांचे को बनाने और प्रत्येक सेना की क्षमताओं को एकीकृत करने पर जोर दिया। जनरल चौहान त्रि-सेवा सम्मेलन परिवर्तन चिंतन को संबोधित कर रहे थे। इस सम्मेलन में तीनों सेन-ाओं के बीच संयोजन और एकीकरण के लिए नए विचारों, पहलों और सुधारों पर चर्चा की गई।

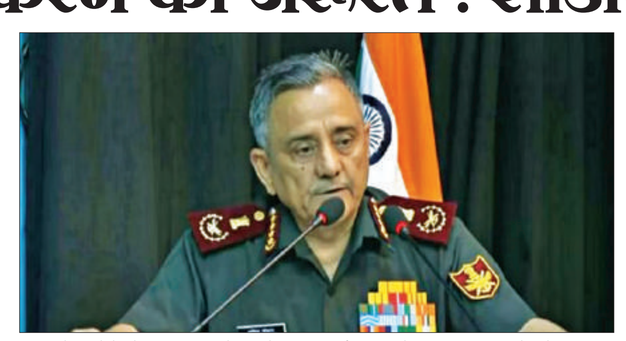

अधिकारियों ने बताया कि सीडीएस चौहान ने पारंपरिक सैन्य अवधारणाओं को एक नया दृष्टिकोण देने के लिए प्रत्येक सेवा का सर्वोत्तम प्रदर्शन पर जोर दिया, ताकि भारतीय बलों को भविष्य के लिए तैयार किया जा सके। इस सम्मेलन में खासतौर पर थिएटर कमान के क्रियान्वयन के लिए सरकार की उस महत्वकांक्षी पहल पर चर्चा की गई, जिसकी कल्पना बड़े रक्षा सुधारों के हिस्से के रूप में की गई थी।

रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा, सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने सशस्त्र बलों के लिए एक साझा कार्य संस्कृति विकसित करने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने प्रत्येक सेवा की विशिष्टता का सम्मान करते हुए पारंपरिक अवधारणाओं को एक नया दृष्टिकोण देने के लिए सर्वोत्तम प्रदर्शन की बात पर प्रकाश डाला। बयान में कहा, उन्होंने ऐसे ढांचों को बनाकर प्रत्येक सेवा की क्षमताओं को एकीकृत करने की जरूरत पर भी जोर दिया, जो हमारी दक्षता, युद्ध क्षमता और पारस्परिकता को बढ़ाती हैं।

मंत्रालय ने कहा कि साझा ढांचे में परिवर्तन की आधारशिला (त्रि-सेवा का) संजोजन और एकीकरकण है, जिस पर भारतीय सशस्त्र बल भविष्य के लिए तैयार होने के इरादे से आगे बढ़ रहे हैं। परिवर्तन चिंतन सम्मेलन में अंडमान और कमान के प्रमुख, राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, रक्षा सेवा स्टाफ कॉलेज, रक्षा प्रबंधन कॉलेज और सैन्य प्रौद्योगिकी संस्थान के कमांडेंट के साथ-साथ सशस्त्र बल विशेष संचालन प्रभाग, रक्षा अंतरिक्ष एजेंसी, रक्षा साइबर एजेंसी और रक्षा संचार एजेंसी के प्रमुखों ने भाग लिया। इस सम्मेलन को एकीकृत रक्षा स्टाफ (आईडीएस) द्वारा आयोजित किया गया था।

रामनवमी पर दंगे की बात कर हिंदू समाज को धमकाने की कोशिश न करें ममता : विहिप

नई दिल्ली, 08 अप्रैल (एजेंसियां)। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री के आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा है कि ममता बनर्जी रामनवमी पर दंगे की बात कर हिंदू समाज को धमकाने की कोशिश ना करें। ममता बनर्जी ने यह आरोप लगाया था कि भाजपा रामनवमी के अवसर पर 17 अप्रैल को सांप्रदायिक भावनाएं भड़काने की कोशिश करेगी। ममता बनर्जी के बयान पर पलटवार करते हुए विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने कहा कि रामनवमी पर दंगे की बात कर ममता बनर्जी हिंदू समाज को धमकाने की कोशिश ना करें और देश को पता है कि पिछली रामनवमी पर किसने हमले किए थे।

विहिप नेता ने पिछले वर्ष उच्च न्यायालय द्वारा किए गए हस्तक्षेप की याद दिलाते हुए कहा कि जब पश्चिम बंगाल में राज्य का तंत्र हमलावारों के साथ गया तो उच्च न्यायालय ने हिंदुओं पर हुए प्राणघातक हमलों की जांच एनआईए को सौंपी थी।

उन्होंने उस मामले में फरवरी में एनआईए द्वारा पकड़े गए 16 हमलावरों के नामों का जिक्र करते हुए दावा किया कि इन सबका संबंध तृणमूल कांग्रेस से है और सीसीटीवी फुटेज से इनकी पहचान हुई है। विहिप नेता ने यह भी याद दिलाया कि उस समय कलकत्ता उच्च न्यायालय ने कहा था कि आरोप है कि छतों से पत्थर फेंके गए थे। जाहिर है कि पत्थर 10-15 मिनट में छत पर नहीं ले जाया जा सकता। राज्य पुलिस इस मामले की निष्पक्ष जांच नहीं कर सकती।

उन्होंने यह भी कहा कि अयोध्या में भव्य राम मंदिर बन जाने के बाद इस बार का रामनवमी का महोत्सव और ज्यादा बड़ा और व्यापक रहने वाला है और इसे कोई भी नहीं रोक सकता है। विहिप नेता ने टीएमसी अध्यक्ष को मुस्लिम इलाकों का डर दिखाकर या दंगों की धमकी देकर हिंदू समाज को घरों में कैद रखने की मानसिकता से बाज आने की भी नसीहत दी।

रामलला का सूर्य तिलक : तैयारी में जुटे वैज्ञानिक, गर्भगृह की हुई नापजोख

▪ रामलला के मस्तक पर लगा स्टीकर

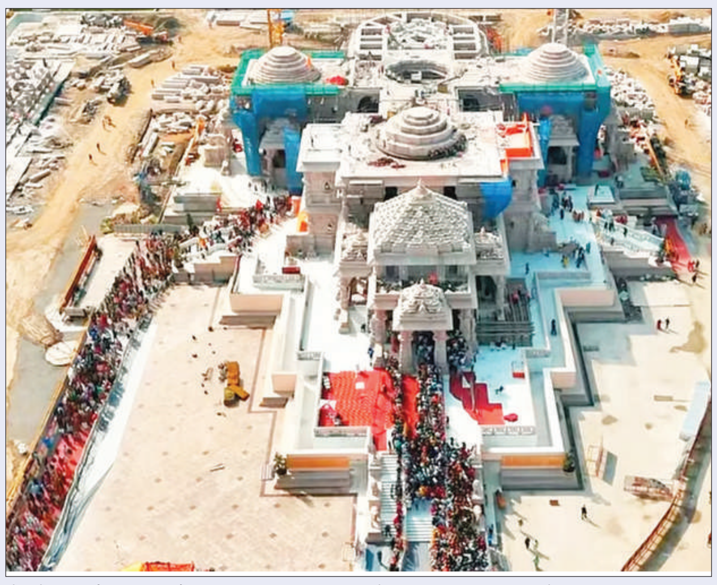

लखनऊ, 08 अप्रैल (एजेंसियां)। रामनवमी पर रामलला के सूर्य तिलक यानी अभिषेक की तैयारी वैज्ञानिकों ने तेज कर दी है। रविवार की रात रामलला की शयन आरती के बाद वैज्ञानिकों के दल ने रामलला के मस्तक पर सूर्य तिलक का सटीक स्थान सुनिश्चित करने के लिए स्टीकर लगाया। उपकरण लगाने के लिए वैज्ञानिकों ने गर्भगृह में नापजोख भी की है।

ऑप्टोमैकेनिकल सिस्टम के लिए उपकरण लगाए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि 75 मिमी का गोलाकार सूर्य तिलक होगा। दोपहर 12 बजे सूर्य किरणें रामलला के मस्तक पर पड़ेंगी। निरंतर चार मिनट तक किरणें रामलला के मुख मंडल को प्रकाशमान करेंगी। रुड़की सेंट्रल बिल्डिंग रिसर्च संस्थान के वैज्ञानिकों का दल इस काम में लगा है। राममंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि श्रीराम लला का सूर्य तिलक करने की तैयारी संपूर्ण परिश्रम से हो रही है। संभव है कि राम नवमी पर वैज्ञानिकों का प्रयास फलीभूत हो जाए। तकरीबन सौ एलईडी स्क्रीन के माध्यम से इसका सीधा प्रसारण किया जाएगा।

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद पहली रामनवमी कई मायनों में ऐतिहासिक होगी। 500 साल बाद रामलला का भव्य जन्मोत्सव मनाने की तैयारी हो रही है। इसी क्रम में रामनवमी के दिन रामलला के जन्म की घड़ी दोपहर ठीक 12 बजे सूर्य की रश्मियों से रामलला का अभिषेक यानी सूर्य तिलक होगा। सूर्य की किरणें करीब चार मिनट तक रामलला के मुख मंडल को प्रकाशित करेंगी। यह गोलाकार (सर्कुलर) सूर्य तिलक 75 मिमी का होगा। इसी रामनवमी पर रामलला का सूर्य तिलक करने की तैयारी में वैज्ञानिक जुटे हुए हैं। राममंदिर में उपकरण लगाए जा रहे हैं, जल्द ही इसका ट्रायल भी किया जाएगा।

भगवान राम सूर्यवंशी माने जाते हैं। ऐसे में राममंदिर के निर्माण के समय यह प्रस्ताव रखा गया कि वैज्ञानिक विधि से ऐसा प्रबंध किया जाएं कि रामनवमी के दिन दोपहर में सूर्य की किरणें सीधे रामलला की मूर्ति पर ऐसी पड़ें, जैसे उनका अभिषेक कर रहीं हों। इसके लिए रुड़की के सेंट्रल बिल्डिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट के वैज्ञानिकों ने अनूठा सिस्टम तैयार किया है। मिरर, लेंस और पीतल के प्रयोग से बने इस सिस्टम के लिए किसी बैटरी या बिजली की जरूरत नहीं होगी। वैज्ञानिकों ने इस प्रोजेक्ट को सूर्य रश्मियों का तिलक नाम दिया है।

सूर्य की रोशनी तीसरे फ्लोर पर लगे पहले दर्पण पर गिरेगी और तीन लेंस व दो अन्य दर्पणों से होते हुए सीधे ग्राउंड फ्लोर पर लगे आखिरी दर्पण पर पड़ेगी। इससे रामलला की मूर्ति के मस्तक पर सूर्य किरणों का एक तिलक लग जाएगा। रामनवमी में दोपहर यह भव्य दृश्य देखने को मिलेगा, जब भगवान राम का जन्म हुआ होगा, ऐसा माना जाता है।

नवरात्र में 340 शक्ति केंद्रों पर नारी शक्ति चौपाल लगाएगी भाजपा

दस लाख महिला वोटरों तक पहुंचने का लक्ष्य

वाराणसी, 08 अप्रैल (एजेंसियां)। भाजपा ने जिले की महिला मतदाताओं में पैठ बनाने की रणनीति तैयार कर ली है। पार्टी नवरात्र के दौरान नौ अप्रैल से 17 अप्रैल तक वाराणसी लोकसभा क्षेत्र के 340 शक्ति केंद्रों पर नारी शक्ति चौपाल लगाएगी। इसमें स्वयं सहायता समूह, एनजीओ से जुड़ी व स्थानीय महिलाएं शामिल होंगी।

नारी शक्ति चौपाल के माध्यम से महिलाओं के लिए चलाई जा रही योजनाओं, खासकर लखपति दीदी योजना की चर्चा कर उन्हें जिले की हर महिला मतदाता तक पहुंचाया जाएगा। बनारस में हुए विकास कार्यों की जानकारी भी उन्हें दी जाएगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पिछले दिनों टिफिन बैठक में वर्चुअली कार्यकर्ताओं से जुड़े थे। इस दौरान उन्होंने नारी शक्ति का जिक्र कई बार किया। महिला कार्यकर्ता से

बात करने के दौरान कहा था कि नवरात्र में महिलाओं से सीधे संवाद करने के लिए अभियान चलाइए। इस पर अब भाजपा ने खाका तैयार कर लिया है।

जिले की महिला वोटरों को पार्टी के साथ जोड़ने की रणनीति पर महिला मोर्चा के नेताओं के साथ बैठक कर 500 महिलाओं की एक विशेष टोली भी बना दी गई है। नारी शक्ति वंदन अभियान में महिला मोर्चा की भूमिका क्या रहेगी इस विषय पर भी विस्तार से चर्चा की गई। जिले की दस लाख महिला मतदाताओं तक पहुंचने का लक्ष्य रखा गया है।

भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि यदि यह अभियान सफल होता है तो मई के पहले सप्ताह में महिला मोर्चा की ओर से सिर्फ महिलाओं के लिए एक बड़ा वर्चुअली कार्यक्रम रखा जाएगा। जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सीधे जुड़ेंगे।

क्षेत्रीय अध्यक्ष दिलीप पटेल ने बताया कि प्रधानमंत्री के सुझाव पर महिला मतदाता तक पहुंचने का खाका तैयार कर लिया गया है। 9-17 अप्रैल नवरात्र के दौरान वाराणसी लोकसभा क्षेत्र के 340 शक्ति केंद्रों पर रोजाना सम्मेलन होंगे। इसमें स्वयं सहायता समूह, एनजीओ से जुड़ी महिलाएं और स्थानीय महिलाओं के अलावा अलग-अलग कार्यक्षेत्र से जुड़ी महिलाओं को शामिल कर उन्हें सरकार की योजनाएं लखपति दीदी योजना, महिला समृद्धि योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, फ्री सिलाई मशीन योजना व महिला शक्ति केंद्र योजना की जानकारी दी जाएगी और इसका लाभ भी दिलाया जाएगा।

उन्होंने बताया कि 500 महिलाओं की एक टोली भी बना दी गई है जो 18 अप्रैल से 30 अप्रैल तक जिले की 28 हजार महिला लाभार्थियों से मुलाकात करेगी।

बदल रही काशी: एक करोड़ की ट्रेस स्कीमर मशीन से होगी कुंडों और तालाबों की सफाई

वाराणसी, 08 अप्रैल (एजेंसियां)। शहर के कुंडों, तालाबों और नदी में जलकुंभी की सफाई अब ट्रेस स्कीमर मशीन से होगी। अब तक जलकुंभी की सफाई मैनुअल कराई जाती थी। दवा डालने से जल में रहने वाले जीवों पर असर पड़ता था। इसे देखते हुए नगर निगम ने एक मशीन मंगाकर सफाई शुरू कराई है। जरूरत पड़ी तो और मशीनें खरीदी जाएगी।

जलकुंभी साफ करने वाली मशीन ट्रेस स्कीमर बड़ी तेजी से काम करती है। जलकुंभी बटोरकर पीछे फेंक देती है। जिसे ट्रॉली में जमा किया जाता है। इसके बाद ट्रक के माध्यम से ट्रॉली को करसड़ा कूड़ा निस्तारण केंद्र भेज दिया जाता है। खास बात है कि यह मशीन 2 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से 7 फीट चौड़ाई पर जलकुंभी निकालती है। नगर निगम ने बारिश से पूर्व वरुणा में इस मशीन को उतारा है।

यह मशीन रोजाना 8 घंटे तक जलकुंभी की सफाई करेगी। नगर निगम क्षेत्र में 63 कुंड और तालाब हैं। जहां पर हर साल जलकुंभी की समस्या होती है। इसे हर बार सफाई कर्मचारियों को लगाकर निकलवाना पड़ता है। जलकुंभी निकालने के बाद भी दोबारा जलकुंभी की समस्या बनी रहती है। तालाबों की सफाई के लिए निगम स्थानीय संसाधन की मदद हर साल लेता था, लेकिन अब मशीन आने से स्थानीय संसाधन की मदद नहीं लेनी होगी। आने वाले दिनों में अन्य कुंड तालाब में भी इसका इस्तेमाल किया जाएगा।

इंडी गठबंधन: लखनऊ में होगी सपा-कांग्रेस की संयुक्त रैली

राहुल, प्रियंका, खरगे के साथ अखिलेश रहेंगे मौजूद

लखनऊ , 08 अप्रैल (एजेंसियां)। इंडी गठबंधन लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में भी अपनी एकजुटता व ताकत दिखाने का काम करेगा। इसके लिए हाल में दिल्ली के रामलीला मैदान में हुई गठबंधन के दलों की संयुक्त रैली की तर्ज पर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में भी इंडिया गठबंधन के दलों की संयुक्त रैली होगी। हालांकि इससे पहले नवरात्र में ही कांग्रेस और सपा की संयुक्त रैली पश्चिमी उत्तर प्रदेश में होगी।

यह सहमति सोमवार को सपा प्रमुख अखिलेश यादव के साथ कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय व अजय राय के साथ हुई वार्ता में बनी। सपा प्रमुख के साथ लगभग एक घंटे हुई वार्ता में

संयुक्त सभाओं, रैली व चुनाव की रणनीति पर चर्चा हुई। इसमें जहां यह सहमति बनी की चूंकि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में पहले दो चरण में चुनाव है, ऐसे में यहां की संयुक्त सभा नवरात्र में ही की जाए। इसके लिए जगह और तिथि जल्द फाइनल की जाएगी।

इसके बाद राजधानी लखनऊ में एक बड़ी रैली की जाएगी। वहीं प्रेसवार्ता में भी कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव व प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय ने कहा कि आज अखिलेश यादव के साथ हुई वार्ता में यूपी में इंडिया गठबंधन की संयुक्त रैली व सभा पर चर्चा हुई है। इंडिया गठबंधन की रैली जल्द होगी। इसमें कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, अखिलेश यादव आदि प्रमुख नेता उपस्थित होंगे। जल्द ही इसकी तिथि की जानकारी दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि सपा के साथ सकारात्मक समन्वयक के साथ जिला, ब्लॉक व राज्य स्तर पर तैयारियां चल रही हैं। पार्टी प्रदेश में 814 ब्लॉक व बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं को तैयार कर दमदारी से चुनाव मैदान में है। एनडीए गठबंधन को इस बार इंडिया गठबंधन हराएगा। सपा प्रमुख के साथ कांग्रेस नेताओं की वार्ता में सपा के राष्ट्रीय सचिव राजेंद्र चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम, कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना भी उपस्थित थे।

कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय व प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने सोमवार को अलग-अलग अवध, प्रयागराज, पूर्वांचल व बुंदेलखंड जोन की बैठक की। इसी के साथ सभी फ्रंटल संगठनों महिला विंग, यूथ विंग, एनएसयूआई, लीगल सेल, सेवादल के पदाधिकारियों के साथ भी बैठक की। इसमें पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया कि वह सपा के साथ प्रदेश में बूथ स्तर पर संयुक्त रूप से समन्वयक कर चुनाव की तैयारी करें। जहां बूथ स्तर पर कमेटियां अभी नहीं बनी हैं, उन्हें तुरंत बनाकर चुनाव में मिशन मोड में जुट जाएं।

नलकूप पर मिला बुजुर्ग का शव, हत्या की आशंका

हाथरस, 08 अप्रैल (एजेंसियां)। मुरसान क्षेत्र के गांव करील निवासी 80 वर्षीय राजन सिंह का शव उनके नलकूप की कोठरी के पास 8 अप्रैल की सुबह संदिग्ध हालात में मिला। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया है। बता दें कि मृतक के नाती बॉबी व दो साथियों पर एक किशोरी ने घर में घुसकर छेड़खानी का आरोप लगाया गया था। इसका मुकदमा मुरसान कोतवाली में 28 मार्च को दर्ज किया गया। इस मामले में पुलिस करील निवासी रामू को जेल भेज चुकी है। अभी राजन का नाती आरोपी बॉबी पुत्र शिशुपाल व एक अज्ञात आरोपी फरार चल रहे हैं। 8 अप्रैल की सुबह राजन का शव मिलने के बाद उनके नाती संदीप पुत्र शिशुपाल ने पुलिस को बताया कि उसके बाबा किसान थे।

इंडी गठबंधन की पहली बैठक में बोले अजय राय

पूंजीपतियों के लिए काम कर रही भाजपा

वाराणसी, 08 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि भाजपा सरकार पूंजीपतियों के लिए काम करती है। इससे रोजगार का संकट पैदा हुआ है। देश का युवा भटक रहा है। बनारस में गंगा सफाई के नाम पर लूट मची है। स्मार्ट सिटी के नाम पर सिर्फ बनारस को जाम मिला है।

लोकसभा चुनाव के मद्देनजर इंडी गठबंधन की बैठक रविवार को रोहनिया विधानसभा क्षेत्र मंडुवाडीह स्थित मां केवला लॉन में हुई। मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि आज भी गटर में उतरकर सफाई करने वाले मजदूरों की मौत हो रही है। सरकार सफाई व्यवस्था नहीं कर पाई है। सड़कें साफ की जाती हैं, लेकिन गलियों की स्थिति नारकीय है। नगर निगम की ओर से कई गुना टैक्स वसूला जा रहा है। सपा जिलाध्यक्ष सुजीत यादव ने कहा कि गठबंधन के लिए बूथ स्तर पर सभी कार्यकर्ता एक दूसरे का सहयोग करेंगे। सपा गठबंधन धर्म का पालन करते हुए इंडी गठबंधन के लिए तैयार है। इस दौरान पूर्व जिला उपाध्यक्ष विवेक यादव, राजेश्वर सिंह पटेल, विश्व विजय सिंह, आत्माराम यादव, आनंद मौर्या, मनीष सिंह मौजूद रहे।

आज जारी हो सकती है बसपा की चौथी सूची

लखनऊ, 08 अप्रैल (एजेंसियां)। बहुजन समाज पार्टी ने छठे और सातवें चरण की सीटों पर अपने प्रत्याशियों के नाम की घोषणा करनी शुरू कर दी है। पार्टी ने सिद्धार्थनगर की डुमरियागंज सीट से ख्वाजा शमसुद्दीन को, जबकि घोसी सीट से बालकृष्ण चौहान को टिकट दिया है। बालकृष्ण दो दिन पहले ही कांग्रेस छोड़कर बसपा में आए हैं। वह वर्ष 1999 में बसपा सांसद रह चुके हैं। उन्होंने पिछला लोकसभा चुनाव कांग्रेस के टिकट पर लड़ा था। अब उनका मुकाबला सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अरविंद राजभर और सपा-कांग्रेस गठबंधन के राजीव राय से होगा।

बता दें कि बसपा अब तक अधिकृत रूप से 37 प्रत्याशियों के नाम की घोषणा कर चुकी है, जबकि उसके जोनल कोआर्डिनेटर लगातार अलग-अलग सीटों पर प्रत्याशियों का चयन कर रहे हैं। इनके नामों पर बसपा सुप्रीमो मायावती की मुहर लगने के बाद कार्यकर्ता सम्मेलन के जरिए सार्वजनिक किया जा रहा है। तमाम कवायदों के बावजूद बसपा टिकट वितरण में बाकी दलों से पीछे चल रही है।

बरेली में बसपा की चुनावी सभा

बेइज्जती का टैग है बुलडोजर की सरकार: आकाश आनंद

बरेली, 08 अप्रैल (एजेंसियां)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के राष्ट्रीय समन्वयक आकाश आनंद ने कहा कि सुरक्षा, शिक्षा, रोजगार मुहैया कराने में भारतीय जनता पार्टी नाकाम है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस आरक्षण दिलाने का दावा कर रही है, जबकि बहन जी ने पहले से ही आरक्षण दिला दिया है।

सपा सिर्फ सबको टोपी पहना रही है। इन सभी की सरकारों ने दलितों के हाथ में कटोरा देने का काम किया है। अगर बहनजी न होतीं तो दलित सबसे पहले मिटा दिए गए होते।

उन्होंने कहा कि बहुजन समाज को समझना होगा उनका हितैषी अगर कोई है तो वह मायावती ही हैं। समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए बोले कि जो इनके लिए वोट डालता है उसके लिए यह लड़ नहीं सकते। इनको वोट डालना मतलब अपने समाज के खिलाफ वोट डालना। आकाश आनंद ने सोमवार को बरेली के विशप मंडल इंटर कॉलेज मैदान में जनसभा को संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है यह बताने का कि हाथी न झुकेगा, न रुकेगा, हमेशा आगे

बढ़ता रहेगा। सभी कार्यकर्ताओं से अपील की कि जब वे समाज में जाएं तो बहनजी के मार्गदर्शन का अनुसरण करें। उनके कार्यकाल के कार्यों को समाज के सामने रखकर जागरूक करें।

आकाश आनंद ने कहा कि इलेक्टोरल बॉन्ड के तहत 25 राष्ट्रीय दलों को 16.5 हजार करोड़ रुपये चुनावी चंदा मिला। इसमें भाजपा से लेकर सपा तक सभी का नाम है, लेकिन बसपा का नाम नहीं था। क्योंकि बसपा पूरे देश में धन्नासेठ के सहारे नहीं, कार्यकर्ता के बल पर चुनाव लड़ती है, लड़ेगी। कहा कि विपक्षी कहते हैं कि हाथी किताब के बोझ के नीचे दब रहा है। पर यह सिर्फ उनके भ्रमित करने का तरीका है। बसपा का सच्चा कार्यकर्ता जानता है कि इसी किताब के बल पर ही कांशीराम और बाबा साहब का मिशन आगे बढ़ता जाएगा।

उन्होंने कहा कि भाजपा से अगर कोई आता है तो उनसे पूछना कि बच्चों की शिक्षा, रोज-गार और सुरक्षा के लिए सरकार ने क्या किया। यह तीनों ही समाज के लिए सबसे अहम है। भाजपा सरकार में शिक्षा के नाम पर सिर्फ पेपर लीक की खबरें आई हैं। भाजपा सरकार में रोजगार नहीं है इसलिए पेपर लीक का बहाना बनाकर भर्ती निरस्त करते हैं। 8वीं के छात्र गणित का सवाल नहीं हल कर पाते। 65 फीसदी स्कूलों में कंप्यूटर नहीं है, डिजिटल इंडिया का दावा हवाई है। अंग्रेजी के शब्द नहीं बोल पाते। भाजपा सरकार में शिक्षा और युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ हो रहा है।

आकाश आनंद ने कहा कि 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन देने की बात भाजपा करती है। यह नौबत इसलिए आई क्योंकि 10 साल में रोजगार के लिए कुछ किया नहीं। पूरे साल में महज छह हजार रुपये का राशन देते हैं पर नौकरी नहीं देते। नौकरी होती तो प्रतिवर्ष एक व्यक्ति के घर में दो लाख रुपये आते। राशन वितरण का खर्च हमारे ही दिए टैक्स से आ रहा है। सरकारी नौकरी है नहीं, निजी नौकरियों में भी एक पद के लिए दस हजार से ज्यादा आवेदन आते हैं। पढ़े-लिखे लोग चतुर्थ श्रेणी की नौकरी मांग रहे हैं। इसलिए अब खुलकर सवाल पूछिएगा।

उन्होंने कहा कि ये लोग न शिक्षा, न रोजगार दे पाए। सुरक्षा पर बात करें तो वहां भी सरकार फेल है। एक प्रदेश के मुख्यमंत्री ने एक ऑर्डर पास किया। कहा कि रात में आठ बजे के बाद लड़कियों को घर से बाहर नहीं जाना चाहिए। उन्हें कोचिंग नहीं करनी चाहिए। यह सरकार की बेशर्मी है। आखिर किस बात पर अखंड भारत का दावा करते हैं। भाजपा से बड़ा देशद्रोही, गद्दार नहीं, जो आवाम को पैरों पर खड़ा नहीं कर पाई।

आकाश ने कहा कि सरकार किसी को छत नहीं दे सकी लेकिन उनसे छत छीन रही है। बुलडोजर की सरकार बेइज्जती का टैग है। इन्हें समझाने की जरूरत नहीं इनसे सवाल पूछने की जरूरत है। यह सरकार सिर्फ कटोरा थमा रही है। इसबार इन्हें मुंहतोड़ जवाब दीजिएगा। कहा कि भाजपा सरकार की सोच मनुवादी है। यह पढ़ने नहीं दे रहे। रोजगार नहीं दे रहे। ताकि दलितों का भविष्य खत्म किया जा सके।

आकाश आनंद ने बरेली लोकसभा उम्मीदवार मास्टर छोटेलाल गंगवार, आंवला से आबिद अली, पीलीभीत से अनीस अहमद फूल बाबू, शाहजहांपुर से डॉ. डीआर वर्मा, शाहजहांपुर के उपचुनाव में उम्मीदवार सर्वेश चंद्र मिश्रा धांधू के समर्थन में मंडल भर से मौजूद समर्थक, कार्यकर्ताओं से मतदान करने और कराने की अपील की।

स्वास्थ्य

शरीर को ही नहीं बालों को भी स्वस्थ रखता है नारियल पानी

गर्मियों में नारियल पानी से होने वाले फायदों से हर कोई वाकिफ़ है। चिलमिलाती धूप होने पर नारियल पानी ना सिर्फ कूल और रिलैक्स रखता है, बल्कि आपको कई स्वास्थ्य लाभ भी देता है। कहने में गुरेज नहीं है कि नारियल प्रकृति की अनमोल देन है, जिसके अनगिनत फायदे हैं। गर्मियों में बाजार में मिलने वाले पैक्ड फ्रूट जूस पीने से बेहतर हैं आप नारियल पानी पिएं। चाहे स्वास्थ्य की, स्किन की या बालों की समस्या हो... नारियल पानी हर बीमारी का इलाज है। वैसे तो नारियल पानी किसी भी वक्त पिया जा सकता है। लेकिन सुबह के समय नारियल पानी पीना सबसे ज्यादा फायदेमंद साबित होता है। सुबह नारियल पानी पीने से आपके शरीर को दिनभर के लिए भरपूर एनर्जी मिलती है।

जानते हैं गुणकारी नारियल पानी के फायदे

1. गर्मियों में हमारे शरीर को पानी की अधिक मात्रा में जरूरत होती है। अक्सर कम पानी पीने से कई बीमारियों को न्योता मिलता है। ऐसे में लगातार नारियल पानी पीने से शरीर में पानी की कमी दूर होगी। डॉक्टर्स भी डिहाइड्रेशन, डायरिया और पेट खराब होने पर नारियल पानी पीने की सलाह देते हैं।
2. नारियल पानी एक बेहतरीन हार्ट टॉनिक है। यह कोलेस्ट्रॉल और फैट फ्री होता है। इसलिए यह दिल से जुड़ी बीमारियों को आपसे दूर रखने में मददगार है। लगातार नारियल पानी पीने से आपका दिल स्वस्थ रहेगा।
3. हाई ब्लड प्रेशर को बैलेंस करने में नारियल पानी काफी मददगार है। इसमें मौजूद विटामिन-सी, पोटैशियम और मैग्नीशियम ब्लड-प्रेशर को काबू रखने में कारगर है। वहीं, नारियल पानी के सेवन से हाइपर-टेंशन को भी नियंत्रित करने में मदद मिलती है।
4. अगर आप बढ़े हुए वजन और मोटापे से परेशान हैं तो हफ्ते में तीन-चार बार नारियल पानी जरूर पिएं। नारियल पानी फैट-फ्री और लो-कैलरी युक्त पेय है। यह पाचन तंत्र को भी स्वस्थ बनाए रखता है। ध्यान रखें, ज्यादा नारियल पानी पीने से इसका उल्टा असर भी पड़ सकता है।
5. अगर आपको आए दिन सिरदर्द की शिकायत रहती है, तो नारियल पानी पिएं।
6. अगर कभी ज्यादा पी ली हो तो हैंगओवर उतारने के लिए नारियल पानी पिएं।
7. नारियल पानी पोषक तत्वों से भरपूर है। गर्भावस्था के दौरान महिलाओं के लिए नारियल पानी औषधि के समान है। नारियल पानी गर्भावस्था में होने वाली समस्याओं (जी मिचलाना, एसिडिटी और थकान) से छुटकारा दिलाता है।
8. अगर बढ़ती उम्र चेहरे पर दिखने लगी है, तो तुरंत उम्र के प्रभाव को कम करने के लिए नारियल पानी पीना शुरू करें।
9. चेहरे पर दाग-धब्बों और मुहांसों से परेशान हैं, तो नारियल पानी से मुंह धोएं। इससे चेहरे पर निखार आएगा और अनचाहे दागों से छुटकारा मिलेगा। नारियल पानी टैनिंग की समस्या से भी निजात दिलाता है। नारियल पानी आंखों के आस-पास लगाने से डार्क सर्कल की परेशानी से भी पीछा छुटा सकेंगे। नारियल पानी त्वचा की नमी को बरकरार रखता है। बता दें, नारियल पानी ऑयली स्किन के लिए बहुत फायदेमंद है।
10. बालों के लिए नारियल पानी नैचुरल कंडीशनिंग का काम करता है। नारियल पानी से धोने पर बाल मुलायम होते हैं। बालों के टूटने और झड़ने की समस्या से छुटकारा पाने के लिए नारियल पानी से बाल धोएं।

खाली पेट खाएं भुनी लहसुन...

सर्दियों में भुनी हुई लहसुन का सेवन करने से शरीर को काफी फायदा मिलता है। इसमें बहुत से एंटी बायोटिक तत्व पाए जाते हैं जो शरीर की कई आवश्यकताओं पूरा करते हैं। सुबह खाली पेट भुने हुए लहसुन का सेवन करने से कॉलेस्ट्रॉल का लेवल कम होता है और हार्ट से जुड़ी समस्याओं को भी खत्म करता है। इसका सेवन करने से बॉडी का फैट तेजी से बर्न होता है जिससे कि वजन कम होने लगता है।

बढ़ता ही जा रहा है प्री-वेडिंग शूट का क्रेज

प्री-वेडिंग शूट का क्रेज आज से दो-तीन साल पहले बहुत कम था। लेकिन आजकल बहुत ज्यादा हो गया है। प्री वेडिंग शूट का मेन परपस यह होता है कि शादी से पहले दूल्हा-दुल्हन थोड़ा फ्रेंडली हो जाएं। ज्यादातर केसेज में जो फोटोग्राफर प्री-वेडिंग शूट करता है, वही शादी का शूट भी करता है। ऐसे में फोटोग्रॉफर के साथ भी उनकी ट्यूनिंग हो जाए तो सही रहता है। प्री-वेडिंग शूट करने वाले फोटोग्रॉफर अमित बताते हैं, आजकल हर किसी को प्री-वेडिंग शूट कराना होता है। प्री-वेडिंग शूट की लोकेशन कस्टमर की चॉइस पर डिपेंड है। किसी को पहाड़ पसंद है, किसी को बीच पसंद है, तो किसी को किले या महल पसंद हैं। उनकी पसंद के मुताबिक जिम कॉर्बेट, नीमराणा, उदयपुर, जयपुर, गोवा, केरल, दुबई, मलेशिया, थाईलैंड जाकर आपके बजट के मुताबिक प्री-वेडिंग शूट करने का खर्च 1 लाख से लेकर 5 लाख तक का आता है।

कम बजट में भी होते हैं शूट

कम बजट वालों के लिए हम आउटडोर लोकेशंस के नाम दिल्ली के लोदी गार्डन, हुमायूं का मकबरा, नेचर पार्क और मान्यूमेंट्स में शूट करते थे। लेकिन अब पुलिस की सख्ती बढ़ती जा रही है और इन जगहों पर कमर्शल शूटिंग की इजाजत नहीं है। ऐसे में, इस प्रॉब्लम के सॉल्यूशन के तौर पर एनसीआर में कुछ ऐसे स्टूडियो खुल गए हैं, जहां पर बाकायदा फिल्मों की तरह सेट लगाकर कपल्स का प्री-वेडिंग शूट किया जाता है। आजकल कपल्स का रुझान भी सेट्स की ओर ज्यादा है, क्योंकि वहां पर शूट करना काफी आसान होता है। वहां आपको कोई टेंशन नहीं है, तो शूटिंग से लेकर कॉस्ट्यूम तक अवेलेबल हैं। वरना लोदी गार्डन या हुमायूं का मकबरा में ड्रेस चेंज करने में काफी परेशानी आती थी।

सबके बस का नहीं विडियो

हर किसी की ख्वाहिश होती है कि उसकी लवस्टोरी हीरो-हीरोइन की तरह बड़े पर्दे पर सबके सामने चले। वेडिंग फटॉग्राफर सुमित अरोड़ा के अनुसार, शॉर्ट फिल्म शूट तो हर कोई कराना चाहता है, लेकिन यह ख्वाब सबका पूरा नहीं हो पाता। वह बताते हैं, तमाम लोग आकर हमारे पास डिमांड करते हैं कि उनकी लवस्टोरी पर शॉर्ट फिल्म बना दें, जिसे वे अपनी एंगेजमेंट पर सबको दिखा सकें। मसलन कि वे पहले पब में मिलें, फिर प्रपोज किया वगैरह- वगैरह। हालांकि रियल लोकेशन पर तो शूट करना मुमकिन नहीं होता, लेकिन हम सेट पर उनकी डिमांड पूरी करने की कोशिश करते हैं। मसलन कैसे वे कैफे में मिले, पिकनिक हुआ, फोन पर बातें हुई, रोमांटिक डेट हुई। हालांकि विडियो शूट कराना हर किसी के बस का नहीं होता। अमूमन 10 में से 2 कपल ही विडियो शूट करा पाते हैं। वरना ज्यादातर को फोटोज से ही काम चलाना पड़ता है। दरअसल, फोटो के लिए आपको सिर्फ 2 सेकंड स्टिल होना पड़ता है, लेकिन विडियो के लिए आपको कम से कम 15 सेकंड कैमरे के सामने कंफर्टेबल होना पड़ता है।

आजकल म्यूजिक विडियो भी काफी डिमांड में हैं, जहां कपल्स को स्लो मोशन में फिल्मों वाले अंदाज में शूट किया जाता है। बाकी जो विडियो नहीं शूट कर पाते, वे लोग अपने फोटोज का म्यूजिक के साथ स्लाइड शो बनवा लेते हैं।

इयर बड का इस्तेमाल करने से पहले रखें सावधानी...

धूल मिट्टी या नहाते समय साबुन कानों में जम जाता है। इसको साफ करने के लिए कुछ लोग इयर बड का सहारा लेते हैं। लोग समझते हैं कि इससे कानों की सफाई अच्छे तरीके से हो जाएगी लेकिन हम आपको बता दें कि ऐसा करने से आपको नुकसान हो सकता है। आप भी अपने कानों के साथ अलग ऐसा ही कुछ कर रहे हैं तो यह बहुत गलत तरीका है। आइए जानें क्या-क्या हो सकते हैं इसके नुकसान

पर्दे को नुकसान

इयर बड से कान साफ करने से मैल बाहक निकलने की बजाय अंदर चली जाती है। जिससे कानों के नाजुक पर्दे को नुकसान पहुंच सकता है। इससे सुनने में भी परेशानी हो सकती है। इयर बड के ऊपर रूई लगी होती है जो कान साफ करने से अंदर भी रह सकती हैं। नहाते इस रूई में पानी जमा होता रहता है। जिसमें धीरे-धीरे फंगस पनपने लगती है। जिससे कान को नुकसान पहुंच सकता है।

पर्दे का अंदाजा लगाना मुश्किल

इयर बड को रोजाना इस्तेमाल से कान के अंदर की स्किन भी छिल सकती है। इससे कानों की सुनने की क्षमता पर भी असर पड़ता है। कान के अंदर चिकनाहट कान के पर्दे तक किसी भी तरह की मैल पहुंचने नहीं देती। जब इयर बड से कान साफ करते हैं तो यह चिकनाई भी साफ हो जाती है। जिससे धुल मिट्टी जल्दी कानों के अंदर तक पहुंच जाती है। कान के अंदर पर्दे का अंदाजा लगाना मुश्किल होता है। अलग गलती से कान के ज्यादा अंदर तक बड चला जाए तो नुकसान हो सकता है। गंदी इयर बड के इस्तेमाल से कानों के अंदर संक्रमण भी हो सकता है।

सौंदर्य

अगर बिगड़ जाए मेकअप, तो टेंशन न लें...

मेकअप करते समय कुछ गड़बड़ी हो जाए, तो उसे कैसे ठीक करना है। यह जानना भी बेहद जरूरी है। आपका मेकअप बेस हैवी हो जाए या फिर ब्लशऑन डार्क हो जाए। तो जानते हैं कुछ टिप्स:

अगर आप घर पर ही मेकअप का प्लान कर रही हैं, तो कुछ ऐसी बातें भी जान लें कि मेकअप बिगड़ जाए, तो क्या करना है। ऐसे में आप मिनटों में सिचुएशन संभाल लेंगी।

अगर मोटा हो जाए आई लाइनर

क्या करें: वैसे तो मोटा आईलाइनर अच्छा लगता है लेकिन अगर गलती से यह उससे भी मोटा लग गया है जितना आप लगाना चाहती थीं, तो घबराएं नहीं। आपने जिस कलर का आईशैडो यूज किया है, उसे ही इस आईलाइनर पर लगाएं। अब आपकी आंख पर लाइनर नजर नहीं आएगा। पूरे में आईशेडो ही दिखेगा। इसके बाद लाइनर की फाइन लाइन लगाएं।

क्या न करें: इसे पूरा रीमूव करने की कोशिश न करें। इससे सारी आंख काली हो जाएगी।

जब बाल हो जाएं डैमेज

क्या करें: इन दिनों कई तरह की स्ट्रेटनिंग मशीन्स आ गई हैं जिनसे हम घर पर ही बाल स्ट्रेट करने लगते हैं। कई बार तो हम प्रेस का यूज भी करते हैं। इनमें जब हम लेफ्ट हैंड का यूज करते हैं, तो सही तरह से कर नहीं पाते और अक्सर बाल बर्न या डैमेज हो जाते हैं। ऐसे में घर पर ही बालों की अच्छी तरह ऑयलिंग करें। इसके बाद स्टीम लें और लीवअन कंडीशनर का यूज करें। अगर डैमेज ज्यादा है, तो अच्छे ब्यूटी क्लिनिक से रिपेयर ट्रीटमेंट लें। वहीं, सैरामिक स्ट्रेटनर का बेस्ट होते हैं, इन्हें ही इस्तेमाल में लाएं।

क्या न करें: एक बार बाल डैमेज हो जाएं, तो उस इलेक्ट्रिक मशीन का यूज बंद कर दें। बिना प्रोटेक्टिंग क्रीम के स्ट्रेटनिंग न करें।

रोलर ब्रश में फंस जाएं बाल

क्या करें: अक्सर बालों को ड्रायर करते वक्त या कोई हेयरस्टाइल बनाते वक्त जब हम हेयर ब्रश या रोलर्स का यूज करते हैं, तो बाल फंस भी जाते हैं। ब्यूटी एक्सपर्ट मंजू रावत कहती हैं, ऐसे में बिना हड़बड़ाए किसी दूसरे की मदद लें। इससे बाल निकालने में आसान होगी।

क्या न करें: खुद जबर्दस्ती बाल निकालने की कोशिश न करें। इससे ये और उलझ जाएंगे।

जब बेस हो जाए हैवी

क्या करें: कई बार मेकअप करते वक्त मेकअप बेस हैवी हो जाता है। इसका पता हमें शुरू में नहीं चलता लेकिन बाद में लगता है कि यह बहुत हैवी हो गया है। ऐसे में घर में पड़ी एक स्प्रे बॉटल का यूज करें। थोड़ी दूर से इसे स्प्रे करें। फिर ब्लॉटिंग पेपर या टिशू पेपर इसे टैप करें। इससे एक्स्ट्रा मेकअप टिशू पेपर पर अब्जॉर्ब हो जाएगा।

क्या न करें: इसे डायरेक्ट कॉटन से हटाने की कोशिश न करें। इससे आपको पता नहीं चलेगा और पूरा बेस ही हट जाएगा।

ब्लशऑन हो गया डार्क

क्या करें: यह प्रॉब्लम मेकअप के दौरान अक्सर आती है। अगर आपका भी ब्लशऑन डार्क हो गया है, तो इसे बिना रीमूव किए ही लाइट किया जा सकता है। आप ब्रश से हल्के हाथ से लूज पाउडर डार्क एरिया पर लगाएं। इससे यह लाइट हो जाएगा। अगर आपको यह बहुत लाइट लग रह है, तो थोड़ा सा ब्लशऑन यूज करें।

क्या न करें: डार्क होने पर पूरा रीमूव नहीं करना। और पाउडर लगाते वक्त इसे प्रेस न करें। इससे मेकअप की हैवी लेयर दिखेगी।

जब आईब्रो हों ओवर ब्लैक

क्या करें: आईब्रो ज्यादा ब्लैक हो गई है, तो आप उन पर आई शेडो का यूज कर सकती हैं। यह ब्लैक या ब्राउन कलर का यूज करें। इसे लगाने के लिए एंग्युलर ब्रश का यूज करें। इसे इन्हें नेचरल लुक मिलेगा।

क्या न करें: आईब्रो के लिए कभी कभी आईब्रो पेंसिल का यूज न करें। यह आईब्रो एकदम आर्टिफिशल लुक देती है और ज्यादा डार्क कर देती है।

लिप लाइन मोटी हो गई

क्या करें- लिप लाइन मोटी हो गई है, तो ब्लोटिंग पेपर को लिप्स के बीच में लगाकर लिप्स प्रेस करें। इससे एक्स्ट्रा कलर पेपर में आ जाएगा और वह लाइट हो जाएगा। इसके बाद मोटी को पतली करनी होगी। इसके लिए हल्का सा फाउंडेशन और लूज पाउडर लिप्स पर लगाएं। अब आपके लिप्स को बेस मिल गया है। इसके दो-चार मिनट बाद दोबारा लाइनर से पतली लाइन बना सकती हैं।

क्या न करें: इसे कॉटन से पतली करने की कोशिश न करें। इससे यह लिप के बाहर भी फैल जाएगी और रेशेज हो सकते हैं।

त्वचा की देखभाल के लिए दही के आसान टिप्स

गर्मी के दिनों में धूप से बचने के लिए दही हमेशा से एक असरदार औषधि रही है। उबलती गर्मी के दिनों में हमारी त्वचा कैसे यह सब बर्दाश्त कर पाती है। इन सब का खामियाजा हमें कई समस्याओं के रूप में भुगतना पड़ता है, लेकिन आज हम आपके लिए एक ऐसा प्राकृतिक तरीका लेकर आए हैं जो आपकी त्वचा के लिए वरदान के समान है। आप अंदाजा भी नहीं लगा सकते हैं कि आपकी कोमल त्वचा को सूरज की तेज किरणों के अलावा किन-किन चीजों को सामना करना पड़ता है। गर्मियों के मौसम में आप दही तो जरूर खाते होंगे, लेकिन अब आप इस दही के इस्तेमाल से अपनी त्वचा को निखारने के अलावा कई समस्याओं से भी निजात पा सकते हैं। दही के अंदर कैल्शियम, विटामिन डी भरपूर मात्रा में होता है। साथ ही हेल्थ के साथ-साथ त्वचा के लिए भी यह काफी फायदेमंद होती है। आज हम आपको त्वचा पर दही के फायदे के बारे में बताने जा रहे हैं। जिसमें आपको किसी तरह का आर्टिफीशयल फ्लेवर मिलाने की जरूरत नहीं है। आप सादा दही का प्रयोग भी काफी आसानी से कर त्वचा की समस्याओं से मुक्ति पा सकती हैं।

आपके लिए दही सबसे अच्छा ऑप्शन है। जिसका इस्तेमाल आप चेहरे पर कर सकती हैं। खाने में स्वादिष्ट लगने वाली इस दही में कई ऐसे गुण हैं जो त्वचा से संबंधित कई समस्याओं से आपको मुक्ति दिला सकते हैं। दही से आपको मिलेगी एकदम खिली-खिली निखरी त्वचा।

त्वचा के लिए दही क्या-क्या कर सकती है?

अगर आप बहुत ज्यादा सूरज की रोशनी का सामना करती हैं या ज्यादा वक्त खुले में रहती हैं तो सनबर्न जैसी समस्या को दूर करने में दही आपके लिए काफी कारगर साबित हो सकती है। यह स्वाभाविक रूप से आपकी त्वचा को डिटॉक्सीफाई करने के अलावा प्राकृतिक रूप से चमक देने का काम करती है। यह बढ़ती उम्र की निशानियों को छिपाने का अचूक उपाय है। साथ ही इसके कोई साइड इफेक्ट भी नहीं हैं। दूध में मौजूद प्रोटीन दही के रूप में चेहरे पर इस्तेमाल करने से यह चेहरे की रंगत निखारने का काम करती है। साथ ही यह चेहरे पर चमक लाने के अलावा कॉम्प्लेक्शन और टैनिंग को भी रिमूव कर देती है। यह आपकी स्किन टोन से सन स्पॉट्स को भी हटाती है। इसके अलावा यह मुंहासे और चेहरे पर होने वाले दानों को भी हल्का करने का काम करती है।

त्वचा के लिए दही का कैसे करें उपयोग?

इस बात से आप शायद अंजान होंगे कि दही में जिंक मौजूद होता है, जो मुंहासे जैसी समस्याओं से निजात दिलाने में काफी कारगर है। वहीं इसमें मौजूद लैक्टिक एसिड भी त्वचा को नमी प्रदान करने का काम करता है। जिसका इस्तेमाल करने से त्वचा एकदम हाइड्रेट और छूने पर एकदम सॉफ्ट लगती है, लेकिन ऑयली फेस वालों को इसके सीधे चेहरे पर इस्तेमाल करने से बचना चाहिए। अगर वह दही का इस्तेमाल अपने चेहरे पर कर रहे हैं तो उन्हें इसमें नींबू के रस को मिलाकर लगाना चाहिए।

दही के कुछ फेस पैक

1. आप आधा कप दही में एक चम्मच नींबू के रस को अच्छे से मिलाएं। फिर इस मिक्सचर को फ्रिज में थोड़ी देर के लिए छोड़ दे। उसके बाद इस ठंडे पेस्ट को अपने चेहरे पर मसाज करते हुए लगाएं। आप अपने चेहरे के अलावा गर्दन पर भी इस पेस्ट से मसाज कर सकती हैं। इसे आपको कम से कम एक हफ्ते से करना है। जिसके बाद आपको कुछ ही दिनों में फर्क साफ दिखाई देने लगेगा।

2. आप चाहें तो अपने चेहरे पर सादा दही का इस्तेमाल भी कर सकती हैं। यह आपकी त्वचा को पिंपल्स आदि की समस्याओं से दूर रखती है। साथ ही बढ़ती उम्र की निशानियों को भी कम करती है।

3. इसके अलावा आप 1/4 कप दही में एक चम्मच जैतून का तेल और दलिया को मिलाकर भी पेस्ट तैयार कर सकती हैं। इन तीनों को अच्छी तरह से मिलाने के बाद यह एक गाढ़ा पेस्ट बनकर तैयार हो जाएगा। फिर आप इसे अपने चेहरे पर लगाएं। साथ ही इसके सूखने पर हाथों को धीरे-धीरे घुमाते हुए रगड़ते हुए उतारें। फिर हल्के गुनगुने पानी की मदद से चेहरे को धो लें। यह चेहरे पर निखार लाने के लिए सबसे असरदार स्क्रब है।

4. वैसे आप 2 चम्मच पीसे हुए ओट्स में एक चम्मच दही, एक फेंटा हुआ अंडा मिलाकर इसका पेस्ट भी अपने चेहरे पर बनाकर लगा सकती हैं। इस पेस्ट को अपने चेहरे और गर्दन पर मसाज करते हुए लगाना चाहिए। इसके बाद इसे करीबन 15 मिनट के छोड़ दें और बाद में ठंडे पानी की मदद से चेहरे को धो लें।

5. अगर आप अपने चेहरे के कॉम्प्लेक्शन और टेक्स्चर से खुश नहीं हैं तो उसे सुधारने के लिए दही में कई तरह के फल जैसे कि नींबू, स्ट्रॉबेरी मिला लें। फिर इन तीनों का पेस्ट बनाकर चेहरे पर इसकी मसाज करें। करीबन 15 मिनट इसे ऐसे ही छोड़ दें। उसके बाद ठंडे पानी से चेहरे को धो लें।

6. आप थोड़ा सा सादा दही लें, फिर इसमें आधा आड़ू और आधा खीरा डालकर इसका पेस्ट तैयार कर लें। फिर इस पेस्ट को मिक्स कर इसे अपने फेस पर मसाज करते हुए लगाएं। करीबन 15 मिनट ऐसे ही छोड़ने के बाद इसे ठंडे पानी की मदद से धो लें।

7. शहद और दही को बराबर मात्रा में मिलाकर इससे अपने चेहरे की मसाज करनी चाहिए। इससे एक तो चेहरे पर जमी गंदगी साफ हो जाती है, साथ ही विषाक्त पदार्थों से छुटकारा मिलता है।

इन फेस पैक के रोजाना इस्तेमाल से यकीनन आपको अपनी त्वचा संबंधित सभी समस्याओं से मुक्ति मिल जाएगी। वहीं, इसकी सबसे खास बात यह है कि इन फेस पैक को बनाना और लगाना काफी आसान है। अगर आप त्वचा की देखभाल के लिए कोई सस्ता इलाज चाहते हैं तो दही एक बेहतर विकल्प है। तो त्वचा की हर तरह से देखभाल कर के इसे मुलायम बनाए रखता है

रेसिपी

चना सोया मसाला

सामग्री

1 कप भिगोए हुए काबुली चने, 1/2 कप सोया नगेट्स, 1/4 टी-स्पून हल्दी पाउडर, नमक स्वादअनुसार, 2 टी-स्पून तेल, 1/2 टी-स्पून ज़ीरा, 1 टी-स्पून अदरक-लहसुन का पेस्ट, 1/2 कप बारीक कटा हुआ प्याज़, 1 कप बारीक कटे हुए टमाटर, 1 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, 1 1/2 टी-स्पून धनिया-ज़ीरा पाउडर, 1 टी-स्पून गरम मसाला, 1 टी-स्पून कसुरी मेथी, **सजाने के लिए:** 2 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया

विधि

सोया नगेट्स को 10 मिनट के लिए गुनगुने पानी में भिगो दें, अच्छी तरह छानकर एक तरफ रख दें। सोया नगेट्स, काबुली चना, हल्दी पाउडर, नमक और 3/4 कप पानी को एक प्रैशर कुकर में अच्छी तरह मिला लें और 3 सिटी तक प्रैशर कुक कर लें। ढक्कन खोलने से पूर्व सारी भाप निकलने दें। एक तरफ रख दें और पानी ना छानें। एक नॉन-स्टिक कढ़ाई में तेल गरम करें और ज़ीरा डालें। जब बीज चटकने लगे, अदरक-लहसुन का पेस्ट और प्याज़ डालकर, मध्यम आंच पर 1 से 2 मिनट के लिए भून लें। टमाटर, लाल मिर्च पाउडर, धनिया-ज़ीरा पाउडर, गरम मसाला और कसुरी मेथी डालकर अच्छी तरह मिला ले और बीच-बीच में हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 2 मिनट के लिए पका लें। पके हुए काबुली चना-सोया नगेट्स का मिश्रण (उनके पानी के साथ) और थोड़ा नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर और 2 मिनट के लिए, बीच-बीच में हिलाते हुए पका लें। धनिया से सजाकर गरमा गरम परोसें।

ज़ीरा-पैपर रसम

सामग्री

मसाला के लिए: 1 स्पून घी, 1 स्पून काली मिर्च, 1 1/2 स्पून ज़ीरा, 1 1/2 स्पून तुवर दाल, 1 कश्मीरी लाल मिर्च , तोड़ी हुई, 1/4 स्पून हींग, **अन्य सामग्री:** 2 स्पून घी, 1 स्पून सरसों, 1/2 स्पून ज़ीरा, 1 कश्मीरी लाल मिर्च , तोड़ी हुई, 7-8 कड़ी पत्ते, 2 स्पून इमली का पल्प , 2 कप पानी के सात मिलाया हुआ, नमक स्वादअनुसार

विधि

मसाला के लिए: एक छोटे नॉन-स्टिक पैन में घी गरम करें, सभी सामग्री डालकर धीमी आंच पर 2 से 3 मिनट या इनमें से खुशबू आने तक भून लें। हल्का ठंडा कर लें और 2 टेबल-स्पून पानी के साथ मिक्सर में पीसकर मुलायम पेस्ट बना लें। एक तरफ रख दें।

आगे बढ़ने की विधी: एक गहरे नॉन-स्टिक पैन में घी गरम करें और सरसों डालें। जब बीज चटकने लगे, ज़ीरा, लाल मिर्च और कड़ी पत्ते डालकर मध्यम आंच पर कुछ सेकेन्ड तक भून लें। इमली का पानी और नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें और धीमी आंच पर 4 से 5 मिनट या इमली की कच्ची खुशबू निकल जाने तक उबाल लें। तैयार पेस्ट डालकर अच्छी तरह मिला लें और धीमी आंच पर और 2 मिनट के लिए उबाल लें। गरमा गरम परोसें।

संपादकीय

'न्याय-पत्र' : कथनी-करनी का अंतर

लोकसभा चुनाव-2024 के लिए कांग्रेस ने चुनावी घोषणा-पत्र 'न्याय पत्र' नाम से जारी कर दिया है। प्रथम दृष्टया कांग्रेस का यह चुनावी घोषणा-पत्र आकर्षित करता है लेकिन जब व्यवहारिक दृष्टि से इसका मूल्यांकन करते हैं, तो अनेक प्रकार के प्रश्न मुंह बाएं खड़े हो जाते हैं। कांग्रेस और उसके गठबंधन की सरकारों के बीते कार्यकाल का अनुभव भी घोषणा-पत्र की चुगली करता है। कांग्रेस ने अपने घोषणा-पत्र में पाँच 'न्याय' और 25 'गारंटी' का दावा किया है। जिनके अनुसार कांग्रेस के पाँच न्याय- हिस्सेदारी न्याय, किसान न्याय, नारी न्याय, श्रमिक न्याय और युवा न्याय पर आधारित है। प्रत्येक न्याय के भीतर बहुत से वादे कांग्रेस ने किए हैं। मजेदार बात यह है कि कांग्रेस के कई बड़े नेता ईवीएम के खिलाफ मोर्चाबंदी कर रहे हैं। देश के विभिन्न हिस्सों से लेकर राजधानी तक ईवीएम के विरोध में धरने-प्रदर्शनों को आयोजन किया जा चुका है। मध्यप्रदेश में राजगढ़ से लोकसभा का चुनाव लड़ रहे पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह तो मतपत्रों से चुनाव करवाने की माँग कर रहे हैं। वहीं, कांग्रेस ने अपने घोषणा-पत्र में ईवीएम से ही चुनाव कराए जाने का वादा किया है। कांग्रेस ने इतना अवश्य जोड़ा है कि वह ईवीएम के डेटा का मिलान वीवीपैट स्लिप से कराएगी, ताकि इस व्यवस्था को और अधिक पारदर्शी बनाया जा सके। अब देखना होगा कि कांग्रेस के ऐसे नेता क्या कहेंगे, जो निर्वाचन प्रक्रिया को बैलगाड़ी युग में ले जाने के लिए आंदोलन कर रहे थे। कांग्रेस का घोषणा-पत्र उसकी तुष्टीकरण की नीति को भी आगे बढ़ाता दिख रहा है। कांग्रेस ने वादा किया है कि वह पर्सनल लॉ में सुधार को बढ़ावा देगी। जहाँ एक ओर भाजपा है, जो समान नागरिक संहिता की बात कह रही है, वहीं कांग्रेस है जो पर्सनल लॉ को बनाए रखने पर जोर दे रही है। इसके बाद भी देश के कुछ बुद्धिजीवी भाजपा को सांप्रदायिक और कांग्रेस को सेकुलर पार्टी का तमगा देने का प्रयास करते हैं। विधानसभा चुनावों ने जनता ने कांग्रेस के जातिगत जनगणना के मुद्दे को सिरे से नकार दिया है लेकिन कांग्रेस अब भी अपनी जिद पर अड़ी दिख रही है। उसने घोषणा-पत्र में इसे शामिल किया है। कांग्रेस को छोड़कर जा रहे बड़े नेता उचित ही कह रहे हैं कि पार्टी पर कम्युनिस्टों का कब्जा हो गया है और वे पार्टी की नीति-रीति को प्रभावित कर रहे हैं। याद रखें कि पंडित जवाहरलाल नेहरू से लेकर इंदिरा गांधी तक कभी भी कांग्रेस ने जातिगत जनगणना की माँग का समर्थन नहीं किया है। लेकिन राहुल गांधी की कांग्रेस में यह मुद्दा जोर-शोर से उठाया जा रहा है। मीडिया को लेकर भी बहुत से वादे कांग्रेस के घोषणा-पत्र में किए गए हैं, जो कांग्रेस की दोहरे आचरण की चुगली कर रहे हैं। घोषणा-पत्र में वादा किया गया है कि 'कांग्रेस मीडिया की पूर्ण स्वतंत्रता सहित भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता बहाल करने का वादा करती है'। पहली बात तो यह कि वर्तमान समय में किसने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को छीना हुआ है? सब तो अपने मन की बात कह पा रहे हैं। भारत में मीडिया का दमन आपातकाल में ही किया गया था, जो कांग्रेस ने ही देश पर थोपा था। दूसरी बात यह है कि जिस पार्टी ने कुछ माह पूर्व ही देश के प्रमुख पत्रकारों को चिह्नित करके उनका बहिष्कार किया हो, उससे मीडिया की पूर्ण स्वतंत्रता की अपेक्षा कैसे की जा सकती है? राज्य की बलपूर्वक कार्यवाही से बचाने की बात भी कही गई है लेकिन सबको ध्यान है कि कैसे कांग्रेस की राज्य सरकारों ने विभिन्न पत्रकारों के विरुद्ध मामले दर्ज कराए थे। बहरहाल, कांग्रेस के घोषणा-पत्र में ऐसे कई वादे हैं, जो उसकी नीतियों एवं सोच से मेल नहीं खाते हैं। कांग्रेस और उसके नेताओं को यह बात ध्यान में रखनी होगी कि देश के नागरिक उन्हीं बातों पर भरोसा करते हैं, जिनमें कथनी-करनी की एकरूपता दिखायी देती हो।

कांग्रेस और उसके गठबंधन की सरकारों के बीते कार्यकाल का अनुभव भी घोषणा-पत्र की चुगली करता है। कांग्रेस ने अपने घोषणा-पत्र में पाँच 'न्याय' और 25 'गारंटी' का दावा किया है। जिनके अनुसार कांग्रेस के पाँच न्याय- हिस्सेदारी न्याय, किसान न्याय, नारी न्याय, श्रमिक न्याय और युवा न्याय पर आधारित है। प्रत्येक न्याय के भीतर बहुत से वादे कांग्रेस ने किए हैं। मजेदार बात यह है कि कांग्रेस के कई बड़े नेता ईवीएम के खिलाफ मोर्चाबंदी कर रहे हैं। देश के विभिन्न हिस्सों से लेकर राजधानी तक ईवीएम के विरोध में धरने-प्रदर्शनों को आयोजन किया जा चुका है। मध्यप्रदेश में राजगढ़ से लोकसभा का चुनाव लड़ रहे पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह तो मतपत्रों से चुनाव करवाने की माँग कर रहे हैं। वहीं, कांग्रेस ने अपने घोषणा-पत्र में ईवीएम से ही चुनाव कराए जाने का वादा किया है। कांग्रेस ने इतना अवश्य जोड़ा है कि वह ईवीएम के डेटा का मिलान वीवीपैट स्लिप से कराएगी, ताकि इस व्यवस्था को और अधिक पारदर्शी बनाया जा सके। अब देखना होगा कि कांग्रेस के ऐसे नेता क्या कहेंगे, जो निर्वाचन प्रक्रिया को बैलगाड़ी युग में ले जाने के लिए आंदोलन कर रहे थे।

सिद्धांत पर चलते हुए भाजपा ने आरंभ से ही राजनीति को सत्ता की बजाय सेवा का माध्यम माना है

भाजपा ने राजनीति को सेवा करने का सर्वोत्तम माध्यम बनाया

डॉ. आशीष वशिष्ठ

अंधेरा छटेगा, सूरज निकलेगा, कमल खिलेगा भारतीय जनता पार्टी के पहले अध्यक्ष अटल बिहारी वाजपेयी ने आज ही के दिन, 1980 में यानी 44 साल पहले, पार्टी की स्थापना के समय ये शब्द कहे थे। शायद उन्होंने यह बात पार्टी के कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने के लिए कही होगी लेकिन उस समय पार्टी कार्यकर्ताओं या फिर विपक्षी दलों में शायद ही किसी ने सोचा होगा कि आने वाले दिनों में अटल जी की बातें सही साबित होंगी।

देश के राजनीतिक इतिहास में छह अप्रैल का दिन खास अहमियत रखता है। अंधेरा छटेगा, सूरज निकलेगा, कमल खिलेगा भारतीय जनता पार्टी के पहले अध्यक्ष अटल बिहारी वाजपेयी ने आज ही के दिन, 1980 में यानी 44 साल पहले, पार्टी की स्थापना के समय ये शब्द कहे थे। शायद उन्होंने यह बात पार्टी के कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने के लिए कही होगी लेकिन उस समय पार्टी कार्यकर्ताओं या फिर विपक्षी दलों में शायद ही किसी ने सोचा होगा कि आने वाले दिनों में अटल जी की बातें सही साबित होंगी। 1984 के लोकसभा चुनाव में केवल दो सीटें हासिल करने से लेकर 2019 के चुनाव में 303 सीटें जीतने वाली भाजपा ने अपने इस शानदार सफर में कई उतार-चढ़ाव भी देखे, बड़े झटके भी खाए और मायूसी भी महसूस की। धरातल पर बदलाव लाने के लिए राजनीति सबसे सशक्त माध्यम है। राजनीति के माध्यम से हम समाज के दबे-कुचले लोगों और उपेक्षित समुदायों को ऊपर उठाते हुए सामाजिक-आर्थिक विषमताओं को दूर करने का भरसक प्रयास कर सकते हैं। एक व्यापक बदलाव लाने का जो कार्य, बड़े से बड़े वेतन वाली प्रतिष्ठित नौकरी करके भी नहीं किया जा सकता है, उसे राजनीति के माध्यम से आसानी से किया जा सकता है। इसी सिद्धांत पर चलते हुए भाजपा ने आरंभ से ही राजनीति को सत्ता की बजाय सेवा का माध्यम माना है। आजादी के बाद के लंबे कालखंड तक भारतीय राजनीति में परिवार और व्यक्ति केंद्रित दलों ने राजनीति को कमाई का जरिया बनाया और सेवा भाव को नदी के जलधारा में प्रवाहित कर दिया। बीच-बीच में केंद्र की सत्ता पर आसीन गैरकांग्रेसी सरकारों ने लोक कल्याण के लिए कुछ करने की सोची तो उन्हें अस्थिर कर दिया गया। 2014 में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र में पूर्ण बहुमत की एनडीए सरकार का गठन हुआ, तब से तस्वीर में बदलाव आया है। पिछले दस वर्षों में आम आदमी को इस बात का आभास हुआ है कि राजनीतिज्ञ अगर सेवा करने के भाव से राजनीति करें तो कितना बड़ा और व्यापक बदलाव देश और आम आदमी की जिंदगी में लाया जा सकता है। भाजपा की रीति-नीति और संकल्पों की डगर पर चलते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने यह साबित कर दिया कि राजनीति सेवा का सबसे सशक्त माध्यम है। परिवारवादी दल जो अपने परिवारजनों के विकास और उत्थान में सारी ऊर्जा

खपाते हैं, वह राजनीति को सेवा का नहीं, बल्कि मेवा का माध्यम मानते हैं। उनकी डिक्शनरी में परिवार पहले और देश बाद में आता है। तीन मार्च, 2024 को बिहार की राजधानी पटना के गांधी मैदान में जन विश्वास महारैली में इंडी अलांयस की रैली में बोलते हुए राष्ट्रीय जनता दल के प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने प्रधानमंत्री मोदी के परिवारवाद वाली टिप्पणी का जवाब देते हुए कहा था कि उनकी कोई संतान नहीं है। वो पत्नी के साथ नहीं रहते। कैसे जानेंगे कि परिवार क्या होता है? लालू प्रसाद की आपत्तिजनक टिप्पणी के अगले दिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तेलंगाना के आदिलाबाद में जनसभा को संबोधित कर रहे थे तो उन्होंने विपक्ष की ओर से उनके परिवार को लेकर किए गए हमले का परोक्ष रूप से जवाब दिया। प्रधानमंत्री ने कहा, 'मैं इनके परिवारवाद पर सवाल उठाता हूं, तो इन लोगों ने अब बोलना शुरू कर दिया है कि मोदी का कोई परिवार नहीं है। मैं इनसे कहना चाहता हूं कि 140 करोड़ देशवासी मेरा परिवार हैं। जिनका कोई नहीं है, वो भी मोदी के हैं और मोदी उनका है। मेरा भारत ही मेरा परिवार है।' जो दल एक परिवार या व्यक्ति द्वारा द्वारा संचालित हो रहे हैं, उनके लिए परिवार ही सर्वोपरि है। उनकी सारी ऊर्जा परिवार के विकास और कल्याण में ही खर्च होती है। उनके एजेंडे में आम आदमी का विकास और कल्याण अंतिम पायदान पर होता है। प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा की विचारधारा ने भारतीय राजनीति की इसी विचारधारा को पलटने का काम किया है। इसलिए प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा के अन्य नेता कहते हैं कि हमारे लिए नेशन फर्स्ट है। विपक्ष के लिए तो फैमिली फर्स्ट इसे सारा देश अब अनुभव करने लगा है।

श्रीमद्भागवत गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने भी अर्जुन को राजनीति और कूटनीति के माध्यम से राज्य, धर्म एवं समाज की रक्षा करने के लिए प्रेरित किया है। धर्म के विपरीत आचरण करने वालों और सत्ता, सुख-संपदा, धन-वैभव एवं ऐश्वर्य के लिए जीने वालों को उन्होंने समस्त संसार के लिए विनाशकारी बताया है। इसलिए हमारी राजनीति के विमर्श में लोकमंगल की भावना होना बहुत आवश्यक है। राजनीति को सत्ता पाने का अवसर मानने वाली अनैतिकता ही अस्वस्थ राजनीतिक परंपरा को पोषित करती रहती है। यदि राजनीति की ऊर्जा को ऊर्ध्वगामी बनाया जाए और नैतिकता, मूल्यों एवं आदर्श का समावेश करते हुए सेवाभाव से कार्य किया जाए तो एक स्वस्थ, सक्षम एवं सजग समाज और सशक्त राष्ट्र का निर्माण किया जा सकता है। भाजपा के चाहे दो सांसद रहे हों या 303 भाजपा ने राजनीति को हमेशा सेवा का माध्यम माना। और ये बात उसके चरित्र और आचरण से झलकती भी है। राजनीति का चरित्र-चित्रण, उसके नेतृत्व में प्रतिबिंबित होता है। सही राजनीतिक नेतृत्व किसी भी संस्था या अभियान को जन-जन के बीच पहुंचा सकता है और उसे जनभागीदारी का प्रतीक बना सकता है। वैश्विक महामारी कोरोना के समय में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में वर्तमान भारत सरकार ने जिस प्रकार से गरीबों एवं असहायों की सहायता के लिए राजनीतिक दूरदृष्टि के साथ शासन एवं प्रशासन का कार्य किया है, वह संस्थाओं के नेतृत्व का श्रेष्ठ उदाहरण है। कोरोना के समय विपक्ष ने नकारात्मक भूमिका निभाई। देश में बनी वैक्सीन से लेकर तमाम व्यवस्थाओं का उपहास उड़ाया। देश की जनता को भ्रमित करने का काम किया। इसमें कोई दोराय नहीं है कि विश्व की सबसे बड़ी आबादी वाले भारत जैसे देश में कोरोना के संकट से निपटते हुए गरीबों, मजदूरों, किसानों, शोषितों और वंचितों के हितों की रक्षा करने से लेकर देश की आर्थिक गतिविधियों को सुचारू रूप से चलाने तक का कार्य, किसी चुनौती से कम नहीं था। लेकिन संकट के ऐसे समय में प्रधानमंत्री ने देश के सभी राजनीतिक दलों को एक साथ जोड़ने का समेकित प्रयास करते हुए देश को आत्मनिर्भर बनाने और जन-कल्याण करने के लिए सरकार की भावी प्राथमिकताओं और योजनाओं को धरातल पर उतारा है।

दृष्टि कोण

म्यांमार और बांग्लादेश के लोगों की तरफ मिजो लोगों ने बढ़ाए मदद के हाथ

पिछले महीने मैंने कई उत्साहवर्धक दिन मिजोरम में बिताए। मुझे राज्य के राजनीतिक इतिहास के बारे में थोड़ी जानकारी थी। अपने जीवन में मैं कई मिजो लोगों से मिला भी, लेकिन इससे पहले कभी राज्य का दौरा नहीं किया था। सबसे पहले मैंने गुवाहाटी के लिए उड़ान भरी, जहां मैं अपने कुछ पुराने दोस्तों से मिला। ब्रह्मपुत्र नदी के दर्शन का आनंद लिया, विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं छात्रों से गांधी के बारे में बातें भी कीं। हवाई जहाज की तुलना में ग्रामीण इलाकों को देखने के लिए यात्री ट्रेन एक बेहतर विकल्प है, लेकिन कार शायद अब भी बेहतर तरीका है। लेंगपुई हवाई अड्डे से राज्य की राजधानी आइजॉल तक की यात्रा में डेढ़ घंटे का समय लगा, जो परिदृश्य को समझने के लिए पर्याप्त था। पहाड़ियों के आकार ने मुझे उप-हिमालयी जिलों की याद दिला दी, जो तब उत्तर प्रदेश में थे, अब उत्तराखंड में हैं, जहां मैं पैदा हुआ और पला-बढ़ा। संकरी व घुमावदार सड़कें और तेज बहती जलधाराएं वैसी ही थीं। वनस्पति कुछ अलग थीं, प्रचुर मात्रा में बांस और पर्णपाती पेड़, लेकिन उत्तराखंड के विपरीत कोई शंकुधारी प्रजाति नहीं थी। और मानव आबादी भी बहुत कम लग रही थी। आइजॉल शहर में हर पहाड़ी के हर स्तर पर घर एक-दूसरे से सटे थे, जो नैनीताल और मसूरी की याद दिला रहे थे। सड़कों पर घूमना, खरीदारी करना, कैफे में बातचीत करना, ये सभी राज्य में महिलाओं की उन्नति की गवाही देते हैं। भारत के सभी राज्यों में महिला साक्षरता दर मिजोरम में दूसरी सबसे अधिक है। करीब 60 फीसदी मिजो महिलाएं घर से बाहर काम करती हैं, यह अखिल भारतीय दर (30 फीसदी से कम) से दोगुने से भी ज्यादा है। और देश के किसी भी हिस्से की तुलना में मिजो

महिलाओं के बेहतर वेतन पाने या ज्यादा जिम्मेदारी वाला काम करने की संभावनाएं अधिक हैं। जुलाई, 2022 में प्रकाशित पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, 'मिजोरम में विधायकों, वरिष्ठ अधिकारियों और प्रबंधकों के रूप में काम करने वाले महिला-पुरुषों का अनुपात सबसे अधिक 70.9 फीसदी है, उसके बाद सिक्किम (48.2 फीसदी) और मणिपुर (45.1 फीसदी) का स्थान है।' मिजो लोगों की सामाजिक प्रगति कई मायनों में हैरान करती है। यह उनके भौगोलिक अलगाव के विपरीत है और ऐसा तब है, जब कई वर्षों तक विद्रोहियों और राज्य के बीच हिंसक संघर्ष जारी रहा। जिस आइजॉल में मैं अब घूम रहा था और लोगों से बात कर रहा था, वह हलचल भरा और सबकी निगाह में बिल्कुल शांत शहर था, जिसे एक बार भारतीय वायु सेना द्वारा संचालित पहली भारतीय बस्ती होने का गौरव प्राप्त हुआ था। यह 1966 के वसंत में हुआ था, जब एक सशस्त्र समूह मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) ने भारतीय राज्य के खिलाफ विद्रोह शुरू किया था। एमएनएफ का नेतृत्व लालडेंगा कर रहे थे, जो कुछ वर्ष पहले मिजो हिल्स में पड़े अकाल से बुरी तरह प्रभावित थे, जब व्यापक भुखमरी के प्रति नई दिल्ली की सरकार ने अपर्याप्त प्रतिक्रिया जताई थी। यह सोचकर कि मिजो लोगों का भारत में कोई सम्मानजनक भविष्य नहीं है, लालडेंगा ने पूर्वी पाकिस्तान के सैन्य शासन से संपर्क किया, जिसने उन्हें हथियार और आर्थिक सहायता देने का वादा किया। फरवरी, 1966 में एमएनएफ ने सरकारी कार्यालयों पर आक्रमण किया और संचार प्रणाली को बाधित कर दिया। उन्होंने घोषणा की कि मिजो लोगों ने अपना एक 'स्वतंत्र' गणराज्य बना लिया है। फिर भारतीय राज्य ने सेना की बड़ी टुकड़ियां भेजीं और वायु सेना को भी भेजा गया। फिर भी विद्रोहियों ने जमकर संघर्ष किया और संघर्ष खत्म होने तथा समझौता होने में दो दशक लग गए। बाद में लालडेंगा भारतीय राज्य मिजोरम के मुख्यमंत्री बने। समझौता होने के बाद मिजो लोगों ने बहुत जल्दी और पूरी तरह से अपने जीवन का पुनर्निर्माण किया, यह उनकी बुद्धिमत्ता और उनके साहस का प्रमाण है। पीड़ा लोगों को प्रतिशोधी बना सकती है, खुद सहे कष्टों के कारण वे दूसरों से बदला लेने पर उतारू हो सकते हैं।

कुछ अलग

व्यवस्था सुधारने पर ध्यान जरूरी

भारतीय जेलों में क्षमता से अधिक बंदियों को रखे जाने के कारण उत्पन्न नारकीय स्थितियां न केवल संयुक्त राष्ट्र के नियमों का, बल्कि मानवाधिकारों का भी उल्लंघन है। यह वेदना किसी मानवाधिकार कार्यकर्ता की नहीं, बल्कि स्वयं गृह मंत्रालय के अंतर्गत निदेशक (एसआर) प्रवीन कुमारी सिंह द्वारा सभी राज्यों के प्रमुख सचिव गृह और कारागार तथा पुलिस प्रमुखों के लिए नौ मई, 2011 को जारी सर्कुलर में व्यक्त की गई है। जेलों की इस स्थिति पर संसद में भी निरंतर चिंता प्रकट की जाती रही है। जेलों में क्षमता से अधिक संख्या में एक साथ बंदियों को रखे जाने से एक-दूसरे में बीमारियों के फैलने की आशंका ज्यादा होती है। मानवाधिकारों के उल्लंघन, स्वास्थ्य सेवाओं की कमी और न्याय-आधारित विकल्पों की अनुपस्थिति के कारण जेलों में बंद लोगों के स्वास्थ्य की समस्या उत्पन्न हो जाती है। जेलों का भौतिक बुनियादी ढांचा, भीड़-भाड़ का खतरा और कैदियों की लगातार आवाजाही से टीबी जैसी बीमारियों के फैलने का खतरा बढ़ जाता है। विश्व में सर्वाधिक जनसंख्या वाले भारत की जेलें भी भरी रहती हैं। लॉन्सेट पब्लिक हेल्थ जर्नल में प्रकाशित एक वैश्विक अध्ययन के अनुसार, भारत में कैदियों को सामान्य आबादी की तुलना में तपेदिक (टीबी) होने का खतरा पांच गुना अधिक है। जर्नल के जुलाई, 2023 संस्करण में प्रकाशित एक अध्ययन में पाया गया कि भारत की जेलों में प्रति एक लाख कैदियों पर टीबी के 1,076 मामले थे। शोधकर्ताओं ने राष्ट्रीय स्तर पर तपेदिक की घटनाओं की दर और जेलों में भीड़-भाड़ के बीच एक सीधा संबंध पाया। विशेषज्ञों के अनुसार, जेलों में भीड़-भाड़ और वेंटिलेशन की कमी के चलते तपेदिक (टीबी) रोगियों की संख्या अधिक पाई जाती है। वर्ष 2017 में इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंफेक्शियस डिजीज में प्रकाशित एक अध्ययन में शोधकर्ताओं ने भारत की जेलों में टीबी के इलाज और जांच की व्यवस्था का अध्ययन किया, तो पाया कि निदान या डाइग्नोसिस की केवल 18 प्रतिशत, इलाज की 54 प्रतिशत और समय-समय पर जांच की 60 प्रतिशत जेलों में ही व्यवस्था थी। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो की 'प्रिजन स्टैटिस्टिक्स इंडिया रिपोर्ट-2022' के अनुसार 31 दिसंबर, 2022 को भारत की जेलों में कुल 5,73,220 लोग बंदी थे, जबकि देश की कुल 1,330 जेलों में कुल क्षमता 4,36,266 कैदियों की ही थी। इस प्रकार देखा जाए, तो इन जेलों में क्षमता से 131.4 प्रतिशत अधिक बंदी रखे गए थे। ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, तेलंगाना, मणिपुर और नगालैंड जैसे कुछ राज्यों में क्षमता से कम बंदी थे, जबकि उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, महाराष्ट्र और जम्मू-कश्मीर जैसे कुछ राज्यों की जेलों में भेड़-बकरियों की तरह बंदी ठूंसे जाते हैं। उत्तराखंड जैसे शांत और छोटे राज्य की जेलों में 31 जनवरी, 2024 तक कुल 3,461 बंदियों की क्षमता के विपरीत 6,603 कैदी बंद थे। इन बंदियों में से लगभग 75 प्रतिशत विचाराधीन कैदी थे। उक्त जेल सांख्यिकी के अनुसार, जेलों में बंद सभी बंदियों में केवल 1,33,415 बंदी ही सजायाफ्ता थे और शेष 4,34,302 विचाराधीन कैदी थे। इन विचाराधीन कैदियों में से कई ऐसे भी हैं, जो अदालत द्वारा दोष सिद्ध होने से पहले ही पांच साल से अधिक समय से जेलों में सजा काट रहे हैं। केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्रा द्वारा 6 फरवरी, 2024 को लोकसभा में दी गई जानकारी के अनुसार, भारतीय जेलों में दो से तीन साल से 33,980 विचाराधीन कैदी, तीन से पांच साल से 25,869 विचाराधीन कैदी और पांच साल से अधिक समय से 11,448 विचाराधीन कैदी फैसले का इंतजार कर रहे थे।

देश दुनिया से

अधिक सयाने नेता ना घर के रहे ना घाट के

राजनीति में जरा सा चूकने पर खेल ऐसा बिगड़ जाता है कि फिर सुधरे भी नहीं सुधर पाता है। देश में चल रहे लोकसभा चुनाव के दौरान कुछ राजनीतिक दलों व उनके नेताओं के साथ भी कुछ ऐसी घटनाएं घट गई जो ना उनसे निगलते बन रही है ना ही उगलते। बिहार में लोक जनशक्ति पार्टी के नेता व केंद्र में मंत्री रहे पशुपति पारस अपने भतीजे चिराग पारस कि एनडीए से बगावत के वक्त खुलकर एनडीए के साथ रहकर अपना मंत्री पद बचा ले गए थे। उसे वक्त उनके साथ पार्टी के 6 में से पांच सांसद भी थे। मगर समय का चक्र देखिए आज पशुपति पारस के पास ना तो मंत्री पद बचा है ना ही लोकसभा की सीट बच पाई है।

कहते हैं राजनीति संभावनाओं का खेल है। इसमें कब क्या हो जाए किसी को पता नहीं रहता है। राजनीति में जरा सा चूकने पर खेल ऐसा बिगड़ जाता है कि फिर सुधरे भी नहीं सुधर पाता है। देश में चल रहे लोकसभा चुनाव के दौरान कुछ राजनीतिक दलों व उनके नेताओं के साथ भी कुछ ऐसी घटनाएं घट गई जो ना उनसे निगलते बन रही है ना ही उगलते। बिहार में लोक जनशक्ति पार्टी के नेता व केंद्र में मंत्री रहे पशुपति पारस अपने भतीजे चिराग पारस कि एनडीए से बगावत के वक्त खुलकर एनडीए के साथ रहकर अपना मंत्री पद बचा ले गए थे। उसे वक्त उनके साथ पार्टी के 6 में से पांच सांसद भी थे। मगर समय का चक्र देखिए आज पशुपति पारस के पास ना तो मंत्री पद बचा है ना ही लोकसभा की सीट बच पाई है। चिराग पासवान के एनडीए में वापस आने के चलते सीट शेयरिंग में उन्हें पांच सीट दे दी गई। जबकि उनके विरोधी चाचा पशुपति पारस वाली लोक जनशक्ति पार्टी को एनडीए में एक भी सीट नहीं दी गयी। इससे नाराज होकर पशुपति पारस लालू यादव नीत महागठबंधन में शामिल होने की घोषणा कर केंद्रीय मंत्री पद से भी इस्तीफा दे दिया था। मगर राजनीति के चतुर खिलाड़ी लालू यादव ने पशुपतिनाथ पारस को घास नहीं डाला और उनकी पार्टी को गठबंधन में एक भी सीट नहीं दी। इससे पशुपति पारस की स्थिति बहुत ही हास्यास्पद हो गई। और वह फिर से एनडीए में शामिल होकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गुणगान करने लगे हैं। पशुपति पारस के चक्कर में उनके दूसरे भतीजे प्रिंस राज भी इस बार बिना टिकट ही रह गए। उन्हें भी किसी गठबंधन में शामिल नहीं किया गया है। कहां जा रहा है कि भाजपा द्वारा पशुपति पारस को चिराग पासवान का समर्थन करने के बदले राज्यपाल का पद व प्रिंस राज को बिहार सरकार में मंत्री बनाने का ऑफर दिया गया था। मगर उन्होंने उस ऑफर को छोड़कर महागठबंधन से सीट लेने के चक्कर में केंद्रीय मंत्री पद से भी इस्तीफा देते हुये एनडीए के खिलाफ बयानबाजी कर दी थी। अब देखते हैं चुनाव के बाद आगे पशुपति पारस व उनके भतीजे प्रिंस राज का फिर से राजनीतिक पुनर्वास होता है या वह राजनीति के बियाबान में खो जाते हैं। इसका पता तो लोकसभा चुनाव नतीजे के बाद ही लग पाएगा। फिलहाल तो पशुपति पारस ना घर के रहे ना घाट के रहे वाली स्थिति में है। खुद को सन ऑफ मल्लाह कहलाने वाले विकासशील इंसान पार्टी के अध्यक्ष मुकेश सहनी के साथ भी कुछ ऐसा ही वाकया हुआ है। कभी मुंबई की फिल्में इंडस्ट्री में काम कर पैसे कमाने वाले मुकेश सहनी की फितरत एक जगह टिकने की नहीं रही है। वह बिहार में बड़ी राजनीति करने का सपना देखते रहते हैं। इसी चक्कर में वह अलग-अलग गठबंधनों में शामिल होकर चुनाव लड़ते रहे हैं। मगर कभी चुनाव नहीं जीत पाए हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में उन्होंने बिहार के एनडीए गठबंधन में शामिल होकर 13 सीटों पर अपनी पार्टी को चुनाव लड़वाया था और उनकी पार्टी के चार विधायक जीते थे। उनका स्वयं को भी नीतीश कुमार की सरकार में मंत्री बनाया गया था। मगर अपनी फितरत के मुताबिक वह अधिक समय तक गठबंधन में नहीं टिक पाए। तब भाजपा ने उनके विधायकों को तोड़ लिया और वह अकेले रह गए। अब उनका विधान परिषद का कार्यकाल भी पूरा हो गया है। इस बार के लोकसभा चुनाव में उन्होंने फिर से भाजपा के एनडीए व लालू प्रसाद यादव के महागठबंधन में शामिल होकर लोकसभा चुनाव लड़ने का प्रयास किया था। मगर उनके मांग पत्र व सीटों की संख्या देखकर किसी भी गठबंधन ने उनसे तालमेल करना मुनासिब नहीं समझा। दोनों ही गठबंधन उन्हें बातों में उलझाए रखा और अंत में किसी ने भी उनके साथ तालमेल नहीं किया। आज मुकेश सहनी यदि लोकसभा चुनाव लड़ते हैं तो उन्हें अपने ही दम पर चुनाव मैदान में उतरना पड़ेगा। पूर्णिया के पूर्व सांसद पप्पू यादव किसी समय बिहार में चर्चित युवा नेता होते थे। कम उम्र में ही कई बार सांसद, विधायक बनने वाले पप्पू यादव की बाहुबली वाली छवि के चलते उन्हें चुनाव जीतने में कोई दिक्कत नहीं होती थी। एक समय उन्होंने शरद यादव जैसे दिग्गज नेता को भी हरा दिया था। मगर अब समय का फेर देखिए आज वही पप्पू यादव एक टिकट के लिए मारे मारे घूम रहे हैं। पिछले दिनों उन्होंने राजद सुप्रीमो लालू यादव से अपने संबंध सुधारने के लिए उनके आवास पर जाकर हाजिरी भी दे दी थी। फिर उन्होंने अपनी जन अधिकार पार्टी का दिल्ली कांग्रेस मुख्यालय में जाकर कांग्रेस में विलय कर दिया था। कांग्रेस में शामिल होने के बाद पप्पू यादव ने पूर्णिया से कांग्रेस टिकट पर चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी थी।

आप का नजरिया

ताकि आपका मूड बदस्तूर बेमिसाल बना रहे

अगर आपसे यह पूछा जाए कि आप सुबह उठने से लेकर रात सोने तक जो कुछ भी करते हैं, उस सबके पीछे आपका मकसद क्या रहता है। आप सहज ही कहेंगे कि हम अपनी खुशी के लिए करते हैं। हम अगर खुद को तकलीफ भी देते हैं, तो वह खुशी के लिए ही होता है। कोई जिम में जाकर अगर भारी भरकम वजन उठाने की पीड़ा सहता है, तो वह भी अपनी खुशी के लिए ही करता है। कोई छात्र पूरी एकाग्रता के साथ घंटों तक पढ़ाई करने का कष्टसाध्य काम करता है, तो वह भी अपनी खुशी के लिए ही करता है। हम अगर नौकरी के लिए खून-पसीना एक करते हैं, तो यह भी खुशी के लिए ही करते हैं। पर क्या आप जानते हैं हम किन वजहों से खुश होते हैं? जब तब आपके दिमाग में और आपके गट में खुशी के होर्मोंस रिलीज नहीं होते, आप खुश नहीं हो सकते। इसलिए अगर आपका मकसद खुश होना है, तो आप इन चार होर्मोंस को ठीक से समझ लें कि ये क्या काम करने से रिलीज होते हैं और फिर सुनिश्चित करें कि आप वे सभी कार्य नियमित करते रहें। सबसे पहला होर्मोन है डोपामीन। इसे फील गुड और रिवॉर्ड होर्मोन भी कहते हैं। जब भी आप अपने लिए कोई लक्ष्य निर्धारित करते हैं, तो उसे हासिल करने पर इनाम के तौर पर आपको यही होर्मोन मिलता है। आप जब भी आनंद देने वाले काम करते हैं, जैसे पसंदीदा भोजलन करना या एक्सरसाइज करते हैं, शॉपिंग करने जाते हैं, संगीत सुनते हैं, तो इन कामों को करते हुए भी दिमाग डोपामीन रिलीज करता है और आपको खुशी जैसी महसूस होती है। आप जो बार-बार मोबाइल देखते हो और किसी पसंद के व्यक्ति का कमेंट पढ़ते हो, लाइक देखते हो, तो भी आपका माइंड डोपामीन रिलीज करता है और आपको अच्छा लगता है। बार-बार आपको अच्छा लगे इसलिए आप बार-बार मोबाइल देखते हो। दूसरा होर्मोन है सिरोटोनिन, जिसे मूड रेग्युलेट करने वाला होर्मोन भी कहते हैं। ये होमोन लेकिन दिमाग में नहीं हमारी गट यानी आंत में रिलीज होता है। यह हमारे मूड को सही करता है, हमें भविष्य को लेकर उम्मीदों से भरता है और हमारी नींद को भी बेहतर बनाता है। अगर शरीर में सिरोटोनिन कम हो जाए तो हम एंजाइटी और डिप्रेशन का शिकार हो जाते हैं। हेल्दी और संतुलिन भोजन लेने, प्रकृति के बीच लंबे वॉक पर जाने, धूप लेने और ध्यान में बैठने से सिरोटोनिन रिलीज होता है। तीसरा खुशी का होर्मोन ऑक्सीटोसिन है जिसे प्रेम का होर्मोन भी कहते हैं क्योंकि यह हमें सुरक्षा और सामीप्य की फीलिंग देता है और भरोसे को बढ़ाता है। अगर आप अपने जीवन में खुशी के इस होर्मोन को चाहते हैं तो आपको जीवन में प्रेम को जगह देनी होगी, दोस्तों से अपनत्व को बढ़ाना होगा, करीबियों के गले लगना-लगाना होगा, अपने प्रियजनों का हाथ पकड़ना होगा। आप अपने पालतू जानवरों को जितना प्रेम करेंगे, उतना ऑक्सीटोसिन आपको मिलेगा। जीवन में लंबे समय के लिए खुशी चाहिए, तो आपके लिए यह काम ऑक्सीटोसिन ही करेगा। खुशी के लिए चौथा जरूरी होर्मोन एडोर्फिंस हैं। इसका काम आपके दर्द को कम करना होता है।

ब्राजील के सुप्रीम कोर्ट जज पर फूटा मस्क का गुस्सा, संविधान को धोखा देने का लगाया आरोप

वॉशिंगटन,08 अप्रैल (एजेंसियां) ।

दिग्गज कारोबारी एलन मस्क का ब्राजील के सुप्रीम कोर्ट के एक जज पर गुस्सा फूटा है और उन्होंने जज के इस्तीफे की मांग कर दी है। दरअसल ब्राजील सुप्रीम कोर्ट के जज एलेक्जांद्रे डे मोरेस ने ब्राजील में कई सोशल मीडिया अकाउंट को ब्लॉक कर दिया है और कई यूजर्स को जेल में डालने का भी आरोप है। दावा किया जा रहा है कि ये सोशल मीडिया अकाउंट्स ब्राजील की सरकार के खिलाफ झूठी खबरें फैला रहे थे। जिन अकाउंट्स को ब्लॉक किया गया है, उनमें कई अकाउंट्स ब्राजील के सोशल मीडिया इंफ्लुएंशर्स के हैं।

ब्राजील के जज पर फूटा एलन मस्क का गुस्सा - सोशल मीडिया पर कथित सेंसरशिप लगाने को लेकर एलन मस्क ने जज मोरेस पर तीखा हमला बोला। एक पोस्ट में उन्होंने लिखा कि यह जज मनमाने तरीके से ब्राजील के लोगों और संविधान के साथ धोखा कर रहा है। उसे इस्तीफा दे देना चाहिए या फिर उसके खिलाफ महाभियोग लाकर उसे पद से हटा देना चाहिए। मस्क ने एक अन्य पोस्ट में लिखा कि इस जज ने हम पर भारी जुर्माना लगाया है और हमारे कई कर्मचारियों को गिरफ्तार करने की धमकी दी है और ब्राजील में एक्स को बंद करने की धमकी दी है। इसके चलते हम ब्राजील में पूरा राजस्व खो सकते हैं और हो सकता है कि हमें ब्राजील में अपना ऑफिस बंद करना पड़े, लेकिन हमारे लिए लाभ से ज्यादा अहम सिद्धांत हैं।

जेर बोलसोनारो के विरोधी माने जाते हैं जज मोरेस - एलेक्जांद्रे डे मोरेस ब्राजील में एक चर्चित नाम हैं। कुछ लोग उन्हें विवादित मानते हैं तो कुछ उन्हें लोकतंत्र का रक्षक करार देते हैं। मोरेस, ब्राजील के सुपीरियर इलेक्टोरल ट्रिब्यूनल के प्रमुख भी हैं। मोरेस के आलोचकों का आरोप है कि वह ब्राजील में बोलने की आजादी को खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं। हाल के वर्षों में मोरेस ने सोशल मीडिया पर कई प्रमुख अकाउंट्स को बंद करने का आदेश दिया है। आरोप है कि जिन अकाउंट्स को ब्लॉक किया गया है, उनमें से कई ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जेर बोलसोनारो के समर्थक बताए जाते हैं।

न्यूज ब्रीफ

बीएसई के नाम दर्ज हुआ नया रिकॉर्ड, एम-कैप 400 लाख करोड़ रुपये के पार

नई दिल्ली। शेयर बाजार ने अपने नाम एक नया रिकॉर्ड कर लिया है। आज बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज की कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 400 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है। 8 अप्रैल 2024 के शुरुआती कारोबार में ही बीएसई में तेजी के साथ कारोबार कर रहा है। आज मिडकैप , स्मॉलकैप इंडेक्स भी तेजी देखने को मिली है। इन इंडेक्स के एमकैप में भी तेजी आई है। खबर लिखते वक्त बीएसई 397.46 अंक या 0.54 फीसदी की तेजी के साथ 74,645.68 अंक पर कारोबार कर रहा था। बीएसई के शेयर में से 1,979 बढ़त के साथ और 1,709 लाल निशान पर कारोबार कर रहे हैं। कब-कब बनाया बीएसई ने रिकॉर्ड मार्च 2014 में बीएसई की लिस्टिड कंपनियों का एम-कैप पहली बार 100 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंचा था। इसके बाद फरवरी 2021 में बीएसई का मार्केट कैपिटलाइजेशन 200 लाख करोड़ रुपये हो गया था। जुलाई 2023 में बीएसई की लिस्टिड कंपनियों का बाजार मूल्यांकन 300 करोड़ रुपये हो गया।अब 9 महीने के बाद बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का एम-कैप 400 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया है। क्या है इस तेजी की वजह बीएसई में लिस्टिड कंपनियों के एम-कैप में 57 फीसदी की ग्रोथ देखने को मिली है। बाजार में इस ग्रोथ की वजह इंडिकेटर्स, मजबूत कॉरपोरेट अर्निंग्स, निवेशकों के पॉजिटिव सेंटीमेंट है। इसके अलावा घरेलू और विदेशी इनफ्लो की वजह से भी शेयर बाजार में तेजी आई है। पिछले एक साल में मिडकैप इंडेक्स में 60 फीसदी की तेजी देखने को मिली है। वहीं, स्मॉलकैप इंडेक्स में 64 फीसदी की तेजी आई है। संसेक्स में भी 28.6 फीसदी की तेजी देखने को मिली है। अगर सेक्टर में देखें तो सबसे ज्यादा तेजी रियल एस्टेट, बैंक, ऑटो, एनर्जी, इंफ्रा और फार्मा सेक्टर में आई है।

बैटरी सेल के मामले में टाटा की बराबरी कर लेगी मारुति सुजूकी, 2035 तक 20 प्रतिशत तक मांग पहुंचने की उम्मीद

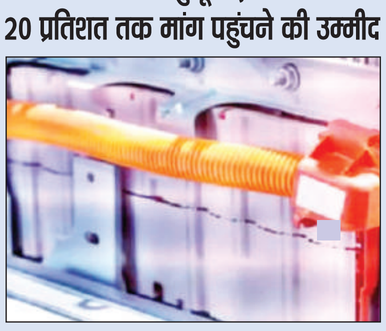

नई दिल्ली । ताजा अनुमान है कि साल 2035 तक मारुति सुजूकी इंडिया बैटरी सेल के मामले में टाटा की मांग बराबरी कर लेगी और इस साल बाद में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की शुरुआत से उसे बढ़ावा मिलेगा। हल्के वाहनों के लिए भारतीय ईवी बैटरी बाजार के संबंध में एसएंडपी मोबिलिटी ने एक रिपोर्ट में कहा है कि हालांकि वर्तमान में ईवी बाजार में मारुति की हिस्सेदारी कम है लेकिन बैटरी सेल की इसकी मांग साल 2035 तक 20 प्रतिशत तक पहुंचने की उम्मीद है, जो टाटा की 22 प्रतिशत हिस्सेदारी से कुछ ही कम होगी। उम्मीद है कि तीसरी प्रमुख कंपनी ह्युंडै ईवी क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रगति करेगी, विशेष रूप से हल्के वाहनों में, जिसमें यात्री वाहन और टाटा ऐस जैसे 6 टन से कम वाले वाणिज्यिक वाहन शामिल हैं। हल्के वाहनों के लिए आयातित सेल पर भारत की निर्भरता जारी रहने के आसार हैं। एसएंडपी ग्लोबल के अनुसार साल 2030 तक हल्के वाहनों को चलाने के लिए आवश्यक कुल बैटरी सेल का केवल 13 प्रतिशत ही घरेलू स्तर पर उत्पादित हो सकेगा। शेष हिस्से के लिए बाहर से आपूर्ति होगी। एसएंडपी का यह भी अनुमान है कि साल 2030 तक 23 प्रतिशत बैटरी मॉड्यूल भारत में निर्मित किए जाएंगे, जो मौजूदा नगण्य मात्रा की तुलना में अधिक है। हालांकि बैटरी पैक के मामले में, जिनमें से 50 प्रतिशत का उत्पादन पहले ही भारत में होता है, साल 2030 तक यह आंकड़ा कुछ कम होकर 48 प्रतिशत रह सकता है। एसएंडपी ने आगाह किया है कि स्थानीयकरण पर जोर देने से ज्यादा विनिर्माता बाहर से आपूर्ति करने के बजाय भारत में ही बैटरी पैक का उत्पादन कर सकते हैं। रिपोर्ट में हल्के वाहनों के लिए भारत की वैश्विक खरीद में बदलाव के बारे में भी बताया गया है। वर्तमान में इस बाजार पर चीन के सेल विनिर्माताओं का वर्चस्व है। उम्मीद है कि जापान और दक्षिण कोरिया के सेल विनिर्माता साल 2027 तक इस बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ा लेंगे। खास तौर पर इसलिए कि मारुति और ह्युंडै अपने ई वाहनों को उतारने के लिए अपने देशों से सेल लेने को प्राथमिकता दे रहे हैं। बता दें कि सत्तर प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी के साथ टाटा मोटर्स इलेक्ट्रिक यात्री वाहन बाजार में अग्रणी है। इससे वह बैटरी की सबसे बड़ी उपभोक्ता बन गई है। हालांकि मारुति सुजूकी इंडिया उसके साथ होड़ में है।

मिड रेंज सेगमेंट में रियलमी की पी सीरीज भारतीय बाजार में आने के लिए तैयार

नई दिल्ली,08 अप्रैल (एजेंसियां) ।

भारत के उपभोक्ता प्रौद्योगिकी बाजार में हाल के वर्षों में तेजी आई है, जिसका बाजार मूल्य 250 अरब डॉलर से अधिक तक पहुंच गया है। वहीं मिड-प्रीमियम स्मार्टफोन सेगमेंट सालाना आधार पर 27 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 5 फीसदी बाजार हिस्सेदारी तक पहुंच गया है।

लेकिन स्मार्टफोन उद्योग में उल्लेखनीय वृद्धि के बावजूद नवाचार में कमी नजर आ रही है। बाजार में मौजूदा स्मार्टफोन के डिजाइन साधारण हैं, उपयोगकर्ता अनुभव भी काफी काफी साधारण है। बाजार की यह स्थिति व्यवसाय मॉडल और उपयोगकर्ता जुड़ाव में निरंतर नयेपन की सिफारिश करती है।

रियलमी एक ऐसा ब्रांड है जो उच्च गुणवत्ता वाली तकनीक और बेहतर उपयोगकर्ता अनुभव के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के लिए जाना जाता है और यह उद्योग में हमेशा आगे रहता है। अपने युवा उपभोक्ता आधार के बीच नवाचार की आवश्यकता को पहचानते हुए रियलमी का लक्ष्य रोजमर्रा की जिंदगी से दूर जाना है। युवाओं की प्राथमिकताओं के बारे में ब्रांड की गहरी समझ ने शानदार उत्पादों का निर्माण किया है जो उद्योग में एक बेंचमार्क के रूप में स्थापित हो चुका है।

इस साल रियलमी ने बाजार हिस्सेदारी पर कब्जा करने के लिए कम कीमतों पर प्रीमियम उत्पादों की पेशकश कर मध्य श्रेणी के बाजार को बदलने की योजना बनाई है।

पहली बार रियलमी विशेष रूप से भारतीय बाजार के लिए तैयार की गई एक बिल्कुल नई स्मार्टफोन सीरीज ला रहा है। इसका लक्ष्य भारत में अपने

ग्राहकों और फॉलोअर्स के लिए मिड रेंज स्मार्टफोन अनुभव में क्रांतिकारी बदलाव लाना है। नई पी सीरीज की शुरूआत के साथ रियलमी का इरादा रचनात्मकता, नवाचार और जुड़ाव के प्रति अपने समर्पण को अभूतपूर्व स्तर तक बढ़ाने का है।

पी सीरीज साधारण डिजाइन और खराब प्रदर्शन से मुक्त होने की गारंटी देती है। यह अपने प्रीमियम उत्पादों के माध्यम से प्रौद्योगिकी को लोकतांत्रिक बनाने में अग्रणी के रूप में रियलमी के दृढ़ विश्वास और उसकी भूमिका की समझ को दर्शाता है। रियलमी पी सीरीज को किफायती मूल्य और प्रीमियम डिवाइस में पेश करके रणनीतिक योजना के हिस्से के रूप में बेहतर प्रदर्शन और गुणवत्ता के साथ मध्य श्रेणी के बाजार में हलचल मचाने के लिए तैयार है।

ब्रांड का मकसद किसी भी अन्य टेक कंपनी की तुलना में युवा उपयोगकर्ताओं की जरूरतों को बेहतर ढंग से समझने और पूरा करने पर केंद्रित है। व्यापक शोध के माध्यम से रियलमी ने चार प्रमुख विशेषताओं की पहचान की है, जिनके लिए वह उपयोगकर्ता प्रदर्शन, डिस्प्ले चार्जिंग क्षमताओं और समग्र गुणवत्ता को सबसे अधिक महत्व देती है। रियलमी पी सीरीज में बेहतर स्मार्टफोन अनुभव प्रदान करने के लिए कई तकनीकों का उपयोग किया गया है।

एक मजबूत चिपसेट द्वारा संचालित पी सीरीज बेहतर प्रदर्शन और सीमलेस मल्टीटास्किंग सुनिश्चित करती है, जो इसे उन उपयोगकर्ताओं के लिए आदर्श बनाती है जो अपने उपकरणों से उच्च प्रदर्शन की मांग करते हैं। इसके अलावा यह स्मार्टफोन उच्च रिफ्रेश रेट के साथ एक प्रभावशाली डिस्प्ले का दावा करता है जो एक स्मूथ और अधिक इमर्सिव व्यूइंग अनुभव प्रदान करता है। पी सीरीज स्मार्टफोन की एक सीरीज का प्रतिनिधित्व करती है जो न केवल प्रदर्शन पर ध्यान केंद्रित करती है बल्कि उपयोगकर्ता अनुभव में एक अनोखा मोड़ भी लाती है।

रियलमी प्रौद्योगिकी पर केंद्रित एक ब्रांड है, यह युवा ऊर्जा और साहसिक भावना दोनों को दृढ़ता से पहचानता है। नई रियलमी पी सीरीज इस बाजार में एक रोमांचक और नवाचार का संकेत देती है। इसका आकर्षक डिजाइन अवधारणाओं को बेहतर तकनीक के साथ जोड़ता है जिसके परिणामस्वरूप मजबूत उपयोगकर्ता अनुभव प्राप्त होता है।

रियलमी पी सीरीज साल के सबसे प्रतीक्षित लॉन्च में से एक होने वाली है। यह स्मार्ट टेक्नोलॉजी के प्रति रियलमी की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। साथ ही यह युवा उपयोगकर्ताओं की जरूरतों को पूरा करने के लिए रियलमी की प्रतिबद्धता को दिखाती है। आकर्षक डिजाइन और बेहतर तकनीक के अनूठे मिश्रण के साथ, यह एक उपयोगकर्ता अनुभव का वादा करती है।

पी सीरीज की शुरूआत मध्य-श्रेणी के स्मार्टफोन बाजार को बदलने के लिए रियलमी के समर्पण को दिखाता है। इस सीरीज का बाजार में बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है। यह साफ है कि रियलमी इस उद्योग में नयापन लाने के लिए तैयार है।

सोने-चांदी की कीमतों में फिर उछाल, सोना 70,980 के पार चांदी लगभग 81,620 रुपए

नई दिल्ली,08 अप्रैल ।

देश के बाजारों में इस सप्ताह सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही और दोनों के वायदा ने पिछले रिकॉर्ड तोड़ते हुए नये रिकॉर्ड बना लिए। घरेलू वायदा बाजार में पिछले सप्ताह सोना पहली बार 70 हजार रुपये पार कर गया था। सोने के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही है लेकिन बाद में इसके भाव बढकर 70,544 रुपये प्रति 10 ग्राम के सर्वोच्च भाव पर पहुंच गए।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रेक्ट 363 रुपये की तेजी के साथ 70,999 रुपये के भाव पर खुलकर 353 रुपये की तेजी के साथ 70,989 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के वायदा भाव का आज निचला स्तर 70,940 रुपये रहा। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत भी तेजी के साथ हुई और इसने रिकॉर्ड स्तर छू लिया। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई कॉन्ट्रेक्ट 732 रुपये की तेजी के साथ 81,595 रुपये के भाव पर खुलने के बाद 763 रुपये की तेजी के साथ 81,626 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा भाव की शुरुआत जरूर सुस्त रही। लेकिन शुरुआती सुस्ती के बाद इसके भाव बढ़कर रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गए। कॉमेक्स पर सोना 2,343.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,345.40 डॉलर था। फिलहाल यह 21.30 डॉलर की तेजी के साथ 2,366.70 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 27.55 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 27.50 डॉलर था। फिलहाल यह 0.59 डॉलर की तेजी के साथ 28.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

अर्टिगा एमपीवी सबसे ज्यादा बिकने वाली कार पिछले महीने अर्टिगा की 14,888 यूनिट बिकीं

नई दिल्ली,08 अप्रैल (एजेंसियां) ।

मारुति सुजुकी की अर्टिगा एमपीवी है जिसका 7-सीटर एमपीवी सेगमेंट में सबसे ज्यादा बिकने वाली कार है। पिछले महीने अर्टिगा की 14,888 यूनिट बिकीं, जबकि मार्च 2023 में ये आंकड़ा 9,028 यूनिट का था। यानी सालाना आधार पर अर्टिगा की 5,860 यूनिट ज्यादा बिकीं और इसे 65प्रतिशत की सालाना ग्रोथ मिली। मार्च की टॉप-10 कारों की लिस्ट में मारुति अर्टिगा और महिंद्रा स्कॉर्पियो ही दो ऐसे मॉडल हैं जिन्हें सालाना आधार पर सबसे ज्यादा ग्रोथ मिली। स्कॉर्पियो को 72 प्रतिशत तो वहीं अर्टिगा को 65प्रतिशत की सालाना ग्रोथ मिली। अर्टिगा की डिमांड का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि हर महीने इसे लगभग 14,000 ग्राहक मिल रहे हैं। इसके सामने बोलेरो, इनोवा, फॉर्च्यूनर जैसे मॉडल भी फेल हो रहे हैं। अगर मारुति अर्टिगा की पिछले 6 महीनों की सेल्स को देखें तो यह कार अक्टूबर 2023 में इसकी 14,209 यूनिट, नवंबर 2023 में 12,857 यूनिट, दिसंबर 2023 में 12,975 यूनिट, जनवरी 2024 में 14,632 यूनिट, फरवरी

2024 में 15,519 यूनिट और मार्च 2024 में 14,888 यूनिट बिकीं। यानी 6 महीने के दौरान इसकी कुल 85,080 यूनिट बिकीं। मारुति अर्टिगा में 1.5-लीटर के15सी स्मार्ट हाइब्रिड पेट्रोल इंजन मिलता है जो 102बीएचपी की अधिकतम पॉवर और 136.8 एनएम का टॉर्क पैदा करता है। इस इंजन के साथ 5-स्पीड मैनुअल और 6-स्पीड ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन दोनों विकल्प पेश किया जाता है। इसका सीएनजी वैरिएंट 5-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स में उपलब्ध है। सीएनजी मोड में यह कार 87बीएचपी की पॉवर और 121.5 एनएम का टॉर्क जनरेट करती है।

गोदरेज प्रॉपर्टीज ने तीन दिन के भीतर बेचे 3,000 करोड़ के घर, शेयरों ने पकड़ी तूफानी रफ्तार

नई दिल्ली,08 अप्रैल (एजेंसियां) ।

रियल एस्टेट डेवलपर गोदरेज प्रॉपर्टीज के सितारे इस वक्त बुलंदियों पर हैं। कंपनी के गुरुग्राम में सबसे बड़े रेजिडेंशियल डेवलपमेंट प्रोजेक्ट गोदरेज जेनिथ ने लॉन्च के तीन दिन के अंदर ही रिकॉर्ड 1,050 से अधिक घर बेचे हैं, जिनकी कुल कीमत 3,000 करोड़ रुपये से अधिक है। इसका असर उसके शेयरों पर हुआ, जिसमें जोरदार तेजी देखी जा रही है। गोदरेज का अब सबसे सफल लॉन्च गोदरेज प्रॉपर्टीज ने रेगुलेटरी फाइलिंग में बताया कि घरों की संख्या और बिक्री के मूल्य के लिहाज से यह उसका अब तक सबसे कामयाब लॉन्च है। गोदरेज प्रॉपर्टीज ने कहा, पिछले वित्त वर्ष में सालाना आधार पर गुरुग्राम में हमारी बिक्री 473 प्रतिशत बढ़ी है। मौजूदा वित्त वर्ष यानी 2024-25 में हम सेक्टर 103, सेक्टर 54 और सेक्टर 43 में बड़े प्रोजेक्ट लॉन्च करने वाले हैं, जिनसे कंपनी को काफी उम्मीदें हैं। बिक्री में गोदरेज का कोई जवाब नहीं गोदरेज प्रॉपर्टीज ने वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी यानी जनवरी-मार्च तिमाही में भी दमदार

बिक्री दर्ज की। इसने मुंबई के कांदिवली वाले अपने प्रोजेक्ट गोदरेज रिजर्व में 2,690 करोड़ रुपये के मकान बेचे। वहीं, गुरुग्राम के गोदरेज एरिस्टोक्रेट प्रोजेक्ट में कंपनी की 2,875 करोड़ रुपये से अधिक की इन्वेंट्री बिकी। इसने पिछले वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में भी नोएडा में अपने प्रोजेक्ट गोदरेज ट्रॉपिकल आइल में 2,000 करोड़ रुपये से अधिक के मकान बेचे थे। गोदरेज प्रॉपर्टीज ने क्या कहा गोदरेज प्रॉपर्टीज के एमडी और सीईओ गौरव पांडेय ने कहा, गुरुग्राम हमारे के लिए काफी अहम बाजार है। हम आगे भी इस शहर में अपनी जड़ों को और मजबूत करने की कोशिश करेंगे। गोदरेज प्रॉपर्टीज देश के मशहूर कारोबारी घराने गोदरेज ग्रुप का हिस्सा है। यह देश के सबसे रियल्टी डेवलपर्स में से एक है। इसका मुख्य फोकस मुंबई, दिल्ली-एनसीआर, पुणे और बेंगलुरु में रेजिडेंशियल प्रोजेक्ट्स पर रहा है। इसने हाल ही में हैदराबाद के मार्केट में भी एंट्री की है। गोदरेज प्रॉपर्टीज शेयर प्राइस गोदरेज प्रॉपर्टीज के रिकॉर्ड बिक्री के आंकड़ों से उत्साहित निवेशक कंपनी में जमकर निवेश कर रहे हैं। शुरुआती कारोबार में ही गोदरेज प्रॉपर्टीज का शेयर करीब 7 प्रतिशत उछलकर 2,700 रुपये के पार पहुंच गया। गोदरेज प्रॉपर्टीज ने पिछले 6 महीने में 64 और 1 साल में 118 प्रतिशत का रिटर्न दिया है।

खत्म नहीं हो रही विस्तारा की मुश्किल, कम की 10 प्रतिशत उड़ानें, घरेलू नेटवर्क पर ज्यादा असर

नई दिल्ली,08 अप्रैल (एजेंसियां) ।

कुछ दिनों से विस्तारा एयरलाइंस में पायलट्स की कमी का असर साफ तौर पर दिख रहा है। रविवार को विस्तारा ने कहा कि वह अपनी क्षमता में 10 प्रतिशत या लगभग 25-30 उड़ानें प्रतिदिन कम कर रही है। दरअसल विस्तारा एयरलाइंस पायलट्स की कमी से जूझ रही है और उड़ानों को स्थिर करने का प्रयास लगातार जारी है। बता दें कि विस्तारा एयरलाइंस को 31 मार्च से हर दिन 300 से अधिक उड़ानें संचालित करनी थीं। विस्तारा ने 10 प्रतिशत कम की उड़ानें विस्तारा का कहना है कि हम सावधानीपूर्वक प्रतिदिन लगभग 25-30 उड़ानों तक कम कर रहे हैं। यानी लगभग 10 प्रतिशत उड़ानें कम की जा रही हैं। एयरलाइन के एक प्रवक्ता ने कहा कि रोस्टरों में बहुत लचीलेपन और बफर देने करने की आवश्यकता है।

घरेलू नेटवर्क पर ज्यादा असर

रद्दीकरण का असर ज्यादातर घरेलू नेटवर्क में देखा जा रहा है। विस्तारा का कहना है कि ग्राहकों की असुविधा कम करने के लिए उन्हें समय से पहले ही सूचित किया जा रहा है। सभी प्रभावित यात्रियों को पहले ही अन्य उड़ानों में समायोजित कर दिया गया है। बता दें कि इस सप्ताह की

शुरुआत में कई पायलटों की तबीयत खराब होने के कारण कंपनी को बड़ी संख्या में उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। विस्तारा के सीईओ विनोद कन्नन ने कहा कि उड़ानें रद्द होने का मुख्य कारण बढ़ा हुआ रोस्टर है। बीते गुरुवार को विस्तारा एयरलाइंस के पायलट्स ने थकान की शिकायत की थी और इसका सीधा असर सुरक्षा पर पड़ता है। पायलट्स का कहना है कि वह अधिकतम फ्लाइट ड्यूटी की सीमा तक पहुंच गए हैं और थकान की वजह से वे जल्दी जल्दी बीमार हो रहे हैं। विस्तारा एयरलाइंस के कई पायलट बीमार बताए जा रहे हैं। वहीं कई एयर इंडिया के साथ विस्तारा के विलय के बाद लाए जाने वाले सैलरी स्ट्रक्चर से खुश नहीं हैं और इसका विरोध कर रहे हैं।

डीजीसीए की घटनाक्रम पर है नजर

डीजीसीए की भी इस पूरे मामले पर नजर है। यही वजह है कि डीजीसीए ने विस्तारा एयरलाइंस से बड़ी संख्या में फ्लाइट्स कैंसिल होने पर जवाब मांगा था। साथ ही डीजीसीए ने पायलट्स के विरोध को देखते हुए नए फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन नियमों को लागू करने पर फिलहाल रोक लगा दी है और इन पर और चर्चा करने को कहा है। नए नियम 1 जून से लागू होने थे।

प्रगनानंदा और वैशाली की शानदार जीत, टूर्नामेंट में एक साथ जीतने वाले पहली भाई-बहन की जोड़ी

टोरंटो,08 अप्रैल (एजेंसियां) ।

शतरंज की नई सनसनी आर प्रगनानंदा ने दूसरे दौर में डी गुकेश के हाथों मिली हार से उबरते हुए कैंडिडेट्स शतरंज के तीसरे दौर में साथी खिलाड़ी विदित गुजराती पर काले मोहरों से हैरतअंगेज जीत दर्ज की। विदित ने दूसरे दौर में खिताब के प्रबल दावेदार अमेरिका के हिकारू नाकामुरा को हराया था, लेकिन यहां उन्हें सफेद मोहरों से खेलने के बावजूद प्रगनानंदा की ओपनिंग के आगे 45वीं चाल में नतमस्तक होना पड़ा। यही नहीं महिला वर्ग में प्रगनानंदा की बहन आर वैशाली ने बुल्गारिया की अंतरराष्ट्रीय मास्टर नुरग्यूल सालिमोवा को पराजित किया। तीसरे दौर में सिर्फ इन्हीं दो बाजियों के परिणाम निकले बाकी सभी ड्रॉ रहीं। प्रगनानंदा और वैशाली कैंडिडेट्स में एक साथ जीतने वाली दुनिया की इकलौती भाई-बहन की जोड़ी बन गई।

गुकेश ड्रॉ के साथ संयुक्त बढ़त पर - डी गुकेश और रूस के इयन नेपोमनियाच्ची के बीच बाजी ड्रॉ रही। कोनेरू हंपी ने भी सफेद मोहरों से चीन की झोंगयी तान के खिलाफ आसान ड्रॉ खेला। फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा और शीर्ष वरीय अमेरिकी फैबियानो कारुआना के बीच भी मुकाबला ड्रॉ रहा। नाकामुरा और अजरबैजान के निजात एबोसोव ने भी ड्रॉ खेला। महिला वर्ग में चीन की ली टिंग जी और रूस की अलेक्जांद्रा गोर्याचकिना के अलावा रूस की कैटरीना लागनो और यूक्रेन की एना मुजीशुक के बीच बाजी ड्रॉ रही। पुरुष वर्ग में कारुआना, नेपोमनियाच्ची, गुकेश दो-दो अंक के साथ बढ़त पर हैं। प्रगनानंदा, गुजराती के डेढ़-डेढ़ और नाकामुरा, एबोसोव, फिरोजा का एक-एक अंक है। महिलाओं में झोंगयी तान दो अंक के साथ इकलौती बढ़त पर हैं। हंपी, वैशाली, गोर्याचकिना, लागनो का डेढ़-डेढ़ अंक है। ली, मुजीशुक, सालीमोवा का एक-एक अंक है।

प्रगनानंदा ने शिलमैन रक्षण से चौंकाया - गुजराती ने रूय लोपेज से शुरुआत की, लेकिन प्रगनानंदा ने सभी को हैरान करते हुए इस ओपनिंग के खिलाफ शिलमैन रक्षण को अपनाया। काले मोहरों से यह ओपनिंग शीर्ष स्तर के मुकाबलों आमतौर पर नहीं देखी जाती है।

न्यूज ब्रीफ

एथलेटिक बिलबाओ ने जीता 42वां कोपा डेल रे खिताबः स्पैनिश टूर्नामेंट के फाइनल में मलोर्का को पेनल्टी में 4-2 से हराया

नई दिल्ली । स्पैनिश क्लब एथलेटिन बिलबाओ ने 24वीं बार कोपा डेल रे खिताब जीता। 1984 के बाद से यह टीम का पहला खिताब है। टीम ने सेविया के मैदान पर मलोर्का को पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से हराया। एथलेटिक के गोलकीपर जुलेन एगिरेजबाला ने मैनुअल मोरलेन्स द्वारा पेनल्टी बचाई। जबकि मलोर्का के नेमांजा रेडोनजिक ने गोल पोस्ट से दूर शॉट लगाया। एथलेटिक की ओर से राउल गार्सिया, इकर मुनिएन, मिकेल वेस्गा, और एलेजांद्रो बेरेंगुएर ने पेनल्टी स्कोर की। सभी खिलाड़ी सब्सटिट्यूट थे। एथलेटिक ने अपना 23वां और आखिरी कोपा 1984 में जीता था। तब से वह 2020 और 2021 सहित लगातार छह फाइनल हार चुका है। इस साल जीतने के लिए, टीम ने पहले क्वार्टर फाइनल में बार्सिलोना और सेमीफाइनल में एटलेटिको मैड्रिड को हराया फुल टाइम तक स्कोर 1-1 फाइनल में फुल टाइम तक स्कोर 1-1 से बराबर रहा था। डानी रोड्रिग्ज ने 21वें मिनट में मैलोर्का को बढ़त दिलाई और एथलेटिक के ओइहान सेंसेट ने 50वें मिनट में स्कोर बराबरी पर ला दिया। एक्स्ट्रा टाइम तक स्कोर लाइन चेंज नहीं हुई और गेम पेनल्टी तक चला गया। स्पेन का सबसे पुराना डोमेस्टिक टूर्नामेंट है कोपा डेल रे कोपा डेल रे स्पैनिश फुटबॉल का डोमेस्टिक नॉकआउट टूर्नामेंट है। इसकी शुरुआत साल 1903 में हुई थी, इसलिए यह स्पेन का सबसे पुराना डोमेस्टिक टूर्नामेंट है। टूर्नामेंट स्पेन के सभी प्रोफेशनल क्लब को खेलने का मौका मिलता है। कुल 126 टीमों ने इस साल के टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था। कोपा डेल रे विजेता अगले सीजन के यूएफा यूरोपा लीग के लिए कोटा प्राप्त करता है। यदि वे अपनी लीग रैंकिंग से पहले ही यूरोप के लिए क्वालीफाई कर चुके हैं, तो यूरोपा लीग का स्थान फर्स्ट टियर लालीगा में सर्वोच्च स्थान वाली टीम को दिया जाता है, जिसने अभी तक क्वालीफाई नहीं किया है।

मयंक यादव की चोट गंभीर नहीं: क्रुणाल पंड्या बोले- मैने उनसे बातचीत की, वे ठीक हैं ; जीटी के खिलाफ एक ही ओवर फेंक सके पेसर

नई दिल्ली । इस सीजन आईपीएल की सबसे तेज गेंद फेंकने वाले लखनऊ सुपर जायंट्स के पेसर मयंक यादव चोटिल होकर मैदान से बाहर चले गए। लखनऊ में गुजरात टाइटंस के खिलाफ मयंक एक ओवर की फेंक सके। गुजरात टाइटंस की इनिंग्स में मयंक के इकलौते ओवर में 13 रन आए।

लखनऊ के ऑलराउंडर क्रुणाल पंड्या ने कहा, युवा तेज गेंदबाज मैदान से बाहर आने के बाद ठीक लग रहे थे। क्रुणाल मैच के बाद प्रेजेंटेशन सेरेमनी में बोले, मैंने मयंक के साथ बातचीत की और वह ठीक लग रहे थे, जो एक टीम के लिए पॉजीटिव बात है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मयंक पसली में खिचाव और चोट के कारण बाहर चले गए। इस सीजन मयंक इंडियन प्रीमियर लीग के इतिहास में करियर के पहले दो मैचों में लगातार दो प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीतने वाले पहले क्रिकेटर बने। इस सीजन मयंक ने 156.7 की स्पीड टच की मयंक ने इस सीजन पंजाब किंग्स के खिलाफ आईपीएल में डेब्यू किया और 150 किमी प्रति घंटे की स्पीड को आसानी से पार कर लिया। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ अपने दूसरे आईपीएल मैच में, उन्होंने 14 रन देकर तीन विकेट लिए और 156.7 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी भी की, जो इस सीजन की सबसे तेज गेंद है।

पेरिस ओलंपिक में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहते हैं भाला फेंक खिलाड़ी जेना

नई दिल्ली । भाला फेंक खिलाड़ी किशोर जेना का लक्ष्य आगामी पेरिस ओलंपिक में अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है। जेना ने पिछले साल अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 78.05 मीटर से बढ़ाकर 87.54 मीटर किया था जिससे उनका मनोबल बढ़ा हुआ है। वह 10 मई को डायमंड लीग के दोहा चरण से अपने सत्र की शुरुआत करेंगे। वह 28 मई को ओस्ट्रावा, चेक गणराज्य में गोल्डन स्पाइक और सात जुलाई को डायमंड लीग के पेरिस चरण में भाग लेंगे। इस खिलाड़ी ने कहा कि डायमंड में बेहतर प्रदर्शन पर उनकी नजरें इसलिए लगी हुई हैं क्योंकि इससे मनोबल बढ़ता है। इस खिलाड़ी ने साथ ही कहा कि आजकली देश में सभी प्रकार की सहायता एथलीटों को मिल रही है। जेना ने कहा, देश में अब खिलाड़ियों को सभी सुविधाएं मिल रही हैं। अब सफलता के लिए केवल उन्हें अपने पर भरोसा रखना होगा। जेना का मानना है कि भारतीय खिलाड़ियों को अपनी विचार धारा में सुधार करना होगा। उन्हें ये समझना होगा कि वे किसे से भी पीछे नहीं हैं। जेना का मानना है कि भारतीय खिलाड़ियों को यह सोचने की जरूरत है कि वे किसी ने कम नहीं है क्योंकि देश में एथलीटों के लिए अभी पर्याप्त सुविधाएं हैं।

सीएसके ने केकेआर के खिलाफ चेपॉक पर बनाए रखा अपना दबदबा, लय बरकरार नहीं रख सका कोलकाता

चेन्नई, 08 अप्रैल (एजेंसियां)।

चेन्नई सुपर किंग्स ने रवींद्र जडेजा और तुषार देशपांडे की शानदार गेंदबाजी के बाद कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ की बेहतरीन 58 गेंदों पर नौ चौकों की मदद से खेली नाबाद 67 रन की पारी के दम पर कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को सात विकेट से हराया। लगातार दो मैचों में हार के बाद चेन्नई अपने होम ग्राउंड पर जीत की पटरी पर लौटा, जबकि केकेआर को इस सीजन अपनी पहली हार का सामना करना पड़ा। केकेआर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में नौ विकेट पर 139 रन बनाए थे। जवाब में चेन्नई ने 17.4 ओवर में तीन विकेट पर 141 रन बनाकर मैच अपने नाम किया। पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स को उसके घरेलू मैदान चेपॉक स्टेडियम पर हराना किसी भी टीम के लिए आसान बात नहीं है, लेकिन जब बात केकेआर की हो तो दो बार की विजेता इस टीम के लिए सीएसके को उसके होम ग्राउंड पर हराना काफी कठिन रहा है। आंकड़ों को देखें तो केकेआर ने आईपीएल में चेपॉक स्टेडियम पर कुल 14 मैच खेले हैं और उसे 10 मैच में हार का सामना करना पड़ा है, जबकि सिर्फ चार मैच में टीम को सफलता मिली है। वहीं चेन्नई ने इस स्टेडियम पर केकेआर के खिलाफ कुल 11 आईपीएल के मुकाबले खेले हैं और उसने नौ मैच जीते हैं। चेन्नई ने इस मैच को एकतरफा अंदाज में जीतकर एक बार फिर केकेआर के खिलाफ अपने होम ग्राउंड पर दबदबा बनाए रखा है। चेन्नई की टीम इस जीत के बाद पांच मैचों में तीन जीत और दो हार के साथ छह अंक लेकर अंक तालिका में चौथे स्थान पर है। हालांकि इस हार के बावजूद कोलकाता की टीम छह अंक लेकर दूसरे स्थान पर मौजूद है। पहले नंबर पर राजस्थान रॉयल्स की टीम है जिसने चार मैचों में सभी चार मुकाबले जीते हैं और आठ अंक लेकर शीर्ष पर बनी हुई है। अब राजथान की टीम टूर्नामेंट की एकमात्र टीम है जिसने अबतक एक भी मैच नहीं गंवाया है।

केकेआर के बल्लेबाज जहां इस मैच में रन बनाने के लिए संघर्ष करते नजर आए, वहीं ऋतुराज ने कप्तानी पारी खेलते हुए चेन्नई को जीत दिलाई। चेन्नई ने अपने शुरुआती दो मैच जीते थे, लेकिन उसे पिछले दो मैचों में हार का सामना करना पड़ा था। इससे ऋतुराज की कप्तानी पर सवाल उठे रहे थे, लेकिन उन्होंने इस मैच में बेहतरीन प्रदर्शन कर अपने आलोचकों को जवाब दिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए सीएसके ने रचिन रवींद्र के रूप में जल्द ही पहला विकेट गंवा दिया था। रचिन 15 रन बनाकर वैभव अरोड़ा का शिकार बने। इसके बाद ऋतुराज ने डेरिल मिचेल के साथ मिलकर पारी को आगे बढ़ाया और दोनों बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। ऋतुराज और डेरिल ने दूसरे विकेट के लिए 70 रनों की साझेदारी की और जीत की नींव रखी। डेरिल को हालांकि सुनील नरेन ने बोल्ड किया जो 25 रन बनाकर आउट हुए। फिर शिवम दुबे ने तेजी से रन बनाए, लेकिन वैभव ने उन्हें आउट कर मैच का अपना दूसरा विकेट लिया। शिवम ने 18 गेंदों पर एक चौका और तीन छक्के की मदद से 28 रनों की पारी खेली। इसके बाद मैदान पर पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी उतरे और चेपॉक स्टेडियम में दर्शकों ने उनका जोरदार स्वागत किया। धोनी एक रन बनाकर नाबाद लौटे और गायकवाड़ ने सीएसके के लिए विजयी चौका लगाया। इससे पहले, सीएसके ने टॉस जीतकर केकेआर को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया और तेज गेंदबाज तुषार देशपांडे ने कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ के फैसले को सही साबित किया। उन्होंने केकेआर के सलामी बल्लेबाज फिल सॉल्ट को पहली ही गेंद पर आउट कर टीम को शुरुआती सफलता दिलाई। सॉल्ट मैच की पहली गेंद पर आउट होने वाले केकेआर के पांचवें बल्लेबाज बने। उनसे पहले ब्रेंडन मैकुलम, मनोज तिवारी, जैक कैलिस और जो डेनली केकेआर के लिए पहली ही गेंद पर आउट होने वाले बल्लेबाज थे।

भारतीय टेनिस स्टार सुमित नागल ने रचा इतिहास, ऐसा करने वाले 42 वर्ष में पहले भारतीय बने

मोंटे कार्लो,08 अप्रैल ।

भारत के टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल ने एक और इतिहास रचते हुए क्ले कोर्ट पर खेले जाने वाले मोंटे कार्लो मास्टर्स के मुख्य दौर में प्रवेश कर लिया है। वह इस टूर्नामेंट के मुख्य दौर में पहुंचने वाले 42 वर्ष में पहले भारतीय हैं। इससे पहले इस टूर्नामेंट के मुख्य दौर में खेलने वाले रमेश कृष्णन अंतिम भारतीय थे। वह यहां 1982 में खेले थे, लेकिन उन्हें पहले दौर में ही हार का सामना करना पड़ा था।

एक सेट गंवाकर की वापसी

विश्व नंबर 95 सुमित ने क्वालिफाइंग दौर के फाइनल में विश्व नंबर 55 अर्जेंटीना के डियाज अकोस्टा को 7-5, 2-6, 6-2 से परास्त कर मुख्य दौर में प्रवेश किया। नागल की शुरुआत अच्छी नहीं रही। वह पहले सेट में एक समय 2-5 से पिछड़ रहे थे, लेकिन उन्होंने जबरदस्त वापसी करते हुए बाकी सभी गेम जीत 7-5 से यह सेट अपने नाम किया। दूसरा सेट गंवाने के बाद वह निर्णायक सेट में फिर लय में आए और जीत हासिल कर ली। वह मुख्य ड्रॉ के पहले पहले दौर में दुनिया के 35वें नंबर के खिलाड़ी इटली के माटियो अर्नाल्डी से भिड़ेंगे।

अपनी उपलब्धि से रोमांचित हुए नागल

नागल अपनी इस उपलब्धि से काफी रोमांचित हुए। उन्होंने अपनी जीत के बाद एक्स पर पोस्ट डाल लिखा, मोंटे कार्लो के मुख्य ड्रॉ में जगह बनाकर रोमांचित हूं। मैं भारत और दुनिया भर से मिले समर्थन और शुभकामनाओं की सराहना करता हूं। अब अगले मैच का इंतजार नहीं कर पा रहा हूं। पहली बार ऑस्ट्रेलियन ओपन के दूसरे दौर में पहुंचे थे नागल नागल ने इस साल की शुरुआत में वर्ष के पहले ग्रैंडस्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन के दौरान भी इतिहास रचा था। वह ऑस्ट्रेलियन ओपन के पहले दौर से पहली बार आगे बढ़ पाए थे। 2021 में भारतीय स्टार को शुरुआती दौर में लिथुआनिया के रिकार्डस बेरांकिस के हाथों 2-6, 5-7, 3-6 से हार का सामना करना पड़ा। हालांकि, नागल पहले भी किसी ग्रैंडस्लैम इवेंट के दूसरे दौर में खेल चुके हैं। नागल ने 2020 यूएस ओपन में ऐसा किया था, जहां वह दूसरी वरीयता प्राप्त डोमिनिक थिएम से 6-3, 6-3, 6-2 से हार गए थे।

एशियाई ओलंपिक क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट से पहले अभ्यास के लिए तुर्की जाएंगे लवलीना सहित चार मुक्केबाज

नई दिल्ली,08 अप्रैल (एजेंसियां) ।

एशियाई ओलंपिक क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट से पहले अभ्यास के लिए मुक्केबाज निकहत, प्रीति पवार, प्रवीण हुडा और लवलीना बोर्गोहेन तुर्की जाएंगे। इस दौरान इन मुक्केबाजों के साथ इनके कोच भी रहेंगे। वहीं पहलवान सुजीत 65 किग्रा, दीपक पूनिया 86 किग्रा और नवीन 74 किग्रा इस माह रूस जाएंगे। इन सभी खिलाड़ियों को खेल मंत्रालय के ओलंपिक पोडियम कार्यक्रम (टॉप्स) कार्यक्रम के तहत भेजा जा रहा है। इसमें पूरा खर्च खेल मंत्रालय उठाता है।

इससे पहले खेल मंत्रालय ने इन सभी के विदेश में अभ्यास करने के लिए वित्तीय सहायता के आग्रह को स्वीकर कर लिया था। इस योजना का लाभ एथलीट मुरली श्रीशंकर, टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा और शॉटगन निशानेबाज भवानीश मेंदीरता सहित कई अन्य खिलाड़ियों का भी मिलेगा।

पेरिस ओलंपिक का कोटा हासिल करने वाले शॉटगन निशानेबाज मेंदीरत्ता बाकू में होने वाले आईएसएसएफ विश्व कप के लिए अपने निजी कोच डेनियल डि स्पिग्नो के साथ अभ्यास के लिए इटली जाएंगे, जबकि एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों के पदक विजेता श्रीशंकर सुजोउ दोहा में डायमंड लीग में शामिली होंगे। खेल मंत्रालय ने इसके अलावा तीन अन्य निशानेबाजों अनंतजीत सिंह नरुका और रायज़ा ढिल्लों (स्कीट) और राजेश्वरी कुमारी (ट्रैप)तथा पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी पलक कोहली को भी टॉप्स योजना में शामिल किया है। अब इनको भी अभ्यास के लिए मंत्रालय से सभी सहायता मिलेगी। टॉप्स योजना में उन्हीं खिलाड़ियों को शामिल किया जाता है जिनसे पदक की उम्मीद रहती है।

शुभमन ने हार के लिए खराब बल्लेबाजी को जिम्मेदार बताया

लखनऊ,08 अप्रैल (एजेंसियां) ।

गुजरात टाइटन्स को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के हाथों 33 रनों से हार का सामना करना पड़ा है। इसपर गुजरात के कप्तान शुभमन गिल ने बल्लेबाजों को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि उन्हें बेहतर प्रदर्शन करना होगा। गुजरात ने सत्र की शुरुआत जीत के साथ की थी पर इसके बाद उसका अभियान पटरी से उतर गया। शुभमन ने कहा कि ये विकेट बल्लेबाजी के लिए अच्छा था।

इस मैच में ऑल राउंडर मार्कस स्टोइनिस के अर्धशतक 58 रनों के बाद यश ठाकुर के पांच विकेट से लखनऊ ने लगातार तीसरा मुकाबला जीता। यह लखनऊ की गुजरात टाइटन्स पर पहली जीत है। शुभमन ने मैच के बाद कहा, ''मुझे लगता है कि विकेट बल्लेबाजी के लिए अच्छा था पर हमारी बल्लेबाजी कमजोर रही। हमने अच्छी शुरूआत की लेकिन बीच के ओवरों में विकेट गिरने से हम उबर नहीं पाये। उन्होंने अपने गेंदबाजों के प्रदर्शन की प्रशंसा करते हुए कहा, ''हमारे गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए लखनऊ को कम स्कोर पर रोक दिया। इसके बाद हमें जो लक्ष्य मिला वह हासिल किया जा सकता था पर हमारे बल्लेबाज विफल रहे। '' लखनऊ ने स्टोइनिस के अर्धशतक के बाद निकोलस पूरन की नाबाद 32 रन की पारी से पांच विकेट पर 163 रन बनाये। इसके बाद गुजरात टाइटन्स ने अच्छी शुरुआत की और पहले विकेट के लिए 54 रन बनाये लेकिन इसके बाद उसके विकेट लगातार गिरने लगे जिससे टीम 18.5 ओवर में 130 रनों पर ही आउट हो गयी।

सोफी मोलिनक्स ने 2024/2025 के लिए 17-खिलाड़ियों के समूह के हिस्से के रूप में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया का केंद्रीय अनुबंध अर्जित किया

सिडनी,08 अप्रैल (एजेंसियां) ।

एक मजबूत अंतरराष्ट्रीय वापसी पर, स्पिन-गेंदबाजी ऑलराउंडर सोफी मोलिनक्स ने 2024/2025 के लिए 17-खिलाड़ियों के समूह के हिस्से के रूप में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया का केंद्रीय अनुबंध अर्जित किया है। आईसीसी के अनुसार, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने सूची की घोषणा की, जिसमें अनुबंध अवधि में बांग्लादेश में टी20 विश्व कप और घरेलू धरती पर बहुप्रतीक्षित बहु-प्रारूप एशेज श्रृंखला शामिल है। 26 वर्षीय को 21 मार्च से 4 अप्रैल तक आयोजित ऑस्ट्रेलिया के बांग्लादेश दौरे के दौरान अपग्रेड किया गया था और नए अनुबंध अवधि के लिए अपना स्थान बरकरार रखा था, जबकि मेग लैनिंग पिछले साल नवंबर में अपनी अंतरराष्ट्रीय सेवानिवृत्ति के बाद सूची से बाहर हो गईं। श्रृंखला के दौरान, मोलिनक्स ने दो एकदिवसीय मैचों में पांच विकेट और तीन टी20ई में छह विकेट लिए। सोफी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) महिला प्रीमियर लीग (आईपीएल) की जीत का भी हिस्सा थीं, उन्होंने 10 मैचों में 12 विकेट लिए, जिसमें फाइनल में तीन विकेट भी शामिल थे और कुछ मूल्यवान रन भी बनाए। इस सब से पहले, सोफी ने 2021 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की थी।

घोषणा पर, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के प्रदर्शन प्रमुख और राष्ट्रीय चयनकर्ता शॉन फ्लेगलर ने चोटों से उबरने के बाद ऑस्ट्रेलियाई एकादश में जगह बनाए रखने के लिए मोलिनक्स की लड़ाई और देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए तैयार खेल समूह की गहराई की प्रशंसा की। आईसीसी के हवाले से फ्लेगलर ने कहा, इस गर्मी में टीम में सफल वापसी के बाद सोफ (मोलिनेक्स) को अनुबंध की पेशकश करने में सक्षम होने पर हमें खुशी है। उसने पूरी फिटनेस हासिल करने के लिए काफी लचीलापन दिखाया है और वह अगली गर्मियों में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

उन्होंने निष्कर्ष निकाला, हमें लगता है कि सूची में काफी गहराई और विभिन्न प्रकार के कौशल शामिल हैं जो 2024-25 के लिए निर्धारित विभिन्न श्रृंखलाओं में काम आएंगे, जिसमें टी20 विश्व कप और बहु-प्रारूप एशेज श्रृंखला भी शामिल है। इस साल सितंबर से अक्टूबर तक आगामी टी20 विश्व कप की मेजबानी करने वाले बांग्लादेश के अपने सफल दौरे से लौटने के बाद, ऑस्ट्रेलियाई टीम वैश्विक टूर्नामेंट की तैयारी के लिए मई से तैयारी प्रशिक्षण शिविर शुरू करेगी और शुरुआत में तीन टी20ई के लिए न्यूजीलैंड की मेजबानी करेगी। सितम्बर। टी20 विश्व कप के बाद, ऑस्ट्रेलिया 12 जनवरी से पुराने दुश्मन इंग्लैंड के खिलाफ एशेज श्रृंखला से पहले, तीन-तीन वनडे मैचों के लिए भारत और न्यूजीलैंड की मेजबानी करेगा। जिन खिलाड़ियों को शुरुआती 17 के हिस्से के रूप में अनुबंध नहीं दिया गया है, वे अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में प्रदर्शित होने के बाद अर्जित अपग्रेड अंक अर्जित करके पूरे वर्ष अनुबंध अर्जित कर सकते हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया द्वारा अनुबंधित महिला खिलाड़ी 2024-25: डार्सी ब्राउन, एशले गार्डनर, किम गर्थ, हीथर ग्राहम, ग्रेस हैरिस, एलिसा हीली, जेसिका जोनासेन, अलाना किंग, फोएबे लिचफील्ड, ताहलिया मैकग्राथ, सोफी मोलिनेक्स, बेथ मूनी, एलिसे पेरी, मेगन शुट्ट , एनाबेल सदरलैंड, तायला व्लामिन्क, जॉर्जिया वेयरहम।

गलत तथ्यों को रोकेंगे, ट्रस्ट में हिंदू प्रार्थना न किए जाने के आरोप पर बोलीं इला गांधी

जोहान्सबर्ग ।
फीनिक्स सेटलमेंट ट्रस्ट ने फीनिक्स सेटलमेंट में आयोजित एक अंतरधार्मिक बैठक में जानबूझकर हिंदू प्रार्थनाओं को छोड़ दिए जाने के आरोप के बाद महात्मा गांधी की पोती इला गांधी ने कहा कि नफरत, दुश्मनी और हिंसा किसी भी धार्मिक शिक्षा का हिस्सा नहीं है। जो लोग धर्म के नाम पर इन्हें बढ़ावा देते है, वे खुरापाती दिमान के चलते गलत व्याख्या कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आइए विभाजन और नफरत की ताकतों का विरोध करें।

सभी धर्मग्रंथ दयालु इंसान बनाना सिखाती है- इला गांधी

सोशल मीडिया पोस्ट्स के जवाब में उन्होंने कहा कि हमारे सभी विश्वास और हमारे धर्मग्रंथ हमें अच्छे, दयालु और प्रेमपूर्ण इंसान बनने के लिए मार्गदर्शन करते हैं। घृणा, शत्रुता और हिंसा हमारी आवश्यक धार्मिक शिक्षाओं का हिस्सा नहीं हैं।

इस तरह के कदम हिंदू और मुस्लिम समुदायों के बीच विभाजन पैदा करने और गांधीजी और मुझे हिंदू समुदाय से अलग करने का एक प्रयास थे।

हमें इन शरारतों को रोकना होगा- इला गांधी

इला ने सासाहिक पोस्ट में एक खुले पत्र के जरिए कहा कि तथ्यों को सार्वजनिक रूप से बताना जरूरी है ताकि जिस शरारत की कोशिश की जा रही, उसे अभी रोका जा सके। इला ने चार हिंदू संगठनों को निमंत्रण का हवाला देते हुए कहा, स्पष्ट करने के लिए, मैंने कई हिंदुओं को व्यक्तिगत रूप से और कई हिंदू आस्था नेताओं को सामूहिक रूप से इस समारोह में हिंदू प्रार्थना करने के लिए आमंत्रित किया था।

120 वर्षों में किसी ने नहीं उठाए थे ऐसे सवाल- इला गांधी

उन्होंने कहा कि खास बात यह है कि आज तक फीनिक्स सेटलमेंट के अस्तित्व के 120 वर्षों में किसी ने भी हम पर जानबूझकर एक संप्रदाय को छोड़ने का आरोप नहीं लगाया है, जैसा कि वर्तमान समय में लाया जा रहा है। गौरतलब है कि इला गांधी दक्षिण अफ्रीकी में शांति कार्यकर्ता और अध्यक्ष है। डरबन में फीनिक्स सेटलमेंट ट्रस्ट अपने दक्षिण अफ्रीका प्रवास के दौरान महात्मा गांधी ने शुरू किया था।

न्यूज़ ब्रीफ

प्रिंस एंड्रयू से क्यों नाराज हुए पार्क में बैठे लोग विंडसर क्राउस एस्टेट की घटना पर कही यह बात

लंदन । विंडसर में क्राउन एस्टेट में अजीबोगरीब घटना घटी, इस दौरान लोगों ने प्रिंस एंड्रयू को एक कुत्ते के ऊपर से अपनी गाड़ी चलाते हुए देखा, जिसको देखकर वहां लोग हैरान हो गए, हालांकि इस दौरान कुत्ते को चोट नहीं आई। आईये समझते है पूरा मामला.. कुत्ता के ऊपर से प्रिंस एंड्रयू ने निकाली गाड़ी विंडसर में क्राउस एस्टेट के लॉन्ग वॉक के दौरान एक गाड़ी अचानक वहां घूम रहे कुत्ते के ऊपर से निकल गई, जिसे देख कुत्ते का मालिक सहम गया। खास बात है कि गाड़ी कोई आम आदमी नहीं बल्कि प्रिंस एंड्रयू चला रहे थे। लोगों की प्रतिक्रियाओं को देख उनके अंगरक्षकों ने उन्हें घटना के बारे में बताया। बिना नुकसान के उन्होंने गाड़ी रोकी। देखा कुत्ते का मालिक दौड़ा-दौड़ा उनकी गाड़ी के करीब आया, अचानक झुककर उसने अपने कुत्ते को गोद में लिया। जिसे देख प्रिंस एंड्रयू हंसने लगे। जब उनके अंगरक्षकों ने उन्हें पूरी घटना के बारे में बताया तो वे शर्मिंदा दिखाई दिए। मुझे कुत्ता दिखा ही नहीं- प्रिस एंड्रयू प्रिस एंड्रयू ने कहा कि गाड़ी चलाने के दौरान उन्हें कुत्ता नहीं दिखा। जिसके कारण उन्हें पता नहीं चला कि क्या हुआ। हालांकि अंगरक्षकों ने उन्हें पूरी घटना के बारे में बताया है। घटना की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने तुरंत वहां मौजूद लोगों से माफी मांगी। गनीमत की बात है कि कुत्ता को घटना के दौरान कोई नुकसान नहीं हुआ। रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक प्रत्यक्षदर्शी ने कहा कि बारिश की वजह से पार्क में काफी लोग थे। प्रत्यक्षदर्शी ने कहा कि लॉन्ग वॉक पर गर्म मौसम का आनंद लेने बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे। इस दौरान एंड्रयू के अंगरक्षक ने लोगों को हटने के लिए कहा। जब लोगों ने देखा की गाड़ी प्रिंस एंड्रयू चला रहे है, तो हर कोई हंस रहा था।

यूरोप के सबसे बड़े परमाणु प्लांट पर हमला, रूस-यूक्रेन टकराव में नया मोड़; आईएईए ने कहा- खतरा बढ़ा

मॉस्को । रूस और यूक्रेन के बीच 24 फरवरी, 2022 को शुरू हुआ हिंसक संघर्ष दो साल से अधिक समय बीतने के बाद भी थमने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा घटनाक्रम में रूस ने दावा किया है कि यूक्रेन ने जेपोरिझाझिया परमाणु प्लांट पर ड्रोन से हमला किया है। अंतरराष्ट्रीय एटॉमिक एनर्जी एजेंसी ने इस हमले को बेहद घातक बताते हुए परमाणु केंद्र के समीप ड्रोन से हमले को खतरनाक कृत्य करार दिया। इस घटनाक्रम के बाद दोनों देशों के बीच तल्खी और बढ़ने की आशंका है। बता दें कि हाल ही में व्लादिमीर पुतिन एक बार फिर रूसी राष्ट्रपति चुने गए हैं। दूसरी तरफ राष्ट्रपति जेलेंस्की भी रूस के साथ हिंसक संघर्ष का डटकर मुकाबला कर रहे हैं। इस बीच, संयंत्र के रूसी प्रशासन ने कहा कि अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है कि किस हथियार के जरिए हमला किया गया था। हालांकि रूसी स्वामित्व वाली परमाणु एजेंसी रोसाटॉम ने कहा कि यह परमाणु संयंत्र पर एक ड्रोन हमला था, जिसे 2022 में यूक्रेन पर पूर्ण पैमाने पर आक्रमण के तुरंत बाद रूसी सेना ने अपने कब्जे में ले लिया था। संयंत्र के अधिकारियों के अनुसार, विकिरण का स्तर सामान्य था और हमले के बाद कोई महत्वपूर्ण क्षति नहीं हुई। आईएईए के महानिदेशक राफेल ग्रॉसी ने दोनों पक्षों को परमाणु सुरक्षा को खतरे में डालने वाले कार्यों से परहेज करने की चेतावनी दी है।

अमेरिकी सांसद बर्नी सैंडर्स के कार्यालय के दरवाजे में लगाई गई आग, पुलिस की गिरफ्त में आरोपी

वॉशिंगटन । सोघोमोनियम ने कई मंजिलों पर तत्व का छिड़काव करते हुए सीढ़ियों के माध्यम से बाहर

चले गए। इस दौरान कार्यालय में कई लोग मौजूद थे, लेकिन किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं दी गई है। हालांकि, आग के कारण कार्यालय के दरवाजे क्षतिग्रस्त हो गए। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं किया जा रहा है कि सोघोमोनियन के पास कोई वकील था या नहीं। बर्नी सैंडर्स लंबे समय से अमेरिकी संसद में पूर्वोत्तर राज्य वर्मोंट का प्रतिनिधित्व करने वाले निर्दलीय सदस्य हैं। उन्होंने 2016 और 2020 में डेमोक्रेटिक पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बनने की बहुत कोशिश की थी।

कुछ नहीं बचा, सिर्फ मौत दिखाई दे रही थी, इजराइली सेना की वापसी के बाद खान यूनिस शहर लौटे फलस्तीनी

जेरूसलम।
पिछले साल सात अक्तूबर को गाजा स्थित हमास आतंकी संगठन हमास ने इजराइल पर पांच हजार रॉकेट दागे थे, जिसके बाद जवाबी कार्रवाई में इजराइली ने आतंकी समूह के ठिकानों को निशाना बनाया। इस घटना को तकरीबन सात महीनें बीत जाने के बाद गाजा की सूरत ही बदल गई। हमास-इजराइल युद्ध से पहले दक्षिणी गाजा में लगभग चार लाख लोग रहते है, लेकिन अब वहां मलबों का ढेर दिखाई दे रहा है। दक्षिणी गाजा में रहने वाली महा थायर ने कहा कि अब हमारे पास कोई शहर नहीं है।

इजराइली सेना शहर खान यूनिस से वापस लौटीं

इजराइली सैनिकों की वापसी के बाद कुछ फलस्तीनी दक्षिणी गाजा में लौट आए हैं। उन्हीं में से वहां रहने वाली महा थायर भी है। 38 वर्षीय महा थायर ने बताया कि युद्ध ने पूरे शहर की तस्वीर ही बदल दी। जब मैं यहां पहुंची तो अब हमारे पास कोई शहर नहीं बल्कि सिर्फ मलबे का ढेर है। वहां कुछ भी नहीं बचा है। जब मैं पुरानी यादें के बारे में सोचती हूं तो मुझे रोना आता है। सड़कों से गुजरते हुए मैं खुद को रोने से नहीं रोक पाती हूं।

अब कोई शहर नहीं बचा, सिर्फ गंध आ रही- थायर

एक अंतरराष्ट्रीय मीडिया एजेंसी को दिए साक्षात्कार में खान यूनिस की रहने वाली महा थायर ने कहा कि उस शहर में अब लाशों की गंध आ रही है। मलबों के ढेर के अलावा वहां कुछ नहीं है सिर्फ मौत दिखाई दे रही थी। गौरतलब है कि रविवार को खान यूनिस से इजराइली सैनिकों की वापसी के बाद थायर दक्षिणी गाजा शहर में लौटीं थी। हमास और इजराइल के युद्ध में थायर का घर तबाह हो गया। चार बच्चों की मां महा थायर ने कहा कि सभी सड़कों पर बुलडोजर चला दिया गया है। यहां अजीब सी गंध आ रही है। मैंने लोगों को खुदाई करते और शवों को बाहर निकालते देखा है।

तंबू लगाने से बेहतर है टूटे घर में ही रहना- थायर

जैसे ही इजराइली सेना ने कहा कि वह खान यूनिस से वापस लौट रही है, तो वहां रहने वाले लोग अपने घरों के देखने ले उमड़े। हालांकि कुछ के घर वहां पूरी तरह से तबाह हो गए। कुछ के घर आंशिक रूप से नष्ट हुए थे। खान यूनिस के पश्चिम में पॉश हमाद सिटी जिले की थायर ने कहा कि वह बहुत हैरान और दुखी थी। वहां कोई दीवार या खिड़कियां नहीं थी। ज्यादातर आवासीय टावर पूरी तरह से उखड़ गए। थायर ने कहा कि भले ही मेरा घर तबाह हो गया। भले ही यह रहने के लिए उपयुक्त न हो, लेकिन यह तंबू लगाने से बेहतर है। वे उस टूटे घर में ही रहने लगी हैं। रोते हुए महा थायरा ने कहा कि मेरे पड़ोसियों का घर टूट गया है। समझ नहीं आ रहा है वे कहां रहेंगे। चारों ओर सब कुछ खंडहर होने के साथ, तस्वीरों में आदमी टूटे हुए कंक्रीट और नालीदार लोहे की छत के बीच खड़ा दिखाई दे रहा है।

एल्फ्रेड टिनिसवुड हैं दुनिया के सबसे उम्रदराज पुरुष, देख चुके हैं दोनों विश्वयुद्ध

लंदन ।
ब्रिटेन के रहने वाले जॉन एल्फ्रेड टिनिसवुड दुनिया के सबसे उम्रदराज पुरुष हैं। उनका नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी दर्ज है। टिनिसवुड का जन्म 26 अगस्त, 1912 को लिवरपूल में हुआ था। टिनिसवुड ने अपनी आंखों के सामने दो विश्व युद्ध देखे।

सिर्फ इतना ही नहीं, बल्कि वह द्वितीय विश्व युद्ध के समय ब्रिटिश आर्मी के पे कॉर्प्स में भी थे। टिनिसवुड ने एक साक्षात्कार में बताया कि मेरी लंबी उम्र का राज लक, संयम और हर मछली-चिप्स खाना है। स्वस्थ जीवन का सबसे बड़ा राज संयम है। उन्होंने कहा कि मैं कभी सिगरेट नहीं पीता। हालांकि, कभी कभार ही शराब पी लेता हूं, लेकिन उसकी आदत नहीं बनाता। इसके अलावा बस हफ्ते में एक बार मछली-चिप्स खाता हूं।

टिनिसवुड ने कहा, हालांकि ये सब भाग्य का खेल है। महिलाओं में सबसे ज्यादा उम्र तक जीवित रहने का रिकॉर्ड स्पेन की मारिया ब्रानयास मोरेरा के पास है, जिनकी उम्र अभी 117 वर्ष है।

दुनिया का सबसे उम्रदराज शख्स होने का रिकॉर्ड जॉन एल्फ्रेड से पहले दक्षिण अमेरिका के देश वेनेजुएला के रहने वाले जुआन विसेंट पेरेज के पास था। हालांकि, इसी महीने उनकी 114 साल की उम्र में मौत हो गई। बता दें कि दुनिया के सबसे ज्यादा बुजुर्ग इंसान की लिस्ट में पेरेज के बाद दूसरे नंबर पर जापान के गिसाबूरो सोनोबे थे, जिनका 112 साल की उम्र में (31 मार्च, 2024) निधन हो गया। इस तरह ब्रिटेन के जॉन एल्फ्रेड टिनिसवुड अब दुनिया के सबसे बुजुर्ग शख्स बन चुके हैं।

पेरिस के अपार्टमेंट में विस्फोट के बाद भीषण आग, अब तक तीन लोगों की मौत; मामले की जांच के लिए टीम गठित

पेरिस ।
पेरिस में एक आठ मंजिला अपार्टमेंट में विस्फोट के बाद आग लगने से तीन लोगों की मौत हो गई। यह विस्फोट हुआ। हालांकि, विस्फोट के कारणों का अभी तक खुलासा नहीं हो पाया है।

विस्फोट के कारणों का नहीं चला पता

यह इमारत पेरिस के एरॉन्डिसमेंट में स्थित है। प्राथमिकी जांच के अनुसार, रू डी कैरोन की सातवीं मंजिल पर आग लगने से पहले एक विस्फोट हुआ। 11वें एरॉन्डिसमेंट के डिप्टी मेयर लुक लेबन ने कहा, पड़ोसियों को समझ नहीं आया कि यह विस्फोट कैसे हुआ, क्योंकि इमारत में गैस है ही नहीं।

इस मामले की जांच आग या नुकसान पहुंचाने और जान से मारने के पहलु से भी की जा रही है। विस्फोट के कारणों का पता लगाने के लिए राजधानी के दूसरे न्यायिक पुलिस जिले के जासूसों को नियुक्त किया गया है। विस्फोट के बाद आसपास के इमारतों में रहने वालों को घरों से बाहर निकाला गया। बाद में वे सुरक्षापूर्वक अपने घरों में वापस लौट आए। फिलहाल इस मामले की जांच जारी है। बता दें कि पिछले कुछ वर्षों में यह तीसरी बार है, जब फ्रांस की राजधानी में ऐसा विस्फोट हुआ है। इससे पहले 2019 में रू डी ट्रेविस में ऐसा विस्फोट हुआ था, जिसमें चार लोगों की मौत हुई थी।

भीषण भूकंप के बाद आए 681 झटके; आसपास सक्रिय चीनी नौसैनिक जहाजों पर पैनी नजर

ताइपे ।
ताइवान के हुवालियन शहर में तीन अप्रैल को आए 7.4 तीव्रता वाले शक्तिशाली भूकंप के बाद भी रोज अलग-अलग तीव्रता के झटके (ऑफ्टरशॉक) महसूस किए जा रहे हैं। पिछले चार दिनों में इस स्वायत्तशासी क्षेत्र ने कुल 681 झटकों का सामना किया। तीन अप्रैल को आए भूकंप में 10 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी।

सेंट्रल वेदर एडिमिनिस्ट्रेशन (सीडब्ल्यूए) के मुताबिक, ताइवान में 681 ऑफ्टरशॉक महसूस किए गए। इनमें रिक्टर पैमाने पर 6 से अधिक की तीव्रता के दो व 6.5 की तीव्रता का एक झटका शामिल है। हालांकि, एक स्थानीय समाचार एजेंसी ने रविवार को सीडब्ल्यूए के हवाले से कहा कि चिंता की कोई बात नहीं है। ऑफ्टरशॉक की संख्या में लगातार गिरावट आ रही है। पिछले चार दिनों में यहां भूकंप के दैनिक झटकों की संख्या क्रमशः 314, 167, 111 व 89 रही। एजेंसी के मुताबिक, हाल के दिनों में ताइवान में 4-5 की तीव्रता वाले भूकंप के कुल 208 झटके दर्ज किए गए।

ताइवान अपने आसपास सक्रिय छह चीनी नौसैनिक जहाजों पर रख रहा नजर - भूकंप के झटकों के बाद संवेदनशील हालात के बीच ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय (एमएनडी) ने कहा कि वह देश में सक्रिय छह चीनी नौसेना पोतों पर नजर बनाए हुए है। ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय के अनुसार, सशस्त्र बलों ने निगरानी के साथ ही जवाब में नौसेना के जहाजों को तैनात किया है। इस दौरान किसी भी चीनी सैन्य विमान को ताइवान जलडमरूमध्य की मध्य रेखा को पार करते या ताइवान के दक्षिण-पश्चिमी वायु रक्षा पहचान क्षेत्र (एडीआईजेड) में प्रवेश करते हुए नहीं देखा गया। ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ने कहा, हमने आसपास काम करने वाले 6 पीएलए जहाजों का सुबह 6 बजे पता चला था।

उग्रवादी संगठन केएनएफ का नेता गिरफ्तार, बांग्लादेश में स्वायत्त राज्य की मांग करता है ये ग्रुप

ढाका ।
बांग्लादेश में सुरक्षा बलों को एक बड़ी सफलता हासिल हुई है। दरअसल बांग्लादेश के सुरक्षा बल रैपिड एक्शन बटालियन को उग्रवादी संगठन कुकी चिन नेशनल फ्रंट (केएनएफ) के एक शीर्ष नेता को गिरफ्तार करने में सफलता मिली है। केएनएफ ने हाल ही में बांग्लादेश में एक सरकारी बैंक में लूट की उसके मैनेजर का भी अपहरण कर लिया था। केएनएफ के बांग्लादेश में इस्लामिक कट्टरपंथी सगंठन से भी संबंध बताए जाते हैं।

बंदरबन इलाके से हुई गिरफ्तारी

रैपिड एक्शन बटालियन ने केएनएफ के संयोजक और प्रमुख नेता चेओसिम बॉम को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी बांग्लादेश के बंदरबन इलाके से की गई है। रैपिड एक्शन बटालियन के क्षेत्रीय कमांडर लेफ्टिनेंट कर्नल एचएम सज्जाद ने पत्रकारों को बताया कि हमने बॉम को उसके घर से एक लॉकर से पकड़ा, जिसमें वह छिपकर बैठा हुआ था। बॉम को केएनएफ के मुखिया नाथन बॉम का करीबी माना जाता है। चेओसिम बॉम का पकड़ा जाना बांग्लादेश के लिए कितना अहम है, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि बांग्लादेशी सेना के प्रमुख सैफुद्दीन अहमद ने भी बंदरबन में उस जगह का दौरा किया, जहां से चेओसिम बॉम को पकड़ा गया है। बांग्लादेशी आर्मी के चीफ ने कहा कि केएनएफ सदस्य के पास से हथियार भी बरामद हुए हैं। आर्मी चीफ ने कहा कि बीते साल जून में केएनएफ के खिलाफ हुई कड़ी कार्रवाई के बात यह संगठन बातचीत के लिए तैयार हो गया था, लेकिन इनका शांति की बात करना सिर्फ दिखावा था क्योंकि ये पीछे से अपनी आपराधिक गतिविधियों को जारी रखे हुए थे।

बीते हफ्ते बांग्लादेश सरकार और केएनएफ के बीत शांति वार्ता पटरी से उतर गई थी क्योंकि केएनएफ ने बांग्लादेश के सरकारी बैंकों की तीन शाखाओं में लूट को अंजाम दिया था और साथ ही सुरक्षाकर्मियों के हथियार भी लूट लिए थे और एक बैंक मैनेजर का अपहरण कर लिया था। इसके बाद बांग्लादेश की सरकार ने इस समूह के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए इसके सदस्यों को पकड़ने के लिए अभियान चलाया। बांग्लादेश की सरकार ने पहले बातचीत के जरिए बैंक मैनेजर को रिहा कराया और फिर कार्रवाई शुरू की। बीते साल केएनएफ ने बंदरबन में बांग्लादेश के तीन सैनिकों की भी हत्या कर दी थी।

क्या है केएनएफ

कुकी चिन नेशनल फ्रंट एक सशस्त्र संगठन है, जो बांग्लादेश के पहाड़ी क्षेत्र की स्वायत्ता की मांग करता है। बांग्लादेश के रंगमती, खगराचारी और बंदरबन इलाकों में केएनएफ का प्रभाव है। कुकी-चिन और मिजो एक ही जनजाति के अलग-अलग नाम हैं। ये जनजाति भारत, बांग्लादेश और म्यांमार में रहती है। भारत के मिजोरम, बांग्लादेश के बंदरबन, रंगमती, खगराचारी और म्यांमार के चिन राज्यों में इस जनजाति का बहुमत है।

महाशक्ति की आराधना का पर्व हैं नवरात्रि

महाशक्ति की आराधना का पर्व है नवरात्रि। तीन हिंदू देवियों – पार्वती, लक्ष्मी और सरस्वती के नौ विभिन्न स्वरूपों की उपासना के लिए निर्धारित है, जिन्हें नवदुर्गा के नाम से जाना जाता है। पहले तीन दिन पार्वती के तीन स्वरूपों की अगले तीन दिन लक्ष्मी माता के स्वरूपों और आखिरी के तीन दिन सरस्वती माता के स्वरूपों की पूजा करते हैं। दुर्गा सप्तशती के अन्तर्गत देव दानव युद्ध का विस्तृत वर्णन है। इसमें देवी भगवती और मां पार्वती ने किस प्रकार से देवताओं के साम्राज्य को स्थापित करने के लिए तीनों लोकों में उत्पात मचाने वाले महादानवों से लोहा लिया इसका वर्णन आता है। यही कारण है कि आज सारे भारत में हर जगह दुर्गा यानि नवदुर्गाओं के मन्दिर स्थपित हैं। इस साल इस बार चैत्र नवरात्रि 9 अप्रैल 2024 से प्रारंभ हो रहे हैं, जिसका समापन 17 अप्रैल होगा। चैत्र नवरात्रि में अबकी बार पूरे नौ दिनों की नवरात्रि होगी। खास बात ये है कि चैत्र नवरात्र के पहले दिन सर्वार्थ सिद्धि योग और अमृत सिद्धि योग बन रहे हैं। इस समय में घटस्थापना आपके लिए बहुत ही लाभदायक और उन्नतिकारक सिद्ध हो सकता है। हिंदू धर्म में नवरात्रि का विशेष महत्व होता है। वर्ष में दो बार चैत्र नवरात्रि और शारदीय नवरात्रि में मां दुर्गा की विधि विधान से पूजा की जाती है। हालांकि कि गुप्त नवरात्रि भी आती है, लेकिन चैत्र नवरात्रि और शारदीय नवरात्रि की लोक मान्यता ज्यादा है। साल में दो बार आश्विन और चैत्र मास में नौ दिन के लिए उत्तर से दक्षिण भारत में नवरात्र उत्सव का माहौल होता है। सम्पूर्ण दुर्गासप्तशती का अगर पाठ न भी कर सकें तो निम्नलिखित श्लोक का पाठ को पढ़ने से सम्पूर्ण दुर्गासप्तशती और नवदुर्गाओं के पूजन का फल प्राप्त हो जाता है।

सर्वमंगलमंगलये शिवे सर्वार्थसाधिके। शरण्ये त्रयम्बके गौरि नारायणि नमोऽतु ते।। शरणांगतदीन आर्त परित्राण परायणे सर्वस्यार्तिहरे देवी नारायणि नमोऽस्तु ते।। सर्वस्वरूपे सर्वेशे सर्वशक्तिसमन्विते। भयेभ्यारत्नाहि नो देवि दुर्गे देवि नमोऽस्तु ते ।।

वैसे तो दुर्गा के 108 नाम गिनाये जाते हैं लेकिन नवरात्रों में उनके स्थूल रूप को ध्यान में रखते हुए नौ दुर्गाओं की स्तुति और पूजा पाठ करने का गुप्त मंत्र ब्रहमा जी ने अपने पौत्र मार्कण्डेय ऋषि को दिया था। इसको देवीकवच भी कहते हैं। देवीकवच का पूरा पाठ दुर्गा सप्तशती के 56 श्लोकों के अन्दर मिलता है। नौ दुर्गाओं के स्वरूप का वर्णन संक्षेप में ब्रहमा जी ने इस प्रकार से किया है।

प्रथमं शैलपुत्री च द्वितीयं ब्रहमचारिणी।तृतीयं चन्द्रघण्टेति कूष्माण्डेति चतुर्थकम्।।पंचमं स्क्न्दमातेति षष्ठं कात्यायनीति च।सप्तमं कालरात्रीति महागौरीति चाष्टमम्।नवमं सिद्धिदात्री च नवदुर्गाः प्रकीर्तिताः।।

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि उपरोक्त नौ दुर्गाओं ने देव दानव युद्ध में विशेष भूमिका निभाई है इनकी सम्पूर्ण कथा देवी भागवत पुराण और मार्कण्डेय पुराण में लिखित है। शिव पुराण में भी इन दुर्गाओं के उत्पन्न होने की कथा का वर्णन आता है कि कैसे हिमालय राज की पुत्री पार्वती ने अपने भक्तों को सुरक्षित रखने के लिए तथा धरती आकाश पाताल में सुख शान्ति स्थापित करने के लिए दानवों राक्षसों और आतंक फैलाने वाले तत्वों को नष्ट करने की प्रतीज्ञा की ओर समस्त नवदुर्गाओं को विस्तारित करके उनके 108 रूप धारण करने से तीनों लोकों में दानव और राक्षस साम्राज्य का अन्त किया। इन नौदुर्गाओं में सबसे प्रथम देवी का नाम है शैल पुत्री जिसकी पूजा नवरात्र के पहले दिन होती है। दूसरी देवी का नाम है ब्रहमचारिणी जिसकी पूजा नवरात्र के दूसरे दिन होती है। तीसरी देवी का नाम है चन्द्रघण्टा जिसकी पूजा नवरात्र के तीसरे दिन होती है। चौथी देवी का नाम है कूष्माण्डा जिसकी पूजा नवरात्र के चौथे दिन होती है। पांचवी दुर्गा का नाम है स्कन्दमाता जिसकी पूजा नवरात्र के पांचवें दिन होती है। छठी दुर्गा का नाम है कात्यायनी जिसकी पूजा नवरात्र के छठे दिन होती है । सातवी दुर्गा का नाम है कालरात्रि जिसकी पूजा नवरात्र के सातवें दिन होती है। आठवीं देवी का नाम है महागौरी जिसकी पूजा नवरात्र के आठवें दिन होती है। नवीं दुर्गा का नाम है सिद्धिदात्री जिसकी पूजा नवरात्र के अन्तिम दिन होती है। इन सभी दुर्गाओं के प्रकट होने और इनके कार्यक्षेत्र की बहुत लम्बी चौड़ी कथा और फेहरिस्त है। लेकिन यहां हम संक्षेप में ही उनकी पूजा अर्चना का वर्णन कर सकेंगे।

हर समस्या का समाधान हैं ये श्लोक

नवरात्र में शक्ति साधना व कृपा प्राप्ति का का सरल उपाय दुर्गा सप्तशती का पाठ है। नवरात्र के दिवस काल में सविधि मां के कलश स्थापना के साथ शतचंडी, नवचंडी, दुर्गा सप्तशती और देवी अथर्वशीर्ष का पाठ किया जाता है। दुर्गा सप्तशती के पाठ के कई विधि विधान है। दुर्गा सप्तशती महर्षि वेदव्यास रचित मार्कण्डेय पुराण के सावर्णि मन्वतर के देवी महात्म्य के 700 श्लोक का एक भाग है। दुर्गा सप्तशती में अध्याय एक से तेरह तक तीन चरित्र विभाग हैं। इसमें 700 श्लोक हैं।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

दुर्गा सप्तशती के छह अंग तेरह अध्याय को छोड़कर हैं। कवच, कीलक, अर्गला दुर्गा सप्तशती के प्रथम तीन अंग और प्रधानिक आदि तीन रहस्य हैं। इसके अलावा और कई मंत्र भाग है जिसे पूरा करने से दुर्गा सप्तशती पाठ की पूर्णता होती है। इस संदर्भ में विद्वानों में मतांतर है। दुर्गा-सप्तशती को दुर्गा-पाठ, चंडी-पाठ से भी संबोधित करते हैं। चंडी पाठ में छह संवाद है।

महर्षि मेधा ने सर्वप्रथम राजा सुरथ और समाधि वैश्य को दुर्गा का चरित्र सुनाया। तदनंतर यही कथा महर्षि मृकण्डु के पुत्र चिरंजीवी मार्कण्डेय ने मुनिवर भागुरि को सुनाई। यही कथा द्रोण पुत्र पक्षिगण ने महर्षि जैमिनी से कही। जैमिनी महर्षि वेदव्यास जी के शिष्य थे। यही कथा संवाद महर्षि वेदव्यास ने मार्कण्डेय पुराण में यथावत् क्रम वर्णन कर लोकोपकार के लिए संसार में प्रचारित की। इस प्रकार दुर्गा सप्तशती में दुर्गा के चरित्रों का वर्णन है।

मार्कण्डेय पुराण में ब्रह्माजी ने मनुष्यों के रक्षार्थ परम गोपनीय साधन, कल्याणकारी देवी कवच एवं परम पवित्र उपाय संपूर्ण प्राणियों को बताया, जो देवी के नौ मूर्ति-स्वरूप हैं, जिन्हें 'नव दुर्गा' कहा जाता है। उनकी आराधना आश्विन शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से महानवमी तक की जाती है। श्री दुर्गा सप्तशती का पाठ मनोरथ सिद्धि के लिए किया जाता है; क्योंकि श्री दुर्गा सप्तशती दैत्यों के संहार की शौर्य गाथा से अधिक कर्म, भक्ति एवं ज्ञान की त्रिवेणी हैं। यह श्री मार्कण्डेय पुराण का अंश है। यह देवी महात्म्य धर्म, अर्थ, काम एवं मोक्ष चारों पुरुषार्थों को प्रदान करने में सक्षम है। सप्तशती में कुछ ऐसे भी स्तोत्र एवं मंत्र हैं, जिनके विधिवत पारायण से इच्छित मनोकामना की पूर्ति होती है।

देवी का ध्यान मंत्रः देवी प्रपन्नार्तिहरे प्रसीद प्रसीद मातर्जगतोखिलस्य।

प्रसीद विश्वेतरि पाहि विश्वं त्वमीश्वरी देवी चराचरस्य।

इस प्रकार भगवती से प्रार्थना कर भगवती के शरणागत हो जाएं। देवी कई जन्मों के पापों का संहार कर भक्त को तार देती है। वही जननी सृष्टि की आदि, अंत और मध्य है।

देवी से प्रार्थना करें: – शरणागत-दीनार्त-परित्राण-परायणे!

सर्वस्यार्तिहरे देवि! नारायणि! नमोऽस्तुते।।

सर्वकल्याण एवं शुभार्थ प्रभावशाली माना गया हैः

सर्व मंगलं मांगल्ये शिवे सर्वाथ साधिके।

शरण्येत्र्यंबके गौरी नारायणि नमोस्तुऽते।।

बाधा मुक्ति एवं धन-पुत्रादि प्राप्ति के लिएः

सर्वाबाधा विनिर्मुक्तो धन-धान्य सुतान्वितः।

मनुष्यों मत्प्रसादेन भवष्यति न संशय।।

सर्वबाधा शांति के लिएः सर्वाबाधा प्रशमनं त्रैलोक्यस्याखिलेश्वरि। एवमेव त्वया कार्यमस्मद्वैरिविनाशनम्।।

आरोग्य एवं सौभाग्य प्राप्ति के लिए इस चमत्कारिक फल देने वाले मंत्र को स्वयं देवी दुर्गा ने देवताओं को दिया हैःदेहि सौभाग्यं आरोग्यं देहि में परमं सुखम्। रूपं देहि जयं देहि यशो देहि द्विषोजहि।।

भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि अर्थातः शरण में आए हुए दीनों एवं पीड़ितों की रक्षा में संलग्न रहने वाली तथा सब की पीड़ा दूर करने वाली नारायणी देवी! तुम्हें नमस्कार है। देवी से प्रार्थना कर अपने रोग, अंदरूनी बीमारी को ठीक करने की प्रार्थना भी करें। ये भगवती आपके रोग को हरकर आपको स्वस्थ कर देंगी।

विपत्ति नाश के लिएः शरणागतर्दनार्त परित्राण पारायणे। सर्व स्यार्ति हरे देवि नारायणि नमोऽतुते।।

मोक्ष प्राप्ति के लिएः त्वं वैष्णवी शक्तिरनन्तवीर्या। विश्वस्य बीजं परमासि माया।। सम्मोहितं देवि समस्तमेतत्। त्वं वैप्रसन्ना भुवि मुक्त हेतुः।।

शक्ति प्राप्ति के लिएः सृष्टिस्थितिविनाशानां शक्तिभूते सनातनि। गुणाश्रये गुणमये नारायणि नमोह्यस्तु ते।।

अर्थातः तुम सृष्टि, पालन और संहार की शक्ति भूता, सनातनी देवी, गुणों का आधार तथा सर्वगुणमयी हो। नारायणि! तुम्हें नमस्कार है।

रक्षा का मंत्रः शूलेन पाहि नो देवि पाहि खड्गेन चाम्बिके। घण्टास्वनेन नः पाहि चापज्यानिः स्वनेन च।।

अर्थातः देवी! आप शूल से हमारी रक्षा करें। अम्बिके! आप खड्ग से भी हमारी रक्षा करें तथा घण्टा की ध्वनि और धनुष की टंकार से भी हमलोगों की रक्षा करें।

रोग नाश का मंत्रः रोगानशेषानपहंसि तुष्टा रुष्टा तु कामान सकलानभीष्टान्। त्वामाश्रितानां न विपन्नराणां त्वामाश्रिता हाश्रयतां प्रयान्ति।

अर्थातः देवी! तुम प्रसन्न होने पर सब रोगों को नष्ट कर देती हो और कुपित होने पर मनोवांछित सभी कामनाओं का नाश कर देती हो। जो लोग तुम्हारी शरण में जा चुके है। उनको विपत्ति तो आती ही नहीं। तुम्हारी शरण में गए हुए मनुष्य दूसरों को शरण देने वाले हो जाते हैं।

दुःख-दारिद्र नाश के लिएः दुर्गे स्मृता हरसि भीतिमशेषजन्तोः। स्वस्थै स्मृता मतिमतीव शुभां ददासि।। द्रारिद्र दुःख भयहारिणि का त्वदन्या। सर्वोपकारकारणाय सदाह्यद्रचिता।।

ऐश्वर्य, सौभाग्य, आरोग्य, संपदा प्राप्ति एवं शत्रु भय मुक्ति-मोक्ष के लिएः ऐश्वर्य यत्प्रसादेन सौभाग्य-आरोग्य सम्पदः। शत्रु हानि परो मोक्षः स्तुयते सान किं जनै।।

भय नाशक दुर्गा मंत्रः सर्व स्वरूपे सर्वेशे सर्वशक्ति समन्विते, भयेभ्यास्त्रहिनो देवी दुर्गे देवी नमोस्तुते।

स्वप्न में कार्य सिद्धि-असिद्धि जानने के लिएः दुर्गे देवि नमस्तुभ्यं सर्वकामार्थ साधिके। मम सिद्धिमसिद्धिं वा स्वप्ने सर्व प्रदर्शय।।

अर्थातः शरणागत की पीड़ा दूर करने वाली देवी हम पर प्रसन्न होओ। संपूर्ण जगत माता प्रसन्न होओ। विश्वेश्वरी! विश्व की रक्षा करो। देवी! तुम्ही चराचर जगत की अधिश्वरी हो।

मां के कल्याणकारी स्वरूप का वर्णनः सृष्टिस्थिति विनाशानां शक्तिभूते सनातनि। गुणाश्रये गुणमये नारायणि! नमोऽस्तुते।।

अर्थातः हे देवी नारायणी! तुम सब प्रकार का मंगल प्रदान करने वाली मंगलमयी हो। कल्याणदायिनी शिवा हो। सब पुरुषार्थों को सिद्ध करने वाली शरणागतवत्सला, तीन नेत्रों वाली एवं गौरी हो, तुम्हें नमस्कार है। तुम सृष्टि पालन और संहार की शक्तिभूता सनातनी देवी, गुणों का आधार तथा सर्वगुणमयी हो। नारायणी! तुम्हें नमस्कार है।

इस प्रकार देवी उनकी शरण में जाने वालों को इतनी शक्ति प्रदान कर देती है कि उस मनुष्य की शरण में दूसरे लोग आने लग जाते हैं। देवी धर्म के विरोधी दैत्यों का नाश करने वाली है। देवताओं की रक्षा के लिए देवी ने दैत्यों का वध किया। वह आपके आतंरिक एवं बाह्य शत्रुओं का नाश करके आपकी रक्षा करेगी। आप बारंबार उसकी शरणागत हो एवं स्वरमय प्रार्थना करें। हे सर्वेश्वरी! तुम तीनों लोकों की समस्त बाधाओं को शांत करो और हमारे शत्रुओं का नाश करती रहो।

उगादी दक्षिण भारत का एक प्रमुख पर्व है

उगादी या फिर जिसे समवत्सरदी युगादी के नाम से भी जाना जाता है दक्षिण भारत का एक प्रमुख पर्व है। इसे कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना जैसे राज्यों में नववर्ष के रुप में मनाया जाता है। यह पर्व चैत्र माह के पहले दिन मनाया जाता है। ग्रागेरियन कैलेंडर के हिसाब से यह पर्व मार्च या अप्रैल में आता है। दक्षिण भारत में इस पर्व को काफी धूम-धाम के साथ मनाया जाता है क्योंकि वसंत आगमन के साथ ही किसानों के लिए यह पर्व नयी फसल के आगमन का भी अवसर होता है।

उगादी का पर्व दक्षिण भारत के सबसे महत्वपूर्ण पर्वों में से एक है, इसे नववर्ष के आगमन के खुशी में मनाया जाता है। उगादी के पर्व को लेकर कई सारी मान्यताएं प्रचलित हैं, ऐसी ही एक मान्यता के अनुसार जब शिवजी ने ब्रम्हा जी को श्राप दिया था कि कही भीं उनकी पूजा नही कि जायेगी, लेकिन आंध्रप्रदेश में उगादी अवसर पर ब्रम्हाजी की ही पूजा की जाती है। ऐसा इसलिए क्योंकि ऐसी मान्यता है कि इसी दिन ब्रम्हा जी ब्रह्माण्ड की रचना शुरु की थी।

यही कारण है कि इस दिन को कन्नड़ तथा तेलगु नववर्ष के रुप में भी मनाया जाता है। इसके साथ ही पौराणिक कथाओं के अनुसार इस दिन भगवान विष्णु मतस्य अवतार में अवतरित हुए थे। उगादी को लेकर कई सारे ऐतहासिक तथा पौराणिक वर्णन मिलते हैं। ऐसा माना जाता है कि उगादि के दिन ही भगवान श्री राम का राज्याभिषेक भी हुआ था। इसके साथ ही इसी दिन सम्राट विक्रमादित्य ने शकों पर विजय प्राप्त की थी।

यदि सामान्य परिपेक्ष्य से देखा जाये तो उगादि का यह त्योहार उस समय आता है जब भारत में वसंत ऋतु अपने चरम पर होती है और इस समय किसानों को नयी फसल भी मिलती है और क्योंकि भारत एक कृषि प्रधान देश है। इसलिए प्रचीन समय से ही किसानों द्वारा इस पर्व को नयी फसल के लिए ईश्वर को दिये जाने वाले धन्यवाद के रुप में मनाया जाता है।

उगादी त्योहार कैसे मनाते हैं

जब चैत्र माह के पहले दिन में चैत्र नवरात्रि का आरंभ होता है, तो दक्षिण भारत के कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना जैसे राज्यों में चैत्र माह के पहले दिन उगादी नामक त्योहार मनाया जाता है। इस त्योहार को इन क्षेत्रों के नववर्ष के रुप में मनाया जाता है। यह त्योहार कर्नाटक, आंध्र प्रदेश तथा तेलंगाना का सबसे प्रमुख त्योहारों में से एक माना जाता है। इस दिन को लेकर लोगो में काफी उत्साह रहता है और इस दिन वह सुबह उठकर अपने घरों की साफ-सफाई में लग जाते हैं, घरों की साफ-सफाई करने के बाद लोग अपने घरों के प्रवेश द्वार को आम के पत्तों से सजाते हैं।

इसके साथ ही इस दिन एक विशेष पेय बनाने की भी प्रथा है, जिसे पच्चड़ी नाम से जाना जाता है। पच्चड़ी नामक यह पेय नई इमली, आम, नारियल, नीम के फूल, गुड़ जैसे चीजों को मिलाकर मटके में बनायी जाती है। लोगों द्वारा इस पेय को पीने के साथ ही आस-पड़ोस में भी बांटा जाता है। उगादी के दिन कर्नाटक में पच्चड़ी के अलावा एक और चीज का भी लोगों द्वारा खायी जाती है, जिसे बेवु-बेल्ला नाम से जाना जाता है।

यह गुड़ और नीम के मिश्रण से बना होता है, जो हमें हमारे जीवन में इस बात का ज्ञान कराता है कि जीवन में हमें मीठेपन तथा कड़वाहट भरे दोनो तरह के अनुभवों से गुजरना पड़ता है। इस मीठे-कड़वे मिश्रण को खाते वक्त लोगों द्वारा निम्नलिखित संस्कृत श्लोक का उच्चारण किया जाता है।

शतायुर्वज्रदेहाय सर्वसंपत्कराय च ।
सर्वारिष्टविनाशाय निम्बकं दलभक्षणम् ।।

उपरोक्त श्लोक का अर्थ है – वर्षों तक जीवित रहने, मजबूत और स्वस्थ्य शरीर की प्राप्ति के लिए एवं विभिन्न प्रकार के धन की प्राप्ति तथा सभी प्रकार की नकरात्मकता का नाश करने के लिए हमें नीम के पत्तों को खाना चाहिए।

इसके साथ ही इस दिन घरों में पुरणपोली तथा लड्डू जैसे कई स्वादिष्ट व्यंजन बनाये जाते हैं। इस दिन लोग अपने आस-पास के लोगों को अपने घरों में खाने पर भी आमंत्रित करते हैं। उगादी के उत्सव पर लोग भगवान की मूर्तियों पर चमेली के फूल तथा मालाएं चढ़ाते हैं और विशेषकर ब्रम्हा जी की पूजा अवश्य करते हैं।

उगादी की पूजा विधि – उगादी के दिन पूजा-अर्चना करने की एक विशेष विधि है और इसका पालन करने से इस पर्व ईश्वर की विशेष कृपा प्राप्त होती है। उगादी के दिन सुबह उठकर नित्य कर्मों से निवृत होकर, हमें अपने शरीर पर बेसन तथा तेल का उबटन लगाकर नहाना चाहिए। इसके बाद हाथ में गंध, अक्षत, फूल और जल लेकर भगवान ब्रम्हा के मंत्रों का उच्चारण करके पूजा करनी चाहिए।

इसके साथ ही इस दिन घर में रंगोली या स्वास्तिक का चिन्ह बनाने से घर में सकरात्मक ऊर्जा पैदा होती है। यदि इस दिन आप सफेद कपड़ा बिछाकर उसपर हल्दी या केसर से रंगे अक्षत से अष्टदल बनाकर उसपर ब्रम्हा जी स्वर्ण मूर्ति स्थापित करेंगे तो आपको ब्रम्हा जी की विशेष कृपा प्राप्त होगी।

उगादी पर बनने वाले विशेष व्यंजन

उगादी के दिन हमें पच्चड़ी पेय का सेवन अवश्य करना चाहिए। यह पच्चड़ी पेय नई इमली, आम, नारियल, नीम के फूल तथा गुड़ को मिलाकर मटके में बनायी जाती है। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में इस अवसर पर बोवत्तु या फिर पोलेलु या पुरन पोली नामक व्यंजन बनाया जाता है।

इसी व्यंजन को तेलंगाना में बोरेलु नाम से जाना जाता है। यह एक प्रकार का पराठा होता है, जिसे चने के दाल, गेहुं के आंटे, गुढ़ और हल्दी आदि को पानी की सहायता से गूंथकर देशी में तलकर बनाया जाता है। इस व्यंजन को पच्चड़ी के साथ खाया जाता है।

उगादी की आधुनिक परम्परा

आज के इस आधुनिक समय में उगादी के पर्व को मनाने में पहले के अपेक्षा काफी अंतर आ गया है। अब लोग आज के व्यस्त जीवन के कारण इस पर्व का आनंद लेने के लिए समय नही निकाल पाते हैं। पहले के समय में इस दिन को लेकर लोगों में काफी उत्साह रहता था।

लोग इस विशेष पर्व पर अपने आस-पड़ोस के लोगो को खाने पर आमंत्रित किया करते थे, लेकिन आज कल सबकुछ इसके विपरीत हो गया है, लोग नाहि पुरानी परम्पराओं का पालन करना चाहते हैं ना इसमें कोई विशेष रुचि रखते हैं। यदि हमें उगादी पर्व के मुख्य मकसद को बरकरार रखना है तो हमें इसके प्राचीन परम्पराओं का पालन करने की कोशिश करनी चाहिए।

उगादी का महत्व– उगादी का यह त्योहार दक्षिण भारत में विशेष महत्व रखता है। यह पर्व चैत्र माह के पहले दिन मनाया जाता है जोकि इसके महत्व को और भी बढ़ा देता है। ऐसा इसलिए क्योंकि इस त्योहार के समय वसंत ऋतु अपने पूरे चरम पर होती है। जिसके कारण मौसम काफी सुहावना रहता है, इसके साथी ही इस समय लोगो में नयी फसल को लेकर भी खुशी छायी रहती है। उगादी का यह पर्व हमें प्रकृति के और भी समीप ले जाने का कार्य करता है क्योंकि यदि इस त्योहार के दौरान पीये जाने वाले पच्चड़ी नामक पेय पर गौर करें तो यह शरीर के लिए काफी स्वास्थ्यवर्धक होता है। जोकि हमारे शरीर को मौसम में हुए परिवर्तन से लड़ने के लिए तैयार करता है और हमारे शरीर के प्रतिरोधी क्षमता को भी बढ़ाता है। इसके साथ ही ऐसी मान्यता है कि इस दिन कोई नया काम शुरु करने पर सफलता अवश्य मिलती है। इसलिए उगादी के दिन दक्षिण भारतीय राज्यों में लोग दुकानों का उद्घाटन, भवन निर्माण का आरंभ आदि जैसे नये कार्यों की शुरुआत करते हैं।

गुड़ी पड़वा महोत्सव

गुडी पड़वा मराठी और कोंकणी हिन्दुओं के लिए पांरपरिक त्योहार है। गुड़ी पड़वा का त्योहार को किसी ने किसी रूप में पूरे भारत में मनाया जाता है। गुड़ी पड़वा वंसत समय का त्योहार है। गुड़ पड़वा हिन्दू नव वर्ष आरम्भ माना जाता है। चैत्र मास की शुक्ल प्रतिपदा को गुड़ी पड़वा या वर्ष प्रतिपदा, उगादि या युगादि कहा जाता है। 'गुड़ी' का अर्थ 'विजय पताका' होता है। 'युग' और 'आदि' शब्दों की संधि से बना है 'युगादि'। आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में 'उगादि' और महाराष्ट्र में यह पर्व 'गुड़ी पड़वा' के रूप में मनाया जाता है। इसी दिन चैत्र नवरात्रि का प्रारम्भ होता है।

गुड़ी पड़वा का महत्व

गुड़ी पड़वा वसंत के आगमन और रबी फसलों की कटाई का प्रतीक है। यह त्योहार उस पौराणिक दिन से जुड़ा हुआ है इस दिन भगवान ब्रह्मा ने सृष्टि का निर्माण किया था। इसमें मुख्यतया ब्रह्माजी और उनके द्वारा निर्मित सृष्टि के प्रमुख देवी-देवताओं, यक्ष-राक्षस, गंधर्व, ऋषि-मुनियों, नदियों, पर्वतों, पशु-पक्षियों और कीट-पतंगों का ही नहीं, रोगों और उनके उपचारों तक का भी पूजन किया जाता है। इसी दिन से नया संवत्सर शुरू होता है। अत इस तिथि को 'नवसंवत्सर' भी कहते हैं। आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और महाराष्ट्र में सारे घरों को आम के पेड़ की पत्तियों के बंदनवार से सजाया जाता है। सुखद जीवन की अभिलाषा के साथ-साथ यह बंदनवार समृद्धि, व अच्छी फसल के भी परिचायक हैं।

गुड़ी पड़वा से जुड़ी मान्यताएँ

शालिवाहन नामक एक कुम्हार के लड़के ने मिट्टी के सैनिकों की सेना बनाई और उस पर पानी छिड़ककर उनमें प्राण फूँक दिए और इस सेना की मदद से शिक्तशाली शत्रुओं को पराजित किया। इस विजय के प्रतीक के रूप में शालिवाहन शक का प्रारंभ हुआ।

ऐसी मान्यता है कि इसी दिन भगवान राम ने वानरराज बाली के अत्याचारी शासन से दक्षिण की प्रजा को मुक्ति दिलाई। बाली के त्रास से मुक्त हुई प्रजा ने घर-घर में उत्सव मनाकर ध्वज फहराए। आज भी घर के आंगन में गुड़ी खड़ी करने की प्रथा महाराष्ट्र में प्रचलित है। इसीलिए इस दिन को गुड़ीपडवा नाम दिया गया।

गुड़ी पड़वा का त्योहार अन्य राज्यों

महाराष्ट्र में गुड़ी पांडव के रूप में जाना जाता है। गोवा के हिंदू कोंकणी, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना राज्य में उगादी और कश्मीरी पंडितों के बीच नवरेह के नाम से जाना जाता है। बंगाल में इस अवसर को नबा बरसा के रूप में, असम में बिहू के रूप में, केरल में विशु के रूप में, तमिलनाडु में पुतुहांडु के रूप में मनाया जाता है। इसे साल का सबसे शुभ दिन माना जाता है। यह त्योहार भारत में ही नहीं नेपाल, बर्मा, कंबोडिया व अन्य देशों में भी मनाया जाता है।

खत्म हुआ इंतजार, इस दिन सिनेमाघरों में धमाका करेगी कमल हासन की इंडियन 2

कॉलीवुड सुपरस्टार कमल हासन की अपकमिंग सोशल ड्रामा फिल्म 'इंडियन 2' का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। इस फिल्म को लेकर लंबे वक्त से कयासों का दौर जारी है। निर्देशक शंकर के डायरेक्शन में बनी कमल हासन की ब्लॉकबस्टर मूवी 'इंडियन' का ये सीक्वल है। जो पहले पार्ट की रिलीज के 23 साल बाद सिनेमाघर पहुंचेगा। इस फिल्म में कमल हासन एक बार फिर देश की समस्याओं का मुद्दा उठाने वाले हैं। तमिल स्टार कमल हासन की मूवी 'इंडियन 2' की रिलीज को लेकर काफी लंबे वक्त से चर्चाएं चल रही थीं। मगर आधिकारिक तौर पर फिल्म की रिलीज डेट सामने नहीं आ पा रही थी। अब मेकर्स ने लंबे इंतजार के बाद 'इंडियन 2' की रिलीज डेट का खुलासा कर दिया है।

जून 2024 में धमाका करेगी 'इंडियन 2'

एंटरटेनमेंट न्यूज की दुनिया में 'इंडियन 2' की रिलीज डेट ने तहलका मचा दिया है। इस मूवी की निर्माता कंपनी ने एक धमाकेदार नया पोस्टर जारी कर कमल हासन की फिल्म 'इंडियन 2' की रिलीज डेट का धांसू ऐलान किया है। सामने आए नए पोस्टर में कमल हासन व्हाइट कुर्ता और लुंगी में नजर आए हैं। साथ ही पोस्टर पर लिखा है कि ये मूवी जून 2024 में सिनेमाघर पहुंचने वाली है। हालांकि मेकर्स ने किसी तय तारीख का खुलासा अभी तक नहीं किया है। मगर तमिल फिल्मी गलियारों से उड़ती-उड़ती खबरों की मानें तो ये मूवी 12 जून को सिनेमाघर पहुंच सकती है। यहां देखें सामने आया 'इंडियन 2' का धांसू फर्स्ट लुक पोस्टर।

इतने करोड़ रुपये में बनी है कमल हासन की 'इंडियन 2'

लंबे वक्त से बन रही सुपरस्टार कमल हासन की मचअवेटेड पैन इंडिया रिलीज फिल्म 'इंडियन 2' को मेकर्स ने मोटी लागत से बनाया है। इस फिल्म का प्रोडक्शन पिछले करीब 4-5 साल से चल रहा है। बार-बार फिल्म की शूटिंग रुकने और मेकिंग में लगते लंबे वक्त की वजह से इसकी मेकिंग कॉस्ट पर भी खासा असर पड़ा है। रिपोर्ट्स की मानें तो लायका प्रोडक्शन कंपनी के बैनर तले बनी निर्देशक शंकर की इस फिल्म को करीब 250 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया है। जो एक बेहद बड़ी रकम है। ऐसे में इस फिल्म के लिए जरूरी होगा ये सिनेमाघरों में जबरदस्त प्रदर्शन करे। हालांकि कमल हासन की फिल्मों के बढ़ते क्रेज को देखकर लगता है मूवी ये माइलस्टोन जल्दी ही पार कर लेगी।

हेमा मालिनी नहीं ये ब्यूटी क्वीन थीं धर्मेंद्र का पहला प्यार

नाकाम मोहब्बत के बाद की थी ड्रीम गर्ल से शादी

धर्मेंद्र बॉलीवुड के मशहूर और दिग्गज एक्टर्स में से एक हैं। फिल्मों में दमदार एक्टिंग के अलावा धर्मेंद्र अपने लव अफेयर्स के लिए भी चर्चा में रहे। पहली पत्नी प्रकाश कौर के रहते उन्हें हेमा मालिनी से प्यार हुआ और फिर शादी भी हुई। हेमा और धर्मेंद्र के प्यार के किस्से तो सभी जानते हैं, लेकिन उनके पहले धर्मेंद्र एक सुपरहिट अभिनेत्री से मिले थे, जिनकी खूबसूरती के वो दीवाने हो गए थे और उनके प्यार में पड़ने से खुद को रोक नहीं पाए थे। कौन थी वो एक्ट्रेस चलिए आपको बताते हैं।

मीना कुमारी और धर्मेंद्र का रिश्ता

रिपोर्ट्स के मुताबिक, हेमा मालिनी से रिश्ता जोड़ने से पहले धर्मेंद्र एक दिग्गज अभिनेत्री से प्यार करते थे। हेमा से शादी करने के पहले धर्मेंद्र कथित तौर पर मीना कुमारी से प्यार करते थे। धर्मेंद्र और मीना कुमारी ने काजल, फूल और पत्थर, मझली दीदी और बहारों की मंजिल जैसी फिल्मों में एक साथ अभिनय किया। रिपोर्ट्स की मानें तो जब धर्मेंद्र ने फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा तो मीना कुमारी पहले से ही स्थापित अभिनेत्री थीं। वह पहली बार मीना कुमारी से उनके एक फैन के रूप में मिले थे।

धर्मेंद्र बने सहारा

कहते हैं कि जब दोनों की मुलाकात फिल्म पूर्णिमा के सेट पर हुई तब मीना कुमारी के निजी जीवन में काफी उथल पुथल चल रही थी। उस दौरान उन्हें धर्मेंद्र से इमोशनल सपोर्ट मिला। स्क्रीन पर उनकी केमिस्ट्री काफी हिट रही और दर्शकों को यह जोड़ी बहुत पसंद भी आई। इसके अलावा, रिपोर्टों में दावा किया गया कि जब मीना कुमारी डिप्रेशन से जूझ रही थीं, तो वो धर्मेंद्र ही थे जो उनका सहारा बने। कथित तौर पर उनके करीब होने के बावजूद धर्मेंद्र ने कभी स्वीकार नहीं किया कि वह मीना के साथ रिश्ते में थे।

फेम मिलते ही सपना चौधरी का बदल गया पूरा लुक

हरियाणवी डांसर सपना चौधरी आए दिन किसी न किसी वजह से चर्चा में बनी रहती हैं। सपना चौधरी खूबसूरती और डांसिंग के मामले में बॉलीवुड से लेकर टीवी तक की एक्ट्रेसेस को टक्कर देती हैं। सपना चौधरी की हर अदा पर लोग फिदा हैं। बता दें कि इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाने के लिए सपना चौधरी ने काफी मेहनत की है। मालूम हो कि जैसे ही सपना चौधरी को फेम मिला वैसे ही उनका लुक भी बदल गया है। सोशल मीडिया पर सपना चौधरी की पुरानी तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं। सामने आई इस तस्वीर में सपना चौधरी ठुमके लगाती नजर आ रही हैं।फेमस होने से पहले सपना चौधरी का लुक काफी सिंपल था। लोगों की मानें तो पहले सपना के चेहरे पर चमक नहीं थी। हालांकि उस समय में सपना काफी अच्छी लगती थीं।सामने आई इस तस्वीर में सपना चौधरी अपना किलर एक्सप्रेशन दिखा रही हैं। उस समय भी हरियाणवी डांसर सपना चौधरी का अंदाज बेहद कातिलाना था।बता दें कि हरियाणवी डांसर सपना चौधरी ने अपने करियर में काफी कड़ी मेहनत की है। स्टेज शो करने वाली सपना चौधरी आज स्टार बन गई हैं। सपना चौधरी के ठुमकों पर सभी लोग जान छिड़कते हैं।इतने साल बाद अब सपना चौधरी का पूरा लुक बदल गया है। सिंपल सी दिखने वाली सपना चौधरी अब बेहद ग्लैमरस लगती हैं। इस बात की गवाही सपना चौधरी का इंस्टाग्राम अकाउंट देता है। सामने आई इस फोटो में हरियाणा की क्वीन सपना चौधरी देसी लुक में दिखाई दे रही हैं।

डांस करते हुए खिसक गया निया शर्मा का ट्राउजर?

टीवी की बोल्ड बाला निया शर्मा हर बार अपने लुक से लोगों को हैरान कर देती हैं। निया शर्मा ने बोल्डनेस में बॉलीवुड हसीनाओं के पसीने छुड़ाए हैं। एक्ट्रेस कभी भी कुछ नया ट्राई करने में कतराती नहीं हैं। निया इसी वजह से कई बार फैशन के चक्कर में बुरी तरह ट्रोल हुई हैं और एक्ट्रेस ने लोगों को करारा जवाब भी दिया है। इस बार भी निया शर्मा ने कुछ ऐसा पहन लिया, जिसे देख लोग हैरान हैं। निया शर्मा का एक डांस वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में निया की कातिल अदाएं फैंस को काफी पसंद आ रही हैं, लेकिन एक्ट्रेस के लुक ने लोगों के होश उड़ाकर रख दिए हैं। आइए आपको वीडियो दिखाते हैं।

निया शर्मा के डांस वीडियो ने लगाई आग

टीवी इंडस्ट्री की खूबसूरत एक्ट्रेस निया शर्मा एक्टिंग के साथ-साथ डांसिंग में भी किसी से कम नहीं हैं। निया हर बार अपने डांसिंग वीडियो से इंटरनेट हिला देती हैं। इस बार निया के लुक ने ये काम किया है। एक्ट्रेस ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह अपने डांसिंग मूव्स से कातिलाना अदांज दिख रही हैं। इस वीडियो में निया ने ब्लैक कलर की लेदर पैंट पहनी हुई है और ऊपर क्रॉप टीशर्ट कैरी की है। इस लुक में निया की बिकिनी साफ नजर आ रही है। निया के इस बोल्ड लुक ने लोगों का ध्यान खींच लिया है। इस वीडियो पर अनुपमा फेम सागर पारेख ने कमेंट करते हुए तीन फायर इमोजी और दो दिल की आंखें वाली इमोजी लगाई है। सागर ने तालियों वाली इमोजी भी लगाई है। संगीता फोगाट ने इस वीडियो पर फायर का इमोजी लगाया है।

टीवी पर कमबैक के लिए तैयार हैं निशी सक्सेना

बता दें कि निया शर्मा टीवी की हिट एक्ट्रेस हैं जो आखिरी बार सीरियल नागिन 4 में नजर आई थीं। निया का ये शो फ्लॉप साबित हुआ, जिसके बाद वह किसी शो में नजर नहीं आईं। अब निया शर्मा चार साल बाद टीवी की दुनिया में वापसी करने जा रही हैं। निया शो 'सुहागन चुड़ैल' में नजर आ सकती हैं। दावा है कि इस शो के मेकर्स ने ये रिश्ता क्या कहलाता है फेम शहजादा धामी को अप्रोच किया है। निया के साथ वह इस शो में नजर आ सकते हैं। मेकर्स दोनों के जरिए टीआरपी में आग लगाने की प्लानिंग कर रहे हैं।

पलक तिवारी ने शॉर्ट ड्रेस में शेयर की स्टनिंग तस्वीर

बॉलीवुड एक्ट्रेस पलक तिवारी इन दिनों सोशल मीडिया पर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर काफी लाइमलाइट बटोर रही हैं। वहीं इसी बीच एक्ट्रेस ने अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनकी खूबसूरती देखकर फैंस की नजरें उन पर से हटने का नाम नहीं ले रही है। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो अक्सर फैंस उनकी तस्वीरों पर जमकर लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए प्रतिक्रियाएं देते हैं।आए दिन वे अपनी स्टाइलिश तस्वीरें और वीडियो शेयर कर फैंस का दिल जीत लेती हैं। हाल ही में पलक ने अपनी कुछ स्टनिंग तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं, जिसमें वे क्रीम कलर की शॉर्ट ड्रेस में बेहद खूबसूरत लग रही हैं। इन तस्वीरों में पलक ने क्रीम कलर की शॉर्ट ड्रेस पहनी है। उन्होंने लाइट मेकअप किया है और अपने बालों को खुला रखा है। पलक ने अलग-अलग पोज़ देते हुए कई तस्वीरें खिंचवाई हैं।

पलक की इन तस्वीरों को सोशल मीडिया पर खूब पसंद किया जा रहा है। कानों में छोटे से इयररिंग्स, बालों को स्टाइलिश लुक में खुले छोड़कर और साथ ही लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस पलक तिवारी ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।

इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस कैमरे के सामने अपना परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही हैं। साथ ही फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं।फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस पलक तिवारी फोटोशूट करवाते हुए एक से बढ़कर एक सेक्सी लुक्स में पोज देते हुए नजर आ रही हैं।यूजर्स पलक की खूबसूरती की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। कई यूजर्स ने कमेंट में लिखा है कि पलक अपनी मां श्वेता तिवारी से भी ज्यादा खूबसूरत हैं।

अपूर्वा अरोड़ा ने पहली बार ओटीटी शो फैमिली आज कल में मेथड एक्टिंग आजमाई

अभिनेत्री अपूर्वा अरोड़ा, जिन्हें अपने हाल ही में रिलीज़ हुए ओटीटी शो फैमिली आज कल के लिए काफी सकारात्मक प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं, ने साझा किया है कि उन्होंने शो में पहली बार अभिनय की पद्धति आजमाई।अभिनेत्री ने भूमिका के लिए अपनी तैयारी के बारे में बात की और बताया कि कैसे उनके निर्देशक परीक्षित जोशी पागलपन भरे तरीके लेकर आए, जिससे शुरुआत में वह भ्रमित हो गईं लेकिन समय के साथ इन तरीकों ने वास्तव में अच्छा काम किया।अभिनेत्री ने कहा, एक निर्देशक की अभिनेत्री होने का मतलब है कि मैं उनके दृष्टिकोण को जीवन में लाने के लिए तैयार हूं। जब हम फैमिली आज कल के लिए तैयारी कर रहे थे, तो परीक्षित के पास कुछ अनोखे तरीके थे, जिन्हें देखकर पहले तो मुझे अपना सिर खुजलाना पड़ा। लेकिन मैं उस पर भरोसा करने और उसके साथ चलने का फैसला किया, भले ही यह थोड़ा अजीब लगा। उन कार्यशालाओं और होमवर्क सत्रों ने वास्तव में उसके दृष्टिकोण के प्रति मेरी आंखें खोल दीं।शो में सोनाली सचदेव, आकर्षण सिंह, प्रखर सिंह, मसूद अख्तर और दिवंगत अभिनेता नितेश पांडे भी हैं।मेथड एक्टिंग सीखने के अपने पहले अनुभव के बारे में बात करते हुए, उन्होंने कहा, यह पहली बार था जब मैं मेथड एक्टिंग में उतर रही थी, वास्तव में अपने किरदार के दिमाग में उतर रही थी। मुझे उन चीजों को छोड़ना पड़ा जो मुझे पसंद हैं, जैसे संगीत पर थिरकना - और मुझ पर विश्वास करो, कोई भी जो मुझे जानता है वह जानता है कि मैं एक अच्छे बीट पर थिरकने से खुद को रोक नहीं सकता।उन्होंने आगे कहा, फिल्मांकन के दौरान, मुझे संगीत न सुनने का नाटक करना पड़ा, ठीक उसी तरह जैसे मेरा किरदार दो साल तक अवसाद से जूझ रहा था। मेरा मानना है कि ये गहरे गोते वह जगह हैं जहां जादू होता है, जो चरित्र और मेरे अभिनय कौशल दोनों को आकार देता है।सिविक स्टूडियोज की अनुष्का शाह द्वारा निर्मित, फैमिली आज कल सोनी लिव पर स्ट्रीम हो रही है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आपको भूमि, रिअल-एस्टेट या सांस्कृतिक परियोजनाओं पर ध्यान केन्द्रित करने की ज़रूरत है। परिवार में किसी बुज़ुर्ग की ख़राब तबियत परेशानी का कारण बन सकती है। अचानक मिला कोई सुखद संदेश नींद में आपको मीठे सपने देगा। जीवन का आनंद लेने के लिए आपको अपने दोस्तों को भी समय देना चाहिए। अगर आप समाज से कटकर रहेंगे तो आवश्यकता पड़ने पर आपके साथ भी कोई नहीं होगा। आज से पहले शादीशुदा ज़िन्दगी इतनी अच्छी कभी नहीं रही। उन लोगों की बातों का बुरा न मानें जिनकी आपके जीवन में कोई अहमियत नहीं है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

मौज-मस्ती की यात्राएं और सामाजिक मेलजोल आपको ख़ुश रखेंगे और सुकून देंगे। आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी। पारिवारिक ज़िम्मेदारियों का बोझ बढ़ेगा, जो आपको तनाव दे सकता है। कुछ लोगों के लिए आकस्मिक यात्रा दौड़-भाग भरी और तनावपूर्ण रहेगी। आपका जीवनसाथी बिना जाने कुछ ऐसा ख़ास काम कर सकता है, जिसे आप कभी भुला नहीं पाएंगे। लोगों के बीच रहकर सबका सम्मान करना आपको आता है इसलिए आप भी सबकी नजरों में अच्छी छवि बना पाते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

सेहत अच्छी रहेगी। घर में मरम्मत का काम या सामाजिक मेल-मिलाप आपको व्यस्त रखेगा। आपको अपनी हार से कुछ सबक़ सीखने की ज़रूरत है, क्योंकि आज अपने दिल की बात ज़ाहिर करने से नुक़सान भी हो सकता है। जरूरी कामों को समय न देना और फिज़ूल के कामों पर वक्त जाया करना आज आपके लिए घातक सिद्ध हो सकता है। जीवनसाथी द्वारा परिवार और मित्रों के बीच नकारात्मक तरीक़े से आपके वैवाहिक जीवन की निजी बातें उजागर हो सकती हैं। आज किसी सामाजिक काम में हिस्सेदारी करके आपको अच्छा महसूस होगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश आपको अच्छा-ख़ासा मुनाफ़ा देंगे। आपके जीवन-साथी की लापरवाही संबंधों में दूरी बढ़ा सकती है इसलिए साथ में अपना क़ीमती समय बिताएँ। इस राशि वाले जातकों को आज खाली वक्त में आध्यात्मिक पुस्तकों का अध्ययन करना चाहिए। ऐसा करके आपकी कई परेशानियां दूर हो सकती हैं। कोई पुराना दोस्त आपके और आपके जीवनसाथी की साझा यादों को तरोताज़ा कर सकता है। यदि आप किसी खेल में महारत रखते हैं तो आज के दिन आपको वो खेल खेलना चाहिए।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज के दिन घर के किसी इलेक्ट्रोनिक सामान के खराब हो जाने की वजह से आपका धन खर्च हो सकता है। एक पारिवारिक आयोजन में आप सभी के ध्यान का केन्द्र होंगे। इस राशि के जातक आज के दिन अपने भाई-बहनों के साथ घर पर कोई मूवी या मैच देख सकते हैं। ऐसा करके आप लोगों के बीच प्यार में इजाफा होगा। जीवनसाथी के साथ थोड़ा हँसी-मज़ाक़, थोड़ी छेड़-छाड़ आपको किशोरावस्था के दिनों की याद दिला देंगे। हालाँकि किसी भी चीज़ की अति नुक़सानदेह है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपने बीते समय में बहुत पैसा खर्च किया है जिसका खामियाज़ा आज आपको भुगतना पड़ सकता है। आज आपको पैसों की जरुरत होगी लेकिन वो आपको मिल नहीं पाएगा। आपकी ज्ञान की प्यास आपको नए दोस्त बनाने में मददगार साबित होगी।
प्रेमी एक-दूसरे की पारिवारिक भावनाओं को समझेंगे। भरपूर रचनात्मकता और उत्साह आपको एक और फ़ायदेमंद दिन की ओर ले जाएंगे।इस राशि के युवाओं की आज अपने जीवन में प्रेम की कमी महसूस होगी।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

बहुत ज़्यादा चिंता करना मानसिक शांति को बर्बाद कर सकता है। इससे बचें, क्योंकि ज़रा-सी चिंता और मानसिक तनाव भी शरीर पर ख़राब असर डालते हैं। भाई बहनों की मदद से आज आपको आर्थिक लाभ मिल पाएगा। अपने भाई बहनों की सलाह लें। कोई चिट्ठी या ई-मेल पूरे परिवार के लिए अच्छी ख़बर लाएगी। जल्दबाज़ी में फ़ैसले न करें, ताकि ज़िन्दगी में आगे आपको पछताना न पड़े। अगर आप वैवाहिक तौर पर लंबे समय से कुछ नाख़ुश हैं, तो आज के दिन आप हालात बेहतर होते हुए महसूस कर सकते हैं। दिन अच्छा है आज आपका प्रिय आपकी किसी बात पर खिलखिलाकर हंसेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

कार्यक्षेत्र में वरिष्ठों का दबाव और घर में अनबन के चलते आपको तनाव का सामना करना पड़ सकता है– जो काम में आपकी एकाग्रता को भंग करेगा। वे निवेश-योजनाएँ जो आपको आकर्षित कर रहीं हैं, उनके बारे में गहराई से जानने की कोशिश करें– कोई भी क़दम उठाने से पहले विशेषज्ञ की सलाह ज़रूर ले लें। हितकारी ग्रह कई ऐसे कारण पैदा करेंगे, जिनकी वजह से आज आप ख़ुशी महसूस करेंगे। समय को व्यर्थ गँवाने की बजाय आज किसी विदेशी भाषा को सीखना आपके वार्तालाप के तरीक़ों में वृद्धि कर सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आपका धन आपके काम तभी आता है जब आप फिजूलखर्ची करने से खुद को रोकते हैं आज ये बात आपको अच्छी तरह से समझ में आ सकती है। आपकी भरपूर ऊर्जा और ज़बरदस्त उत्साह सकारात्मक परिणाम लाएंगे व घरेलू तनाव दूर करने में मददगार रहेंगे। इस राशि के जातक आज लोगों से मिलने से ज्यादा अकेले में वक्त बिताना पसंद करेंगे। आज आपका खाली समय घर की सफाई में बीत सकता है। बच्चों को साथ समय का पता नहीं चलता आज आप भी अपने बच्चों के साथ वक्त बिताकर यह जान जाएँगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज मुमकिन है कि आपको धन से जुड़ी कोई समस्या हो लेकिन अपनी सूझबूझ से आप हानि को भी मुनाफे में बदल सकते हैं। आपको अपना बाक़ी वक़्त बच्चों के संग गुज़ारना चाहिए, चाहे इसके लिए आपको कुछ ख़ास ही क्यों न करना पड़े। आप खाली समय में अपने पसंदीदा काम करना पसंद करते हैं, आज भी आप ऐसा ही कुछ करने का सोचेंगे लेकिन किसी शख्स के घर में आने की वजह से आपका यह प्लान चौपट हो सकता है। अगर आज कुछ अधिक करने को नहीं है तो अपने घर के सामानों को दुरुस्त करके आप अपने को व्यस्त रख सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपका ऊर्जा-स्तर ऊँचा रहेगा। आज किसी पार्टी में आपकी मुलाकात किसी ऐसे शख्स से हो सकती है जो आर्थिक पक्ष को मजबूत करने के लिए आपको अहम सलाह दे सकता है। एक लम्बा दौर जो काफ़ी समय से आपको दबोचे हुए था, ख़त्म हो चुका है– क्योंकि जल्दी ही आपको आपका जीवन-साथी मिलने वाला है। ऐसे बदलाव लाएँ जो आपके रूप-रंग में निखार ला सके और संभावित साथियों को आपकी ओर आकर्षित करे। आज के दिन आप वैवाहिक जीवन का असली स्वाद चख सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आर्थिक रुप से आज आप काफी मजबूत नजर आएंगे, ग्रह नक्षत्रों की चाल से आज आपके लिए धन कमाने के कई मौके बनेंगे. घरेलू काम थका देने वाला होगा और इसलिए मानसिक तनाव की वजह भी बन सकता है। आपको अपने प्रिय के साथ समय बिताने की ज़रूरत है, ताकि आप दोनों एक-दूसरे को अच्छी तरह से जान व समझ सकेगें। आपका खाली समय आज मोबाइल या टीवी देखने में बर्बाद हो सकता है। इससे आपके जीवनसाथी को आपसे खिन्नता भी होगी क्योंकि आप उनसे बात करने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाएँगे।

मंगलवार का पंचांग

दिनांक : 09 अप्रैल 2024 , मंगलवार
विक्रम संवत : 2081
मास : चैत्र , शुक्ल पक्ष
तिथि : प्रतिपदा रात्रि 08:33 तक
नक्षत्र : रेवती प्रातः 07:32 तक
योग : वैधृति दोपहर 02:17 तक
करण : किंस्तुघ्न प्रातः 10:10 तक
चन्द्रराशि : मीन प्रातः 07:32 तक
सूर्योदय : 06:04 , सूर्यास्त 06:30 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:10 , सूर्यास्त 06:31 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:02 , सूर्यास्त 06:24 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:56, सूर्यास्त 06:21 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : नववर्ष युगादि विक्रम संवत 2081 आरंभ , नवरात्रि आरंभ , पंचक प्रातः 07:32 तक , गण्डमूल चालू हैं , भौमाश्विनी अमृत सिद्धि योग, खरमास चालू हैं

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

सरकारी अस्पतालों में मम्पस बीमारी के टिके नहीं

निजी क्लीनिक वसूल रहे दोगुने दाम

झुंझुनूं ,08 अप्रैल (एजेंसियां)। झुंझुनूं के सरकारी अस्पतालों में टीके लगवाने को लेकर आ रहे परिजनों को बैरंग लौटना पड़ रहा है।दरअसल, डेंगू और मलेरिया के साथ मम्पस के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। जिले में हर दिन 20 से 25 बच्चे मम्पस की चपेट में आ रहे हैं। लेकिन सरकारी अस्पतालों में टीके अभी तक नहीं पहुंचे।

वरिष्ठ शिशु रोग विशेषज्ञ डॉक्टर जितेंद्र भाम्बू ने बताया कि राजकीय बीडीके अस्पताल झुंझुनूं में मम्पस के उपचार की पूर्ण सुविधाएं उपलब्ध हैं। मम्पस से गंभीरता काफी कम है। मरीज 3-5 दिन में ठीक हो रहे हैं, फिर भी भर्ती होने पर पूर्ण उपचार की सुविधा उपलब्ध है। एक बार मम्पस होने के बाद दोबारा नहीं होता है, इससे इम्यूनिटी बन जाती है।

यूआईपी प्लान में टीकाकरण नहीं है, परंतु असहयोगात्मक एवं लक्ष्यानात्मक उपचार से अधिकांश रोगियों को स्वस्थ किया जा सकता है। जबड़े में सूजन के चलते भारी खाना खाने से दर्द होता है। निगलने में दिक्कत होती है। यह करीबी व्यक्तिगत संपर्क में आने से एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैलता है। उन्होंने बताया कि अभिभावक इसे लापरवाही नहीं बरतें। मम्पस का उपचार थोड़ा कठिन है। क्योंकि यह एक वायरस है। इसलिए यह अन्य दबाव और एंटीबायोटिक दवाइयों पर भी प्रतिक्रिया नहीं करता।

एक साथ शादी के बंधन में बंधे 17 भाई-बहन

पूरे गांव के लोग बारातियों की खातिरदारी में जुटे

बीकानेर,08 अप्रैल (एजेंसियां)। आज कल जहां भाई-भाई की आपस में नही बनती, वहीं एक संयुक्त परिवार ने 17 चचेरे भाई-बहनों की एक साथ शादी कर मिसाल पेश की। नोखा क्षेत्र में ऐसा ही अनोखा दृश्य देखने को मिला। लालमदेसर छोटा में 12 दूल्हे बारात लेकर पहुंचे, तो उनकी खातिरदारी में पूरा गांव जुट गया। इससे पहले पांच चचेरे भाई परिणय सूत्र में बंधे थे। असल में गांव के सुरजाराम गोदारा ने संयुक्त परिवार ने एक मिसाल कायम करने के लिए अपने 17 पोते-पोतियों का एक साथ विवाह रखा। खास बात यह रही कि इसके लिए शादी का निमंत्रण कार्ड भी एक ही छपाया गया, जिसमें पांच पौत्रों को आयुष्मान और 12 पौत्रियों को आयुष्मती के रूप में लिखाया गया। पांचों दूल्हों की एक ही समय में बारात रवानगी की गई। पोतियों को ब्याहने आने वाले बारातियों के स्वागत कार्यक्रम भी एक ही समय दर्ज किया गया। मंगलवार रात को एक-एक कर 12 बारातें गांव में पहुंचीं। सुरजाराम के घर शादी का बड़ा शामियाना लगाया गया।

बारातों को रात में रोकने की व्यवस्था गांव में अलग-अलग जगह की गई। इस विवाह की इस गांव के साथ ही आस-पास के ग्रामीण अंचल में भी खासी चर्चा रही। सुरजाराम गोदारा के पांच बेटे ओमप्रकाश, गोविन्द गोदारा, मानाराम, भागीरथ और भैराराम गोदारा आज भी संयुक्त परिवार के रूप में रहते हैं। इन पांचों की 17 संतान हैं। इनमें पांच लड़के और 12 लड़कियां हैं।

सभी के बालिग होने पर परिवार ने अलग-अलग शादी के खर्च की जगह सामूहिक शादी कर विवाहों पर होने वाले खर्च को कम करने का संदेश देते हुए एक ही सावे पर शादियां की हैं। पांच बेटों का परिवार एक साथ होने के बाद सुबह बारात वापस घर लौटी। रात को 12 जोड़ों के फेरे होने के बाद सभी 17 जोड़ों का आशीर्वाद समारोह हुआ।

बहन को ससुराल छोड़कर आ रहे युवक की रोडवेज बस की टक्कर से हुई मौत

करौली,08 अप्रैल (एजेंसियां)। करौली-कैलादेवी मार्ग पर मामचारी गांव के पास रोडवेज बस की टक्कर से एक बाइक सवार की मौत हो गई। मृतक का शव करौली हॉस्पिटल की मोर्चरी में रखवाया गया है, जहां पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा।

इधर मृतक के परिजनों और ग्रामीणों ने आर्थिक सहायता और सरकारी नौकरी सहित विभिन्न मांगों को लेकर अस्पताल के बाहर प्रदर्शन किया। सूचना पर डीएसपी अनुज शुभम, करौली विधायक दर्शन सिंह गुर्जर, तहसीलदार महेंद्र गुर्जर और थाना अधिकारी सुनील कुमार अस्पताल पहुंचे और परिजनों को समझाइश दी।

अधिकारियों और विधायक की परिजनों से बातचीत के बाद उचित सरकारी मुआवजे, प्रधानमंत्री आवास, सरकारी योजनाओं का लाभ, मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम और रोडवेज बस चालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने पर सहमति बनी है। पुलिस मामले पर नजर बनाए हुए है।

करौली डीएसपी अनुज शुभम ने बताया कि बरखेड़ा वंशी का बाग निवासी साहब सिंह गुर्जर (22) रविवार शाम कैलादेवी मार्ग स्थित डलापुरा गांव में अपनी बहन को बाइक से छोड़ने गया था। बहन को छोड़कर वापस करौली लौटते समय मामचारी गांव के पास एक रोडवेज बस ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे साहब सिंह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे उपचार के लिए करौली अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत की सूचना पर बड़ी संख्या में ग्रामीण और परिजन हॉस्पिटल में एकत्रित हो गए और आर्थिक सहायता सहित विभिन्न मांगें करने लगे। सोमवार सुबह करौली विधायक दर्शन सिंह गुर्जर, तहसीलदार महेंद्र गुर्जर, डीएसपी, थाना अधिकारी सहित अन्य अधिकारियों ने परिजनों को समझाइश दी, जिसके बाद परिजन पोस्टमार्टम कराने पर सहमत हुए।

मजदूर महिला से सामूहिक दुष्कर्म, सात आरोपी गिरफ्तार

आरोपियों में दो हिस्ट्रीशीटर भी शामिल

कोटा,08 अप्रैल (एजेंसियां)। कोटा में मजदूरी के पैसे लेकर लौट रही विवाहिता से सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। इस मामले में रेलवे कॉलोनी थाना पुलिस ने सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें दो आरोपी इस थाने के हिस्ट्रीशीटर हैं। घटना शुक्रवार रात की है। शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया, जिसके बाद पीड़िता का मेडिकल करवाया। गिरफ्तार सभी आरोपी रेलवे कॉलोनी थाना क्षेत्र इलाके के रहने वाले हैं।

पीड़िता मूलरूप से मध्यप्रदेश की रहने वाली है। वर्तमान में रेलवे कॉलोनी थाना क्षेत्र इलाके में रहती है। विवाहिता ठेकेदार के पास मजदूरी करती है। विवाहिता के तीन बेटे बेटी हैं। विवाहिता का पति बेटी के साथ एमपी गया हुआ था। विवाहिता शुक्रवार रात आठ बजे करीब मजदूरी के पैसे लेने ठेकेदार के पास गई थी। लौटते समय नहर के पास तीन चार युवकों ने उसे रोक लिया। विद्युत सब स्टेशन के पास सुनसान जगह ले गए। फिर बारी बारी से विवाहिता के साथ दुष्कर्म किया। हल्ला होने व सूचना पर ठेकेदार भी वहां पहुंचा। आरोपियों ने ठेकेदार से मारपीट की व पर्स छीन लिया।

पुलिस की प्राथमिक जांच में सामने आया कि चारों युवक नशे में थे। अकेली महिला को देखकर इन्होंने कुछ साथियों को फोन कर बुलाया। पुलिस को अभी तक मामले में आठ आरोपी होने का पता लगा है। युवक आठ ही थे या ज्यादा, इसकी हकीकत पुलिस जांच में सामने आएगी। डीएसपी राजेश सोनी ने बताया कि कमलेश निवासी उड़िया बस्ती तुल्लापुरा, शाकिर हुसैन उर्फ बच्चा, विष्णु गौतम उर्फ बाटी गजेंद्र सिंह उर्फ चाचा, आरिफ कालिया, राजेश्वर उर्फ बल्लू और अभिजीत को गिरफ्तार किया है।

खेत पर बनी झोपड़ी में लगी आग

भरतपुर,08 अप्रैल (एजेंसियां)। भरतपुर के रूपवास थाना इलाके में खेत पर बनी झोपड़ी में आग लग गई। इसमें ट्यूबवेल, 10 हजार की नकदी सहित एक लाख का सामान जलकर राख हो गया। गनीमत यह रही कि घटना के दौरान झोपड़ी में कोई नहीं था। नहीं तो कोई जनहानि हो सकती है। घटना की सूचना के बाद जब तक किसान घर से पहुंचा, तब तक सारा सामान जलकर राख हो चुका था। आग लगने के कारणों का पता नहीं लग पाया है।

किसान गौरव ने बताया कि गांव पुरा में उनके खेत हैं। खेतों की सिंचाई के लिए उन्होंने ट्यूबवेल लगाया हुआ है। जो एक झोपड़ी के अंदर रखा है। आज गौरव का परिवार घर पर था। 11 बजे झोपड़ी में अचानक आग लग गई।

आसपास खेतों में किसान काम कर रहे थे। उन्होंने घटना की सूचना तुरंत गौरव को दी, जिसके बाद गौरव और उसका परिवार मौके पर पहुंचा। जब तक कमरे के अंदर रखा सामान और 10 हजार की नकदी जलकर राख हो चुकी थी। आग लगने के कारणों का पता नहीं लग पाया है। किसान का कहना है कि घटना में उसका एक लाख का सामान जल गया है।

ऑडी की टक्कर से बुजुर्ग की मौत, उछलकर कार के बोनट पर गिरा, शरीर के हुए कई टुकड़े

जलमाना/करनाल,08 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के करनाल में नेशनल हाईवे 709ए करनाल-असंध के बीच जलमाना गांव के समीप शनिवार रात को हुए सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत के बाद परिजन और ग्रामीण भड़क गए। रविवार को सभी ने एकजुट होकर कार चालक की गिरफ्तारी न होने और जलमाना चौकी प्रभारी पर सबूत मिटाने के आरोप लगाते हुए जलमाना चौकी के सामने नेशनल हाईवे पर शव रखकर जाम लगा दिया।

परिजन व ग्रामीण करीब दोपहर तीन बजे से शाम 6:30 बजे तक हाईवे पर डटे रहे। सूचना पर असंध डीएसपी परमजीत, असंध थाना प्रभारी गौरव पुनिया सहित भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा लेकिन ग्रामीण नहीं माने। इसके बाद करनाल से डीएसपी गुरमेल सिंह ट्रैफिक इंचार्ज करनाल, डीएसपी बीर सिंह सिटी करनाल सहित अन्य पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि जल्द आरोपी को काबू कर लिया जाएगा और चौकी प्रभारी पर लगे आरोप की जांच कराई जाएगी। इसके बाद ग्रामीण शांत हुए। शाम 6:30 बजे ग्रामीणों ने जाम खोला। पुलिस ने आरोपी ऑडी कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। मृतक के भाई शेर सिंह के अनुसार उसका 50 वर्षीय भाई साहब सिंह, उसकी पत्नी गुरजीत कौर व उसकी बेटी सुखमन कौर रात करीब नौ बजे सैर करने के लिए सड़क पर निकले थे तभी करनाल की तरफ से तेज रफ्तार काले रंग की ऑडी कार आई और उसने उसके भाई, पत्नी व बेटी को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि साहब सिंह उछलकर कार के बोनट पर जा गिरा और शीशा टूटने पर कार में फंस गया। इस दौरान उसके शरीर के कई हिस्से हो गए। उसकी पत्नी व बेटी की टांग टूट गई और एक टांग टूट कर खेतों में जा गिरी। हादसा होने की सूचना पर वह मौके पर पहुंच गए और उन्हें अस्पताल लेकर गए। जहां साहब सिंह को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। मृतक साहब सिंह अविवाहित था। वहीं घायल सुखमन का शनिवार को ही ऑस्ट्रेलिया का वीजा आया था। अब वह अस्पताल में दाखिल है।

नेशनल हाईवे 709ए पर जाम के कारण दोनों तरफ वाहनों की लाइन लग गई। इसके बाद प्रशासन हरकत में आया और यातायात डायवर्ट किया गया। पुलिस ने असंध की ओर से आने वाले वाहनों को जलमाना से कुड़लन रोड की तरफ डायवर्ट किया जबकि करनाल से असंध आने वाले वाहनों को शेखुपुरा से डायवर्ट किया गया ताकि जाम की स्थिति न बने।

जुलाना विधायक अमरजीत व राजेंद्र लितानी पहुंचे निशान सिंह को मनाने

जजपा से दे दिया है इस्तीफा

फतेहाबाद,08 अप्रैल (एजेंसियां)। जजपा के प्रदेश अध्यक्ष रहे निशान सिंह को मनाने के लिए जुलाना से विधायक अमरजीत ढांडा और खादी बोर्ड के पूर्व चेयरमैन राजेंद्र लितानी सोमवार दोपहर को उनके गांव मामुपुर पहुंचे। दोनों ने राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय सिंह चौटाला और पूर्व उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला का संदेश निशान सिंह को दिया।करीब एक घंटे तक इन नेताओं के बीच बातचीत हुई। इस दौरान अमरजीत ढांडा और राजेंद्र लितानी ने दोपहर का खाना भी निशान सिंह के साथ ही खाया।

स्कूल बस और ट्रक की आमने सामने की टक्कर

अध्यापिका की मौत, चालक गंभीर

सोनीपत,08 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के सोनीपत के गोहाना में बड़ा सड़क हादसा हो गया है। यहां स्कूल बस और ट्रक की आमने सामने की टक्कर हो गई। स्कूल बस में सवार अध्यापिका की मौके पर ही मौत हो गई है। दोनों गाड़ियों के चालक गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। गोहाना के बुटाना और गंगाना गांव के रोड पर हादसा हुआ है। बस गीता सीनियर सेकेंडरी स्कूल बुटाना से स्कूल की छुट्टी होने के बाद गोहाना की तरफ बच्चों को लेकर आ रही थी। स्कूली बच्चे हादसे में बाल बाल बच गए।

चैत्र कृष्ण पक्ष की अमावस्या पर हजारों ने किया पिंडदान

जींद,08 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के जींद के पांडु पिंडारा स्थित पिंडतारक तीर्थ पर सोमवार को चैत्र कृष्ण पक्ष की अमावस्या पर हजारों श्रद्धालुओं ने सरोवर में स्नान किया तथा पिंडदान कर तर्पण किया। रविवार की पूरी रात धर्मशालाओं में सत्संग तथा कीर्तन आदि का आयोजन चलता रहा।

सोमवार अल सुबह से ही श्रद्धालुओं ने सरोवर में स्नान तथा पिंडदान शुरू कर दिया। इस मौके पर दूर दराज से आएं श्रद्धालुओं ने अपने पितरों की आत्मा की शांति के लिए पिंडदान किया तथा सूर्यदेव को जलार्पण करके सुख समृद्धि की कामना की।

पिंडतारक तीर्थ के संबंध में किदवंती है कि महाभारत युद्ध के बाद पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए पांडवों ने यहां 12 वर्ष तक सोमवती अमावस्या की प्रतीक्षा में तपस्या की। बाद में सोमवती अमावस के आने पर युद्ध में मारे गए परिजनों की आत्मा की शांति के लिए पिंडदान किया। तभी से यह माना जाता है कि पांडु पिंडारा स्थित पिंडतारक तीर्थ पर पिंडदान करने से पूर्वजों को मोक्ष मिल जाता है। महाभारत काल से ही पितृ विसर्जन की अमावस्या, विशेषकर सोमवती अमावस्या पर यहां पिंडदान करने का विशेष महत्व है। यहां पिंडदान करने के लिए विभिन्न प्रांतों के लोग श्रद्धालु आते हैं।

बीएस येदियुरप्पा और बीवाई विजयेंद्र राज्य के कुछ लोकसभा क्षेत्रों में विद्रोह को दबाने में हो रहे विफल?

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

लोकसभा चुनाव में अब कुछ ही दिन बचे हैं और राजनीतिक पार्टियां धुआंधार प्रचार कर रही हैं। बीएस येदियुरप्पा और बीवाई विजयेंद्र राज्य के कुछ लोकसभा क्षेत्रों में विद्रोह को दबाने में विफल रहे और हाईकमान के हस्तक्षेप के बावजूद मतभेद कम नहीं हुए। शिवमोग्गा में येदियुरप्पा के बेटे और मौजूदा सांसद बी.वाई.राघवेंद्र और पूर्व भाजपा मंत्री के.एस.ईश्वरप्पा के बीच लड़ाई जारी है। ईश्वरप्पा बार-बार दोहराते रहते हैं कि गैर-पार्टी उम्मीदवार के रूप में उनका राघवेंद्र के खिलाफ चुनाव लड़ना निश्चित है। भाजपा के राज्य महासचिव और पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र के बेटे प्रीतम ने हासन निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा-जेडीएस गठबंधन के उम्मीदवार के रूप में मौजूदा सांसद प्रज्वल रेवन्ना को मैदान में उतारने पर नाराजगी व्यक्त की। इस पृष्ठभूमि में, राज्य भाजपा चुनाव प्रभारी राधामोहन दास अग्रवाल ने हासन में विद्रोह को दबाने के लिए कुछ दिन पहले ही भाजपा और जेडीएस की आपातकालीन समन्वय बैठक की थी।

प्रितम गौड़ा को मैसूरु और चामराजनगर का प्रभार दिया गया है। इसलिए वह हासन नहीं जा सके। प्रीतम ने बताया कि जरूरत पड़ने पर वह प्रज्वल के लिए चुनिंदा जगहों पर प्रचार करेंगे। इस बीच, उपमुख्यमंत्री और कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष डीके शिवकुमार, जो भाजपा में विद्रोह का इस्तेमाल अपने फायदे के लिए करने की योजना बना रहे हैं, ने प्रीतम को हासन की हालिया यात्रा के दौरान प्रज्वल का समर्थन करते समय सावधान रहने की सलाह दी। हासन के बाद अग्रवाल ने तुमकुरु में विद्रोह को शांत करने की कोशिश की। पूर्व मंत्री जेसी मधुस्वामी से मुलाकात कर बातचीत की। मधुस्वामी भी टिकट के दावेदार थे। हालाँकि, वह इस बात से नाराज हैं कि पार्टी ने एस सोमन्ना को चुना। इस पृष्ठभूमि में, अग्रवाल ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के माध्यम से मधुस्वामी को यह संदेश देने का काम किया कि सोमन्ना मेरे चुने हुए उम्मीदवार हैं। हाईकमान के संदेश के बावजूद मधुस्वामी सोमन्ना से नहीं मिले लेकिन रविवार को कांग्रेस उम्मीदवार एस.पी. मुद्दहनुमेगौड़ा को लेकर आए। इस घटनाक्रम ने कई लोगों की भौंहें चढ़ा दी हैं। यात्रा पर टिप्पणी करते हुए, मधुस्वामी ने कहा हम लंबे समय से दोस्त हैं। मुद्दहनुमेगौड़ा ने मुझसे समर्थन मांगा था। लेकिन एक अलग पार्टी में होते हुए भी मैं इसके प्रति कैसे प्रतिबद्ध हो सकता हूं?

उन्होंने कहा कि मुझे उडुपी-चिक्कमगलूरु लोकसभा क्षेत्र के प्रभारी के रूप में स्थानांतरित किया गया है। हालांकि आलाकमान ने सोमन्ना को तुमकुरु में प्रतिस्पर्धा नहीं करने के लिए कहा था, लेकिन यह ज्ञात है कि सोमन्ना ने इसे एक चुनौती के रूप में लिया और प्रतियोगिता में प्रवेश किया। गौड़ा, जो भाजपा में थे, यह संकेत मिलने के बाद कांग्रेस में लौट आए कि सोमन्ना भाजपा के उम्मीदवार होंगे। येदियुरप्पा बेंगलूरु की यशवंतपुर सीट से विधायक एसटी सोमशेखर और उत्तर कन्नड़ जिले के यल्लापुर से विधायक शिवराम हेब्बार को बीजेपी में शामिल होने के लिए मनाने में नाकाम रहे हैं।

▪ इस पलायन को नहीं रोक सके

भाजपा एमएलसी तेजस्विनी गौड़ा ने भी कांग्रेस में शामिल होने के लिए अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। डीके शिवकुमार ने रविवार को एक और एमएलसी केपी नंजुंदी से मुलाकात की। तेजस्विनी और नंजुंदी दोनों येदियुरप्पा के प्रति वफादार थे। पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान भी कई बीजेपी नेता कांग्रेस में शामिल हुए थे। येदियुरप्पा इस पलायन को नहीं रोक सके। यह घटनाक्रम लोकसभा चुनाव में भी जारी रहा। पार्टी में यह अफवाह भी फैल रही है कि येदियुरप्पा अपने पसंदीदा नेताओं को ज्यादा प्रतिनिधित्व दे रहे हैं। विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी के वरिष्ठ नेता बसनगौड़ा पाटिल यतनाल और कोडागु-मैसूरु सांसद प्रताप सिन्हा येदियुरप्पा के विरोध में उतर आए थे। इन बयानों की वजह से दोनों नेताओं को इसकी कीमत चुकानी पड़ी है। हालांकि, अगर आरोप सही भी हैं तो यह तय है कि इस चुनाव में बीजेपी को झटका लगेगा। राज्य की कुल 28 लोकसभा सीटों में से कांग्रेस और बीजेपी को 14-14 सीटें मिलने की संभावना है।

बागी के रूप में चुनाव लड़ने की अपनी इच्छा से नहीं हटेंगे पीछे: विनयकुमार

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से मुलाकात के बाद भी दावणगेरे में टिकट से वंचित जी.बी.विनयकुमार ने स्पष्ट किया है कि वह बागी के रूप में चुनाव लड़ने की अपनी इच्छा से पीछे नहीं हटे हैं। दावण-गेरे में पारिवारिक राजनीति से परेशान विनयकुमार अब तक 6 निर्वाचन क्षेत्रों का दौरा कर लोगों की राय ले चुके हैं। उन्होंने कहा कि वह दावणगेरे उत्तर और मायाकोंडा विधानसभा क्षेत्रों का दौरा करने और लोगों की राय जानने के बाद इस पर निर्णय लेंगे कि निर्दलीय चुनाव लड़ना है या नहीं। हमने रविवार को मुख्यमंत्री से मुलाकात की। यह एक शिष्टाचार भेंट थी। यह मत समझना कि मैं मिलते ही बागी मुकाबले से हट गया हूं। मैंने मुख्यमंत्री को मना लिया है कि अगर वह निष्पक्ष होकर खड़े होंगे तो जीतने की ज्यादा संभावना है। उन्होंने जल्दबाजी में निर्णय न लेने की सलाह दी है। सीएम ने मुझसे कहा है कि भविष्य में बड़ा करेंगे, बेहतर भविष्य है, कोई फैसला मत लेना। लेकिन इसका मतलब यह मत समझिए कि मैं विद्रोही प्रतिस्पर्धा से हट गया हूं। बाकी दो क्षेत्रों पर लोगों की राय जानने के बाद मैं अपने फैसले की घोषणा करूंगा। उन्होंने कहा कि फिलहाल मैं भी गैर-पार्टी सदस्य बनने के इरादे में हूं। श्यामनूर शिवशंकरप्पा के परिवार को लोकसभा चुनाव का टिकट दिए जाने से विनयकुमार नाराज हैं और खुद को गैर-पार्टी सदस्य के रूप में पेश करने की कोशिश कर रहे हैं।

सीएम नीतीश का लालू परिवार पर निशाना, कहा-

ये लोग केवल झूठ बोलते हैं, इन लोगों ने कोई काम नहीं किया

पटना (एजेंसियां)।

बिहार में क्रेडिट वॉर एक बार फिर से शुरू हो चुका है। तेजस्वी यादव ने पांच लाख नौकरी देने का श्रेय फिर लिया तो सियासत गरमा गई। सोमवार को जदयू कार्यालय पहुंचे सीएम नीतीश कुमार ने स्पष्ट कहा कि कुछ दिन के लिए उनलोगों को हम लाए। सारा काम मेरा पहले से ही किया हुआ है। आप लोग नहीं जानते हैं कि यहां पर काम कौन किया है। इन लोगों ने क्या कमा किया? 2005 से पहले क्या हाल था? उनके (तेजस्वी यादव) माता-पिता ने 15 साल राज किया लेकिन क्या काम किया। बिहार में कोई काम नहीं हुआ। शाम में कोई डर से घर के बाहर नहीं निकलता था। आपलोग पता कर लीजिए। अब पटना या कहीं भी कितने ऊंचे ऊंचे भवन बनकर खड़े हो गए। कितना विकास हुआ है।

नीतीश कुमार ने कहा कि ये लोग केवल झूठ बोलते हैं। बिना काम किए ही अपना प्रचार प्रसार करते रहता है। हम तो अपना काम में लगे रहते हैं। हमलोग प्रचार-प्रसार करने में ध्यान नहीं देते। पहले कितना हिन्दू-मुस्लिम के बीच झगड़ा होता रहता था। अब क्या स्थिति है। हम तो जनता से अपील करते हैं कि मेरे काम को याद रखिए। 2005 से पहले क्या हुआ था यह भी याद रखिए। नीतीश कुमार ने कहा कि लोकसभा चुनाव को लेकर हमलोग पूरी तैयारी में हैं। चिंता मत कीजिए। सब जगह जाएंगे और एक-एक चीज करेंगे। बाकी सब लोग इधर-उधर कर रहे हैं। उनको जनता देख रही है।

नेता प्रतिपक्ष बनने के बाद से तेजस्वी यादव जब भी जनता से मुखातिब होते हैं या किसी भी चुनावी सभा को संबोधित कर रहे होते हैं तो वह बिहार में पांच लाख नौकरी देने का श्रेय खुद को और महागठबंधन को जरूर देते हैं। तेजस्वी यादव का कहना है कि हमने जब 10 लाख रोजगार का वादा किया था कि सीएम नीतीश कुमार ने तंज कसता था। उस वक्त उन्होंने कहा था कि तेजस्वी अपने बाप के घर से इतनी नौकरी लाएगा। जब हम डिप्टी सीएम बने तो सीएम नीतीश कुमार के कलम से ही पांच लाख लोगों को नौकरी दी गई। तेजस्वी कहते हैं कि जनता जान चुकी है कि बिहार में पांच लाख नौकरी किसने दी।

पीएम मोदी के पैर छू रहे नीतीश कुमार: तेजस्वी यादव

सहनी ने कर दी हिटलर से तुलना

पटना (एजेंसियां)।

गया लोकसभा सीट पर पहले फेज में 19 अप्रैल को मतदान होना है। जैसे-जैसे मतदान का समय नजदीक आ रहा है। वैसे-वैसे चुनावी सरगर्मी बढ़ने लगी है। सोमवार को राजद नेता सह जिला परिषद उपाध्यक्ष डा. शीतल प्रसाद यादव के नेतृत्व में राजद प्रत्याशी कुमार सर्वजीत के समर्थन में मोहन प्रखंड के बड़की विहीया मैदान में मिलन समारोह का आयोजन किया गया है। उक्त समारोह के मुख्य अतिथि बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव और वीआईपी नेता मुकेश सहनी शामिल हुए। चुनावी सभा के दौरान राजद प्रत्याशी समेत महागठबंधन के सभी नेता मौजूद थे।

डिप्टी तेजस्वी यादव ने चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि यह मोदी का नहीं मुद्दा का चुनाव है। बेरोजगारी, महंगाई, पलायन, गरीबी, शिक्षा, चिकित्सा यही सब मुद्दा है। अच्छे प्रत्याशी कुमार सर्वजीत को दिया है तो आप लोग जिताएं। पीएम मोदी के पैर नीतीश कुमार छू रहे हैं। अनुभवी सीएम पैर छू रहे हैं। पैर दबा रहे हैं। चार लाख से चार हजार भाजपा का सीट बता दिया था। भाजपा ने उन्हें हाईजैक कर लिया। तेजस्वी यादव ने 5 लाख लोगों को रोजगार दिया यह केंद्र की सरकार में नहीं हुआ है। भाजपा का टेंशन बढ़ा हुआ था। इसलिए हमारी सरकार गिराई। जाति आधारित गणना करवाया। हमने किसको आर्थिक सहायता चाहिए इसका आंकड़ा सामने आया। इसके लिए योजना लागू करना था तभी नीतीश हाईजैक हो गए। इस घर में नौकरी नहीं है उसको एक लाख देते, पक्का मकान के लिए 1 लाख 20 हजार रुपए दे रहे थे। सर्वे से सच्चाई सामने आई है। सवर्ण और अतिपिछड़ा, अनुसूचित जाति में ज्यादा गरीबी है। मोदी में आएंगे तो पूछिएगा उसके बाद चले जाएंगे। पांच किलो राशन क्या नौकरी भी देंगे और महंगाई भी कम करेंगे। किरासन और राशन कांग्रेस के समय से मिलता आ रहा है।

पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी पर तंज कसते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि कहा कि भाजपा के लोग कहते हैं अच्छा प्रत्याशी नहीं मिला है। विशेष राज्य का दर्जा तक नहीं दिया मोदी ने कम से कम अच्छा प्रत्याशी दे देते। मोदी गरीब को नही देखते वह भी अमीरों पूंजीपतियों को ही देखते हैं।

मोदी ने नीतीश का डीएनए खराब बताए थे। आज अच्छे हो गए। बड़ा लोग है एक पीएम है तो दूसरा सीएम है। 17 साल से डबल इंजन की सरकार है। फिर भी बिहार में गरीबी, बेरोजगारी ,पलायन है। गांव ,जिला और राज्य का विकास नहीं तो देश का विकास कैसे होगा। कहते हैं देश का चुनाव है।

राजद को परिवारवादी कहते हैं। पहले चरण के सभी प्रत्याशी परिवारवादी हैं। देश को बेच कर लालू को भ्रष्टाचारी कहते हैं। बिहार को तीन तीन कारखाना लालू ने दिया था। इनलोगों का काम है सिर्फ आरोप लगाना। हावर्ड के लोग लालू को मैनेजमेंट गुरु कहते हैं। राजद गरीब की पार्टी है लेकिन भाजपा के पास इतना पैसा है हजारों करोड़ इंटरेस्ट में मिलता है। तेजस्वी यादव ने कहा कि आपलोग इधर-उधर कुछ नहीं चुपचाप लालटेन छाप दीजिए। जीतन राम मांझी आयेंगे तो पूछिएगा की शराब कब चालू करवा रहे हैं।

वीआईपी सुप्रीमो मुकेश सहनी ने पहले देश गुलाम था। कितने लोग शहीद हुए तो देश आजाद हुआ। हिटलर जब आया था तो चुनाव के समय में बड़ा बड़ा वादा किया था।

जैसे नरेंद्र मोदी ने किया है। जब लोगों ने हिटलर को लाया था तो सबको मालूम है क्या हुआ था। उसी के रास्ते पर चलकर नरेंद्र मोदी आए हैं। कहा था काला धन लायेंगे सबको खाते में पैसा देंगे, रोजगार देंगे और अच्छे दिन लाएंगे। हमलोग को गुमराह किया गया। हम लोग झांसे में फंस गए तो मोदी आ गए। हिंदू-मुसलमान को धर्म के नाम पर बांटा जा रहा है।

मालूम हो कि बाराचट्टी विधानसभा क्षेत्र से हम पार्टी के नेता सह एनडीए प्रत्याशी सह पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी के समधिन ज्योति मांझी विधायक हैं। उन्ही के गढ़ में राजद नेता तेजस्वी यादव का चुनावी सभा आयोजित की गई। तेजस्वी यादव को सुनने के लिए कड़ी धूप का भी कोई असर नहीं दिखा। चिलचिलाती धूप में भी काफी संख्या में लोग जुटे। बीते विधानसभा चुनाव के दौरान हम नेता ज्योति मांझी ने मोहनपुर प्रखंड से बढ़त बनाई थी और बाराचट्टी विधानसभा से जीत हासिल किया था।

बाराचट्टी विधानसभा क्षेत्र के मोहनपुर प्रखंड में यादव समाज की संख्या सबसे अधिक है। यही कारण है कि तेजस्वी की गया लोकसभा में यह पहली चुनावी सभा हुई। मोहनपुर प्रखंड में 50 से 60 हजार यादव, 15 हजार मुस्लिम, 10 हजार महादलित, 10 हजार कुशवाहा और ऊंची जाति के 5 हजार संख्या है। चुनावी सभा के दौरान जिला परिषद के 26 पार्षद, कांग्रेस, माले समेत महागठबंधन के सभी नेता मौजूद थे। सभा के पूर्व जिप उपाध्यक्ष डा. शीतल प्रसाद यादव के नेतृत्व में 29 जिला पार्षद हुए शामिल।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने पुलिस से पूछा-

अधिवक्ता की आंख क्यों फोड़ी गई? एसएसपी से जवाब तलब

तिरहुत-मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने अधिवक्ता की आंख फोड़े जाने के मामले में एसएसपी मुजफ्फरपुर राकेश कुमार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। पीड़ित अधिवक्ता की ओर से मानवाधिकार अधिवक्ता एसके झा मामले की पैरवी कर रहे हैं। जिले के काजी मोहम्मदपुर थाना क्षेत्र में जांच के दौरान पुलिस जवान ने डंडा मारकर अधिवक्ता की आंख फोड़ दी थी।

जानकारी के मुताबिक, पुलिस जवान द्वारा अधिवक्ता की आंख फोड़े जाने के मामले में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने एसएसपी मुजफ्फरपुर को नोटिस जारी किया है। छक्कउ ने सख्त रुख अपनाते हुए मुजफ्फरपुर की पुलिस से सवाल किया है कि अधिवक्ता पर डंडा क्यों चलाया गया और अधिवक्ता की आंख क्यों फोड़ी गई? आयोग के द्वारा पूरे मामले की रिपोर्ट 15 अप्रैल से पहले मांगी गई है।

गौरतलब है कि सात फरवरी को अधिवक्ता पंकज कुमार रात के लगभग 11:40 बजे पटना से अपने आवास मुजफ्फरपुर लौट रहे थे। तब पावर हाउस चौक पर पहले से मौजूद काजी मोहम्मदपुर थाना पुलिसकर्मी वाहन जांच के लिए खड़े थे। इस दौरान पुलिसकर्मियों ने अधिवक्ता की गाड़ी को रोका। फिर उनसे पूछा गया कि वह कहां से आ रहे हैं? जब तक अधिवक्ता कुछ बोल पाते तब तक पुलिस अधिकारी द्वारा उन्हें गाली देते हुए पुलिसकर्मियों को उन्हें मारने का आदेश दे दिया गया।

उसके बाद एक पुलिसकर्मी ने अधिवक्ता पंकज कुमार की आंख में डंडे से वार कर दिया। इस हमले के बाद वह दर्द से कराहते हुए जमीन पर गिर गए। तब सभी पुलिसकर्मी वहां से भाग गए। उसके बाद गंभीर रूप से घायल हुए अधिवक्ता पंकज कुमार का इलाज शंकर नेत्रालय कोलकाता में करवाया गया, लेकिन उनकी एक आंख की रोशनी जा चुकी है। अब तक दो बार सर्जरी हो चुकी है, जबकि एक अन्य सर्जरी मई के अंतिम सप्ताह में होनी है।

वहीं, इस पूरे मामले की जानकारी पीड़ित अधिवक्ता पंकज कुमार ने मानवाधिकार मामलों के अधिवक्ता एसके झा के जरिए राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, नई दिल्ली और बिहार मानवाधिकार आयोग, पटना को दी थी। उस पर सुनवाई करते हुए अब राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग दिल्ली ने एसएसपी मुजफ्फरपुर को तलब किया है।

मानवाधिकार अधिवक्ता एसके झा ने बताया है कि अब यह पूरा मामला मानवाधिकार उल्लंघन के अति गंभीर श्रेणी का मामला है। आयोग मामले को लेकर काफी सख्त है। उन्होंने कहा कि आयोग द्वारा मामले को काफी गंभीरता से लिया गया है। इस मामले में पूरा जवाब एसएसपी राकेश से मांगा गया है कि आखिर किस वजह से डंडा मारा गया और आंख क्यों फोड़ी गई है।

वहीं, एडवोकेट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष वरीय अधिवक्ता रामशरण सिंह ने कहा कि आयोग के द्वारा उठाए गए इस कदम से अब दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कठोर से कठोर कार्रवाई होना सुनिश्चित है। महासचिव वीरेंद्र कुमार लाल ने कहा कि दोषी पुलिसकर्मियों को विभाग से अविलंब बर्खास्त किया जाना उचित प्रतीत होता है। वहीं, वरीय कानूनविद् विजय कुमार शाही ने कहा कि दोषी पुलिसकर्मियों को अविलंब बर्खास्त करते हुए सरकार को तत्काल 20 लाख रुपये का मुआवजा अधिवक्ता पंकज कुमार को अविलंब देना चाहिए।

ट्रैक्टर के नीचे दबकर युवक की मौत

पटना (एजेंसियां)।

कैमूर जिले के रामगढ़ थाना क्षेत्र के डरवन गांव में ट्रैक्टर के नीचे दबकर एक युवक की मौत हो गई। परिजनों ने डरवन गांव निवासी ट्रैक्टर मालिक मुन्ना सिंह पर ट्रैक्टर चढ़ाकर हत्या करने का आरोप लगाया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भभुआ सदर अस्पताल में भेज दिया है और मामले की जांच में जुट गई है।

मरने वाले की पहचान रामगढ़ थाना क्षेत्र के डरवन गांव निवासी शंभू राम का 20 वर्ष से पुत्र प्रकाश राम के रूप में हुई। मृतक के चाचा नर्सिंग राम ने बताया कि मेरा भतीजा डरवन गांव के मुन्ना सिंह का ट्रैक्टर चलाता था जो चार से पांच दिन का मजदूरी

मांगने गया था, जहां उसपर ट्रैक्टर चढ़ा दिया गया। इसके बाद उसे किशनपुरा गांव के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां हमलोग सूचना पर पहुंचे तो देखा कि उसका इलाज चल रहा है। परिजनों का कहना है कि प्रकाश को जब होश आया तो उसने कहा था कि उसके ऊपर ट्रैक्टर चढ़ा दिया गया। इतना कहते ही उसकी तबीयत बिगड़ गई। इसके बाद बेहतर इलाज के लिए रामगढ़ रेफरल अस्पताल लाया गया जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया।

परिजनों का कहना है कि पुलिस से अपील है कि वह इस मामले को गंभीरता से ले और आरोपियों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी करे। परिजनों का आर-ोप है कि डरवन गांव के मुन्ना सिंह के यहां युवक मजदूरी करता था जो मजदूरी का पैसा मांगने गया था। कुछ बात को लेकर बकझक हुआ, इसके बाद युवक को ट्रैक्टर से कुचल दिया गया। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। कुछ लोगों से पूछताछ की जा रही है। जो भी दोषी होंगे, उनपर कार्रवाई की जाएगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com